नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 15

अंक : 05

सोमवार, 03 से 09 मार्च 2025

मूल्य : 5 रू प्रति

रू 250 वार्षिक

भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है: विजेंद्र गुप्ता 03

कांग्रेस के संबंध में ट्रंप ने की घोषणा, दो अप्रैल से भारत... 08

NCR समाचार

भारत ने 12 साल बाद जीता चैंपियंस ट्रॉफी का तीसरा खिताब 10

कला, संस्कति और शिक्षा का संगम आयरलैंड 11

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in

BY C.R.O. TEAM

twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

अगले साल रिलीज होगी नानी स्टारर द पैराडाइज 12

रेखा गुप्ता मंत्रिमंडल ने महिला समृद्धि योजना लागू करने की मंजूरी दी

गरीब महिलाओं को मिलेंगे 2500 रुपए महीना : रेखा गुप्ता

- नारी सशक्तिकरण सरकार का लक्ष्य, दिल्ली में महिला सम्मान योजना लागू होने पर बोले जेपी नड्डा

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर शनिवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की सरकार ने दिल्ली की महिलाओं को बड़ा तोहफा दिया। दिल्ली कैबिनेट ने महिला समृद्धि योजना को मंजूरी दे दी है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने महिला समृद्धि योजना लागू करने की घोषणा करते हुए कहा, मैं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला शक्ति को नमन करता हूं और दिल्ली की महिलाओं को नमन करते हुए धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने दिल्ली में भाजपा की सरकार बनाने में बहुत बड़ा योगदान दिया है।

उन्होंने कहा, मैं 'आपदा' को बता दूं कि हम सत्ता में आए हैं और नारी शक्ति को सशक्त बनाने की दिशा में काम करना शुरू किया है। मैं महिला दिवस पर महिलाओं को बधाई देना चाहता हूं और महिला समृद्धि योजना के लिए भी बधाई देना चाहता हूं। सीएम रेखा गुप्ता के नेतृत्व में कैबिनेट ने इसे लागू करने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि हम दिल्ली में महिला समृद्धि योजना के तहत हर महिला को 2,500 रुपये देंगे। आज मुझे खुशी है कि दिल्ली कैबिनेट में भी इसकी मंजूरी मिल गई। इसके लिए मैं दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और प्रधानमंत्री मोदी जी को बधाई देता हूं। जे.पी. नड्डा ने कहा कि भाजपा सरकार का फोकस महिलाओं का विकास है। प्रधानमंत्री मोदी नारी सशक्तिकरण के ध्येय के साथ देश को आगे बढ़ा रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि जब नारी शक्ति का विकास होता है, तो दुनिया का विकास होता है। इसलिए नारी शक्ति को भारतीय जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी हमेशा मूलरूप में मानकर आगे चली है।

'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के माध्यम से जो काम यूपीए और अन्य दल तीन दशकों में नहीं कर पाए, मोदी सरकार ने सिर्फ तीन दिन में करके दिखाया है। आज राज्यसभा और लोकसभा में सबसे ज्यादा महिलाएं भाजपा से हैं। उन्होंने कहा कि जिस घर में नारी का सम्मान नहीं है, वह घर आगे बढ़ नहीं सकता। जिस देश में नारी का सम्मान नहीं है, वह देश आगे नहीं बढ़ सकता।

पीएम मोदी ने इस बात को समझा और महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने का काम किया। लगभग छह करोड़ एमएसएमई में से करीब 2.5 करोड़ पंजीकृत एमएसएमई महिला स्वामित्व वाले हैं। पहले महिलाएं खुले में शौच करने को मजबूर थीं। इज्जत घर से 12 करोड़ महिलाओं को वह सम्मान और सशक्तिकरण मिला, जिसकी वे हकदार हैं।

दिल्ली की 10 पर्सेंट महिलाओं को भी नहीं मिलेगा महिला समृद्धि योजना का लाभ : आप

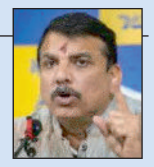

नई दिल्ली। दिल्ली की रेखा सरकार ने महिला समृद्धि योजना को लागू करने का ऐलान कर दिया है। इसके तहत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाओं को प्रति माह 2500 रुपये देने का वादा किया गया है। इस ऐलान के बाद आम आदमी पार्टी का बयान सामने आया। आप नेता संजय सिंह ने कहा कि दिल्ली की 10 पर्सेंट महिलाओं को भी इससे लाभ नहीं मिलेगा। जानिए क्या है महिला समृद्धि योजना और संजय सिंह ने इस पर क्या कुछ कहा। संजय सिंह ने कहा कि ये वादा जुमला निकला है। जानकारी मिल रही है कि 10 फीसदी महिलाओं को भी इस योजना के अंदर लाभ नहीं मिलेगा।

जल्द लॉन्च होगा पोर्टल

दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि आज महिला दिवस का सुंदर अवसर है। इसे ध्यान में रखते हुए कैबिनेट बैठक में महिला समृद्धि योजना जिसका हमने वादा किया था उसे अप्रूव कर दिया है। सरकार ने योजना के लिए बजट में 5100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। दिल्ली की गरीब बहनों को योजना का लाभ मिले इसके लिए एक कमेटी का गठन किया गया है। इस कमेटी की मैं अध्यक्ष हूं। इसमें और कपिल मिश्रा, आशीष सूद और प्रवेश वर्मा भी हैं। जल्द ही एक पोर्टल लॉन्च किया जाएगा। योजना से संबंधित टर्म्स एंड कंडीशन जारी करेंगे। महिलाओं की सुरक्षा और समृद्धि दोनों सरकार करेगी।

17-18 लाख महिलाओं को मिलेगा लाभ

दिल्ली में योजना का लाभ 17-18 लाख महिलाओं को मिलेगा। एक परिवार की एक ही महिला इसकी पात्र होंगी। उम्मीद है कि अप्रैल से लाभार्थी महिलाओं को पैसे मिलने लगेंगे। महिला एवं बाल विकास विभाग ने योजना का ड्राफ्ट बना लिया है। दिल्ली चुनाव के दौरान भाजपा ने महिलाओं को 2500 रुपये आर्थिक सहायता देने की घोषणा की थी। सरकार गठन के बाद इसे लेकर काम शुरू हो गया था। सीएम रेखा ने कैबिनेट की पहली बैठक में इसपर चर्चा की थी।

क्या है न्यूनतम उम्र

दिल्ली में 21-60 वर्ष आयु वर्ग की वे महिलाएं जिनकी वार्षिक आय 2.5 लाख रुपये से कम है, उन्हें योजना प्रस्ताव के तहत 2,500 रुपये की मासिक सहायता मिलेगी। यदि किसी महिला को पहले से किसी योजना का लाभ मिल रहा है तो उसे इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा। इसके अलावा परिवार की एक ही महिला इसकी पात्र होगी। पार्टी सांसद मनोज तिवारी ने हाल ही में कहा था कि योजना के लिए पंजीकरण प्रक्रिया आठ मार्च से शुरू होगी। हालांकि आज इसका ऐलान नहीं किया गया। माना जा रहा है कि जल्द ही योजना को लेकर पंजीकरण शुरू होगा।

कौन से दस्तावेज हैं जरूरी

योजना का लाभ लेने के लिए आवेदनकर्ता के पास आधार कार्ड, राशन कार्ड, निवास प्रमाण पत्र, आय का सर्टिफिकेट और मोबाइल नंबर जैसी चीजें होनी चाहिए। पोर्टल को आधार से लिंक किया जाएगा। ऐसे में किसी भी तरह की गलत जानकारी देने वालों की एप्लीकेशन कैंसिल कर दी जाएगी। अगर आप किसी अन्य राज्य की निवासी हैं तो आपको कम से कम पांच साल से दिल्ली का निवासी होना चाहिए, तभी योजना का लाभ मिलेगा। आपके पास अपने नाम से बैंक खाता होना चाहिए, जो आधार कार्ड से लिंक हो।

एक नजर

मोदी ने महिला नेतृत्व पर एक लेख सोशल मीडिया पर साझा किया

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मंत्रिमंडल में उनकी सहयोगी मंत्री का एक लेख सोशल मीडिया पर साझा करते हुए कहा है कि देश में महिलाएं निर्णायक भूमिका में हैं और इससे उनका सशक्तिकरण हो रहा है।

प्रधानमंत्री ने केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी द्वारा लिखा गया एक लेख सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर साझा किया। इस लेख में बताया गया है कि भारत किस प्रकार महिलाओं के विकास से महिलाओं के नेतृत्व में विकास की ओर बढ़ रहा है तथा उनको नेतृत्वकर्ता और निर्णायक भूमिका में सशक्त बना रहा है।

पोस्ट में लिखा है, केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा जी ने लिखा है कि भारत किस प्रकार महिलाओं के विकास से महिलाओं के नेतृत्व में विकास की ओर बढ़ रहा है तथा उनको नेतृत्वकर्ता और निर्णायक के रूप में सशक्त बना रहा है।

प्रियंका-राहुल ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर शनिवार को महिलाओं को बधाई दी और उन्हें उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

श्रीमती वाड्रा ने कहा, देश भर की हमारी सभी बहनों को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। आजादी की लड़ाई से लेकर देश के निर्माण तक- महिलाओं ने हर क्षेत्र में हमेशा बढ़-चढ़कर भागीदारी की है और अपनी शक्तिशाली नेतृत्व क्षमता को साबित किया है। आज महिलाओं की भूमिका और भागीदारी को और ज्यादा बढ़ाने की जरूरत है। महिलाएं जितनी ज्यादा आगे आएंगी, देश उतना ही सशक्त और सुंदर बनेगा।

श्री गांधी ने कहा, महिलाएं हमारे समाज की रीढ़ हैं। उनकी ताकत, लचीलापन और आवाज हमारे देश के भविष्य को आकार देती है। इस अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर, मैं आपके साथ और आपके लिए खड़ी हूँ -हर बाधा को तोड़ने के लिए प्रतिबद्ध हूँ जब तक कि हर महिला अपने भाग्य को आकार देने, हर सपने का पीछा करने और आगे बढ़ने के लिए स्वतंत्र न हो जाए।

नारी शक्ति ने हमारी सभ्यता को प्रगति के लिए सशक्त बनाया है: शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा कि सदियों से नारी शक्ति ने हमारी सभ्यता को प्रगति के पथ पर चलने के लिए सशक्त बनाया है।

श्री शाह ने माइक्रो ब्लॉगिंग साइट एक्स पर कहा, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक बधाई। सदियों से नारी शक्ति ने हमारी सभ्यता को प्रगति और जीत के लिए सशक्त बनाया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के अपने दृष्टिकोण के माध्यम से उनके ऐतिहासिक कद को पुनर्जीवित किया है और राष्ट्र निर्माण के केंद्र में नारीत्व को प्रतिष्ठित किया है।

उन्होंने कहा, मैं कामना करता हूं कि यह दिन इस महान लक्ष्य की ओर हमारी यात्रा को गति देने के लिए नई प्रेरणा जगाये।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी की दो टूक, बिल्कुल भी भरोसे लायक नहीं चीन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने एक कार्यक्रम मं भारत की सुरक्षा, चीन और पाकिस्तान को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना तेजी से नई टेक्नोलॉजी को अपना रही है और हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है। अगर चीन से कभी युद्ध की स्थिति बनती है, तब भारत कितना तैयार है, इस पर सेना प्रमुख ने कहा कि भारतीय सेना नई टेक्नोलॉजी को तेजी से अपना रही है। उन्होंने बताया कि भारत ड्रोन टेक्नोलॉजी सहित हर विकसित हो रही टेक्नोलॉजी पर काम कर रहा है। हमारे पास इसतरह के ड्रोन हैं, जो एके-47 फायर कर सकते हैं और मिसाइल लांच कर सकते हैं। चीन की ओर से ड्रोन अटैक होने की स्थिति में भारत भी काउंटर अटैक के लिए पूरी तरह तैयार है।

चीन पर भरोसा करे या नहीं, इस सवाल पर जनरल द्विवेदी ने दो टूक कहा कि चीन पर भरोसा नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि युद्ध किसी भी देश के हित में नहीं होता, लेकिन अगर ऐसी स्थिति आती है तब भारतीय सेना अपनी रणनीति और ताकत के हिसाब से पूरी तैयारी के साथ जवाब देने को तैयार है। आंतकी मुल्क पाकिस्तान को लेकर जनरल द्विवेदी ने कहा कि उसकी तरफ से आतंकवाद रोकने को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। इसकारण भारतीय सेना को हमेशा तैयार रहना होगा। उन्होंने बताया कि जम्मू-कश्मीर, जहां कभी आतंकवाद का साया हुआ करता था, वहां आज लाखों की संख्या में टूरिस्ट पहुंच रहे हैं।

उन्होंने कहा, टेररिज्म से लेकर टूरिज्म तक का सफर तय किया है।

महिलाओं की सुरक्षा हमारी सरकार की प्राथमिकता : मोदी

नवसारी, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि पिछले 10 वर्षों में उनकी सरकार ने महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है और बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों के लिए मृत्युदंड का प्रावधान करने के लिए कानूनों में संशोधन किया है।

मोदी ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर नवसारी जिले के वांसी बोरसी गांव में एक जनसभा में कहा कि भारत महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, ह्यह्यजब कोई लड़की देर से घर लौटती है, तो उसके माता-पिता सवाल पूछते हैं, लेकिन जब कोई लड़का देर से आता है, तो वे ऐसा नहीं करतेह्वउन्हें ऐसा करना चाहिए। पिछले दशक में, हमने महिलाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है और महिलाओं के खिलाफ अपराध रोकने के लिए हमने नियम और कानून बदले हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मेरी सरकार ने बलात्कार जैसे जघन्य अपराध के लिए मृत्युदंड का प्रावधान करने के लिए कानून में बदलाव किया। उन्होंने कहा, हमारी सरकार महिलाओं के सम्मान और सुविधा को सर्वोच्च महत्व देती है। मोदी ने ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को सशक्त बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, (महात्मा) गांधी जी कहा करते थे कि देश की आत्मा गांवों में बसती है। मैं इसमें यह जोड़ना चाहूंगा कि महिलाएं हमारे ग्रामीण क्षेत्रों की आत्मा हैं और ग्रामीण भारत की आत्मा ग्रामीण महिलाओं के सशक्तीकरण में बसती है।

मोदी ने कहा, हमारी सरकार महिलाओं के लिए काम करती है, हमने हजारों शौचालय बनवाए और महिलाओं को सम्मान दिया।

मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं: मोदी

नवसारी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को गुजरात के नवसारी में कहा कि वह दुनिया के सबसे धनवान व्यक्ति हैं। श्री मोदी ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आज यहां लखपति दीदियों को सम्मानित किया और जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, आज महिला दिवस का ये दिन, गुजरात की मेरी मातृभूमि और इतनी बड़ी संख्या में आप सब माताओं, बहनों और बेटियों की ये उपस्थिति, इस विशेष दिन आपके इस प्यार, स्नेह और आशीर्वाद के लिए मैं मातृशक्ति को सिर झुकाकर नमन करता हूं। गुजरात की इस धरती से मैं सभी देश वासियों को, देश की सभी माताओं-बहनों को महिला दिवस की शुभकामनायें भी देता हूं।

गुजरात की जनता, व्यापारी, किसान, मजदूर, छात्र चाहते हैं विकल्प : राहुल

- राहुल बोले- गुजरात में पिछले तीन दशकों से चला आ रहा भाजपा का मॉडल पूरी तरह से विफल

अहमदाबाद/नई दिल्ली, एजेंसी। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि गुजरात में पिछले तीन दशकों से चला आ रहा भाजपा का मॉडल पूरी तरह से विफल साबित हुआ है। जनता भाजपा का विकल्प चाहती है और कांग्रेस आसानी से यह विकल्प दे सकती है।

गुजरात के अहमदाबाद में पार्टी कार्यकताओं को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि गुजरात की रीढ़ की हड्डी छोटे और मध्यम व्यवसायी, किसान और मजदूर हैं। लेकिन भाजपा सरकार की नीतियों के कारण ये सभी बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। आज गुजरात अटक गया है, उसे रास्ता नहीं दिख रहा है, गुजरात आगे बढ़ना चाहता है। हीरा उद्योग, वस्त्र उद्योग, सिरेमिक उद्योग से जुड़े लोग और प्रदेश के किसान कह रहे हैं कि उन्हें नया विजन चाहिए। पिछले 25 वर्षों से चल रही नीतियां पूरी तरह से विफल हो गई हैं। कांग्रेस पार्टी जनता को नया विजन दे सकती है, लेकिन इसके लिए पहले पार्टी के नेताओं को लोगों से जुड़ना होगा।

तालियों की गड़गड़ाहट के बीच वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि गुजरात में विपक्ष को 40 प्रतिशत वोट मिलते हैं। अगर कांग्रेस पार्टी अपने वोट शेयर में सिर्फ पांच प्रतिशत की वृद्धि कर ले, तो राज्य में कांग्रेस की सरकार बन सकती है। उन्होंने कहा कि अगर पार्टी तेलंगाना में 22 प्रतिशत वोट शेयर बढ़ाकर सरकार बना सकती है, तो वह गुजरात में भी पांच प्रतिशत वोट शेयर बढ़ाकर स्थिति बदल सकती है।

कांग्रेस संगठन के भीतर दो तरह के नेताओं व कार्यकताओं की मौजूदगी बताते हुए उन्होंने कहा कि पहले ऐसे नेता हैं जो सीधा जनता से जुड़े हुए हैं और जिनके दिल में कांग्रेस की विचारधारा है।

हमने हमेशा नारीशक्ति को सर्वोच्च प्राथमिकता दी-नड्डा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने शनिवार को कहा कि जन संघ से लेकर भाजपा तक, हमने हमेशा नारीशक्ति को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है और नारी सशक्तिकरण के संकल्प के साथ देश को आगे बढ़ा रहे हैं। श्री नड्डा ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में यहां आयोजित महिला दिवस कार्यक्रम में अपने संबोधन में कहा कि समग्र राष्ट्र की मातृशक्ति का वंदन करता हूँ एवं उन्हें अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का फोकस वीमेन लेड डेवलपमेंट पर है और वे नारीशक्ति के विकास से ही दुनिया का विकास संभव है। श्री नड्डा ने कहा, मुझे खुशी है कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दिल्ली की भाजपा सरकार ने 'महिला समृद्धि

योजना' को आज मंजूरी दे दी है।

मैं दिल्ली की मातृशक्ति को बधाई देते हुए कहना चाहता हूँ कि इसके लिए हमारी राज्य सरकार ने 5,100 करोड़ रुपये आवंटित कर दिए हैं।

उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण का जो कार्य कांग्रेस और अन्य विपक्षी पार्टियाँ तीन दशकों में नहीं कर पाई प्रधानमंत्री मोदी ने उसे नारी शक्ति वंदन अधिनियम के रूप में पूरा कर दिखाया। साथ कहा कि श्री मोदी ने ट्रिपल तलाक खत्म कर मुस्लिम बहनों को गरिमापूर्ण जीवन जीने का अधिकार दिया जबकि शाहबानो केस में राजीव गांधी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलट कर निष्प्रभावी बना दिया।

एनसीआर समचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन :
8888883968
9811111715

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली- 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 सम्पर्क करें।

ताजा खबर

संक्षिप्त

छात्र ने की खुदकुशी, सुसाइड नोट में माता-पिता से मांगी माफी

कोटा। राजस्थान के कोटा में एक एमबीबीएस छात्र ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। गुरुवार सुबह उसका शव हॉस्टल के कमरे में मिला। पुलिस ने मौके से एक सुसाइड नोट भी बरामद किया है। छात्र सुनील बैरवा कोटा मेडिकल कॉलेज में पढ़ाई कर रहा था और मूल रूप से राजस्थान के बस्सी का रहने वाला था। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के परिजनों को सूचित कर उन्हें कोटा बुलाया गया है। जांच के दौरान पुलिस को छात्र के कमरे से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ, जिसमें उसने लिखा कि वह अपने माता-पिता के सपनों को पूरा नहीं कर पा रहा है और इसके लिए उनसे क्षमा मांगता है। स्थानीय पुलिस ने बताया कि सुनील हॉस्टल के तीसरे ब्लॉक में रहता था। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच के बाद ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकेगा। बताया जा रहा है कि सुनील बुधवार को जब पूरे दिन नजर नहीं आया, तो रात में हॉस्टल के अन्य छात्रों को शक हुआ। उन्होंने उसके कमरे में झांककर देखा तो वह फंदे पर लटका हुआ मिला। इसके बाद तुरंत महावीर नगर थाने को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को फंदे से उतारा और आगे की कार्रवाई शुरू की। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है ताकि आत्महत्या के पीछे की वजहों का पता लगाया जा सके।

जेल से रिहा हुए एक अपराधी की हत्या कर दी गई

ओडिशा। गंजम जिले में जेल से छूटे एक अपराधी की दिनदहाड़े हत्या कर दी गई। गंजम जिले के तुलसीपुर पंचायत की मुखिया मिनाथी दास के पति रवींद्र दास (41) पर 41 आपराधिक मामले दर्ज हैं। इन अपराधों में जेल से छूटने के बाद वह तीन महीने पहले ही जेल से छूटा था। ऐसे में कल (5 मार्च) सुबह करीब 7 बजे रवींद्र दास गांव की सड़क पर अकेले जा रहे थे। तभी 6 लोगों के एक गिरोह ने उन्हें घेर लिया और धारदार हथियारों से हमला कर वहां से भाग गए। वह गंभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। इसके बाद करीब 2 घंटे तक शव पड़ा रहने पर ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। इसके आधार पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जमानत पर रिहा व्यक्ति, इंस्टाग्राम पर किया अश्लील पोस्ट, गिरफ्तार

महाराष्ट्र। नागपुर के एक कुख्यात अपराधी को मकोका मामले में जमानत मिलने के तुरंत बाद अपना वर्चस्व स्थापित करने के लिए इंस्टाग्राम रील पोस्ट करने के आरोप में फिर से गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। कई मामलों का सामना कर रहे सुमित ठाकुर को हाल ही में महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत दर्ज एक मामले में कुछ महीने जेल में बिताने के बाद जमानत मिल गई थी। जेल से बाहर आने के तुरंत बाद ठाकुर ने स्वागत है भाई, बाप तो बाप रहेगा संदेश के साथ एक इंस्टाग्राम रील पोस्ट की।

पत्नी से परेशान होकर रोहन ने कर ली खुदकुशी, फैली सनसनी

मुरलीपुर। यूपी में पत्नी से परेशान होकर युवकों का आत्महत्या का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। मानव, अतुल और गौरव के बाद अब मेरठ के रोहन ने पत्नी की ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर सुसाइड कर लिया। गुरुवार सुबह घर में शव फंदे पर लटका मिला, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मृतक की मां ने आरोप लगाया है बहू तीन लाख रुपये और जमीन नाम कराने का दबाव बना रही थी। इसी को लेकर विवाद था और महिला मुंडाली अपने घर चली गई थी। चार मार्च को युवक जब पत्नी को लेने घर गया तो

महिला ने पुलिस बुलाकर उसकी पिटाई करा दी। इसी से क्षुब्ध होकर युवक ने सुसाइड कर लिया। पुत्रवधू और उसके परिजनों के खिलाफ तहरीर दी गई है। पुलिस जांच कर रही है। अब्दुल्लापुर निवासी रोहन पुत्र संजय मजदूरी करता

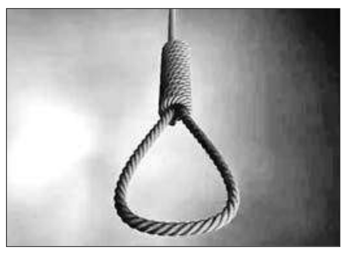

था। दो साल पहले मुंडाली के मुरलीपुर गांव निवासी युवती से रोहन ने कोर्ट मैरिज की थी। कुछ दिनों से पति-पत्नी के बीच विवाद चल रहा था और महिला मायके में थी। महिला पूर्व में शादीशुदा थी और पहली शादी से उसके तीन बच्चे भी हैं। अब रोहन से शादी कर साथ रह रही थी। संजय, उनकी पत्नी राजेश देवी और बड़ा बेटा रविशंकर एक मकान में रहते हैं। सामने ही दूसरे मकान में रोहन रहता था। संजय गुरुवार सुबह रोहन के घर पहुंचा, काफी प्रयास के बाद भी रोहन ने गेट नहीं खोला। इसके बाद रोहन का भाई रविशंकर दीवार कूदकर अंदर पहुंचा और गेट खोला। अंदर कमरे में रोहन फंदे पर लटका मिला। रोहन की मां ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया है कि रोहन की पत्नी उसे ब्लैकमेल कर रही थी। तीन लाख रुपये और हिस्से की जमीन नाम करने के लिए दबाव बनाया जा रहा था। इसे लेकर विवाद चल रहा था। बताया कि महिला पूर्व में कई लोगों से शादी कर ब्लैकमेल कर चुकी है। चार मार्च को रोहन पत्नी के गांव मुरलीपुर गया था, जहां ससुरालियों ने रोहन को मारापीटा। पुलिस को बुला लिया और फर्जी आरोप लगाकर पुलिस से भी पिटाई कराई। आरोप लगाया पूर्व में भी महिला ने इसी विवाद में रोहन को पानी की जगह तेजाब पिला दिया था। हालांकि रोहन बच गया और उस समय पुलिस को शिकायत नहीं की गई थी।

लड़की के कारण किशोर की हत्या, हिरासत में दो नाबालिग

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के साहिबाबाद थाना की पुलिस टीम ने लापता किशोर की हत्या की घटना का खुलासा करते हुए दो नाबालिग आरोपियों को हिरासत में लिया है। उनकी निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल खून से सना चाकू और ईंट बरामद की गई है। पुलिस ने बताया है कि 4 मार्च को साहिबाबाद थाने में वकील अल्वी ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि 3 मार्च को उनका पुत्र रिहान (13) दोपहर करीब 2 बजे नमाज पढ़ने गया था, जो वापस नहीं आया। इस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर इसकी जांच शुरू कर दी। 5 मार्च को पुलिस टीम ने मैनुअल इनपुट, सीसीटीवी फुटेज के आधार पर हत्या को अंजाम देने वाले दो नाबालिगों को हिरासत में लिया। उनकी निशानदेही पर रिहान का शव और हत्या में इस्तेमाल चाकू और ईंट, मृतक की टोपी, चप्पल आदि सामान बरामद किए गए।

पुलिस पूछताछ में यह बात सामने आई कि कैलाशवती स्कूल में कक्षा-9 में पढ़ने वाला रि?हान करीब डेढ़ वर्ष से एक लड़की से बात करता था और पिछले 8-10 माह से चौधरी विशन सिंह स्कूल रामनगर अर्थला में कक्षा 10 में पढ़ने वाला नाबालिग आरोपी भी उसी लड़की से इंस्टाग्राम पर बात करने लगा। इस बारे में नाबालिग आरोपी ने रिहान को बताया और उसको समझाया कि वो उस लड़की से बात न करे, लेकिन रिहान नहीं माना और उस लड़की से बातचीत करता रहा, इसी बात को लेकर नाबालिग आरोपी ने रिहान को रास्ते से हटाने को

ठान लिया। नाबालिग आरोपी ने अपने एक साथी को पूरी बात बताई। उसका साथी आदर्श जूनियर हाई स्कूल अर्थला मोहन नगर में कक्षा 7 में पढ़ता है। दोनों ने मिलकर रिहान को जान से मारने की साजिश रची। इसके मुताबिक, 3 मार्च को नाबालिग आरोपी का दोस्त चाकू लेकर आ गया और दोनों मिलकर करीब 2 बजे नमाज के बाद रिहान को अपने साथ गए और रिहान की हत्या कर दी। हत्या कर उसके शव को प्लास्टिक के कट्टे से छिपा दिया।

महिला को बेरहमी से उतारा मौत के घाट, तलवे में ठोंकी कीलें

नालंदा। बिहार के नालंदा जिले के चंडी थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है. जहां एक महिला की बेरहमी से हत्या कर शव को सड़क किनारे खेत में फेंक दिया गया. हत्या की बर्बरता इस हद तक थी कि महिला के दोनों पैरों में कीलें ठोकी गई थीं. गुरुवार सुबह बहादुरपुर गांव के लोगों ने सड़क किनारे खेत में एक महिला का शव पड़ा देखा. शव देखकर ग्रामीण सहम गए और तुरंत पुलिस को सूचना दी. मौके पर पहुंच पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मामले की जांच शुरू की. पुलिस के मुताबिक, महिला नाइटी पहने थी, जिससे यह संदेह गहरा गया कि हत्या से पहले उसके साथ अत्याचार किया गया. मृतका की पहचान अब तक नहीं हो पाई है, शव को बिहारशरीफ सदर अस्पताल भेजा गया है, ताकि पोस्टमार्टम और पहचान की प्रक्रिया पूरी की जा सके. हत्या के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस ने गहनता से जांच शुरू कर दी है. पुलिस कई एंगल से मामले की जांच कर रही है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद हत्या की वजह साफ हो सकेगी. इस निर्मम हत्या से पूरे इलाके में दहशत फैल गई है. ग्रामीणों का कहना है कि इस तरह की भयावह वारदात पहले कभी नहीं देखी गई.

ट्रेनों में चोरी करने वाली सास-बहू की जोड़ी आखिरकार गिरफ्तार

जयपुर। जब लड़कियां शादी कर किसी घर में जाती हैं, तो सास उन्हें घर के कामकाज और रीति-रिवाज सिखाती है. लेकिन यहां कहानी अलग थी. यहां पर सास बहू को साफ सफाई के वो गुर सिखा रही थी, जो सीधे यात्रियों की जेबें साफ करने में काम आते थे. चोरी की दुनिया में अपना परिवारिक बिजनेस चलाने वाली जयपुर की 54 साल की चंदा और उसकी 25 साल की बहू काजल ने न जाने कितने यात्रियों को ठगा. सास-बहू की इस जोड़ी को ट्रेन में सफर करने वाले लोग चलते-फिरते एटीएम की तरह नजर आते थे. दोनों का तरीका बिल्कुल फिल्मी था. चंदा यात्रियों के इर्द-गिर्द मंडराकर माहौल बनाती, जबकि काजल सफाई से हैंडबैग की चैन खोलकर कीमती गहने और नकदी पार कर लेती. भीड़ का फायदा उठाकर अगले स्टेशन पर उतर जातीं और देखते ही देखते गुम हो जातीं. जयपुर की ट्रेनों में यात्रियों के बैग हल्के करने वाली ये जोड़ी आखिरकार पुलिस के जाल में फंस ही गई.

इनकी हरकतों का पर्दाफाश तब हुआ, जब 18 फरवरी को जयपुर रेलवे स्टेशन से रणथंभौर एक्सप्रेस में सफर कर रहे ईश्वर सिंह और उनकी पत्नी ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई. जब वे जोधपुर पहुंचे, तो देखा कि उनकी पत्नी के हैंडबैग की चैन खुली हुई थी और उसमें रखा सोने का कड़ा, चेन और टॉप्स ग़ायब थे. ईश्वर सिंह ने इस घटना की रिपोर्ट 22 फरवरी को जीआरपी थाने में दर्ज करवाई, जिसके बाद पुलिस हरकत में आई और छानबीन शुरू कर दी. शिकायत मिलते ही पुलिस ने रेलवे स्टेशन और ट्रेन के हर संभावित सीसीटीवी फुटेज को खंगालना शुरू किया. 100 से अधिक फुटेज खंगालने के बाद पुलिस को दो संदिग्ध महिलाएं नज़र आईं, जो बार-बार अलग-अलग ट्रेनों में चढ़-उतर रही थीं और हर वारदात के बाद किसी नए स्टेशन पर गायब हो जाती थीं. जांच आगे बढ़ी, तो पुलिस को इन दोनों महिलाओं की पहचान हो गई. चंदा और काजल, जो जयपुर के कालवाड़ रोड इलाके में रह रही थीं. मगर पुलिस के वहां पहुंचने से पहले ही दोनों को भनक लग गई और वे हरियाणा भाग गईं. जयपुर पुलिस को जैसे ही पता चला कि दोनों आरोपी राजस्थान छोड़कर हरियाणा भाग गई हैं, तो पुलिस ने वहां तक पीछा किया. पुलिस निरीक्षक अरुण चौधरी ने बताया कि टोहाना इलाके में कई दिनों की तलाश के बाद पुलिस ने इन दोनों को एक ठिकाने से धर दबोचा. गिरफ्तारी के वक्त भी ये दोनों पुलिस को चकमा देने की कोशिश कर रही थीं, लेकिन इस बार पुलिस पूरी तैयारी से आई थी. घर की तलाशी लेने पर करीब 5 लाख रुपये के गहने बरामद किए गए, जो जयपुर की अलग-अलग ट्रेनों में हुई चोरियों से इकट्ठे किए गए थे. पूछताछ में पता चला कि सास-बहू की यह जोड़ी काफी समय से इस गोरखधंधे में शामिल थी. दोनों ने जयपुर ही नहीं, बल्कि दिल्ली, हरियाणा, और उत्तर प्रदेश की कई ट्रेनों में यात्रियों को अपना शिकार बनाया था.

पढ़ाई पर ध्यान देने के लिए मां ने डांटा तो बेटे ने दे दी जान

वडोदरा। आजकल माता-पिता के थोड़ा डांटने पर बच्चों की खुदकुशी के मामले बढ़ते जा रहे है. ऐसा ही एक मामला गुजरात के वडोदरा से सामने आया है. जहां पर 7वीं कक्षा में पढ़ने वाले 13 साल के छात्र ने बेल्ट से फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली. वडोदरा की ब्राइट डे स्कूल में पढ़ने वाले 13 साल के छात्र की अभी परीक्षा चल रही थी. ऐसे में उसकी मां ने पढ़ाई पर ध्यान न देने के लिए उसे डांटा था. ये बात उसे इतनी नागवार गुजरी की उसने खुद की जान ही ले ली.

परिवार द्वारा पुलिस को जानकारी मिलते ही पुलिस ने पहुंचकर लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा. पुलिस ने कहा कि हमने खुदकुशी का केस दर्ज करके कानूनी कारवाई शुरु की है. माता-पिता के भी बयान लिए जाएंगे. छात्र के पिता ने पुलिस को बताया कि उनके बेटे की परीक्षा चल रही थी और अंग्रेजी का पेपर था जिसकी तैयारी के लिए उसकी माता ने उसे डांटा जिसके बाद वह अचानक रूम में चला गया और वहां पर बेल्ट से फांसी लगा ली. छात्र के पिता मंजुसर जीआईडीसी में एक मल्टीनेशनल कंपनी में काम करते हैं और वह उस वक्त ऑफिस गए थे. उनके 2 बेटे हैं जिसमें से बड़े बेटे ने खुदखुशी कर ली. बता दें कि माता पिता की जरा सी फटकार के बाद बच्चों द्वारा आत्महत्या का ये कोई पहला मामला नहीं है बल्कि पहले भी ऐसे चौंकाने वाले मामले सामने आते रहे हैं. बीते दिसंबर में महाराष्ट्र के डोंबिवली से ऐसा ही मामला सामने आया था. यहां एक 15 साल की छात्रा ने इसलिए सुसाइड कर लिया था क्योंकि उसे उसकी मां ने पढ़ाई पर ध्यान न देने के लिए और मोबाइल फोन ज्यादा चलाने के लिए डांट दिया था.

रेलवे स्टेशन के बाथरूम में मुझे माफ कर देना लिखा दिखा...मच गया हड़कंप

मुंबई। महाराष्ट्र में मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज रेलवे स्टेशन के बाथरूम में एक लड़की ने आत्महत्या की कोशिश की. कटी नस के साथ लड़की के घायल हालत में मिलने पर हड़कंप मच गया. आज यानी गुरुवार दोपहर 12 से 2ः00 बजे के बीच में लड़की ने स्टेशन के बाथरूम में जाकर अपने हाथ की नस काट ली. जब लोगों को वह मिली तो उसने बाथरूम के फ्लोर पर आई एम सॉरी भी लिखा हुआ था. फिलहाल लड़की को अस्पताल ले जाया गया है जहां पर डॉक्टर उसका इलाज कर रहे हैं. हालांकि उसकी पहचान नहीं हो सकी है. उसकी उम्र 20 से 27 साल के बीच बताई जा रही है. यह लड़की कौन थी और इसने सुसाइड अटेम्प्ट क्यों किया?,पुलिस इसका पता लगाने की कोशिश कर रही है. बता दें कि राजस्थान के जयपुर से हाल ही में ऐसा एक मामला सामने आया था. यहां मोबाइल नहीं देने से गुस्साई बच्ची ने नदी में कूदकर अपनी जान दे दी. यही नहीं नदी में छलांग लगाने से एक दिन पहले बच्ची ने हाथ की नस काटकर सुसाइड का प्रयास किया था. लेकिन तब परिजनों की सतर्कता से उसकी जान बच गई, लेकिन मंगलवार को उसने नदी में छलांग लगा ली. 14 साल की बच्ची द्रव्यवती नदी में कूद गई. इस दौरान मौके पर हड़कंप मच गया और तुरंत सिविल डिफेंस और राजस्थान राज्य आपदा प्रतिसाद बल को सूचना दी गई.

परीक्षा के तनाव में 12वीं की छात्रा ने पिया कीटनाशक

सिरोही। सिरोही के रोहिड़ा थाना क्षेत्र में परीक्षा के तनाव से 12वीं क्लास की एक छात्रा ने कीटनाशक पी लिया। छात्रा के उल्टी होने के बाद उसने परिजनों को दवा पीने की बात बताई और बेहोश हो गई। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसकी हालत में सुधार है। उसकी परीक्षाएं 8 मार्च से शुरू होंगी। जानकारी के अनुसार भूला गांव की 12वीं क्लास की छात्रा चंपा कुमारी (16) ने कीटनाशक पीकर आत्महत्या का प्रयास किया। घटना सुबह करीब 10 बजे की है। चंपा खेत पर गई थी। वहां रखे कीटनाशक को पीने के बाद वह घर लौटी। घर पहुंचते ही उसने उल्टी की। परिजनों के पूछने पर उसने दवाई पीने की बात बताई और बेहोश हो गई। परिजन तुरंत उसे रोहिड़ा के सरकारी अस्पताल ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद उसे सिरोही ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया। एंबुलेंस 108 के पायलट पुष्पेंद्र कुमार और मेल नर्स महेंद्र कुमार ने प्राथमिक उपचार देते हुए छात्रा को ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया। चिकित्सकों के पूछने पर परिजन सही दवाई का नाम नहीं बता पाए। नर्सिंग स्टाफ से पूछने पर चंपा दवा सटीक नाम नहीं बता सकी। डॉक्टरों ने ब्लड टेस्ट के आदेश दिए हैं। चिकित्सकों का कहना है कि अगले 24 घंटे महत्वपूर्ण हैं। छात्रा की स्थिति अभी चिंताजनक बनी हुई है। भूला निवासी कालूराम गमेती ने बताया कि उसकी बेटी चंपा भूला चौकी के पास सरकारी स्कूल में 12वीं कक्षा की छात्रा है। 8 मार्च से उसकी परीक्षा शुरू होंगी।

पति ने पत्नी से परेशान होकर मौत को लगा लिया गले, सुसाइड नोट छोड़ा

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में मंगलवार को 30 वर्षीय एक व्यक्ति ने आत्महत्या कर ली. परिवारवालों ने आरोप लगाया है कि उसने ऐसा कदम पत्नी की प्रताड़ना से तंग आकर उठाया है. साथ ही परिजनों का कहना है कि उसने एक सुसाइड नोट भी छोड़ा है. हालांकि पुलिस का कहना है कि सुसाइड नोट की लिखावट का मिलान किया जा रहा है. इसके बाद ही इसकी पुष्टी हो पाएगी. इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने एक न्यूज एजेंसी को दी.

परिवार के अनुसार ऐंचोड़ा कम्बोह क्षेत्र के मौसमपुर गांव के गौरव कुमार ने रविवार को जहरीला पदार्थ खा लिया, जिसके बाद उसकी हालत बिगड़ गई. जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया. लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. वहीं, पुलिस ने बताया कि गौरव के पिता कृष्णपाल सिंह की शिकायत के आधार पर उसकी पत्नी प्रिया, उसकी मां और भाई के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है. पिता कृष्णपाल ने आरोप लगाया कि उनके बेटे ने एक साल पहले मुरादाबाद जिले के सोनकपुर के अलीनगर निवासी प्रिया से शादी की थी. इसके तुरंत बाद गौरव, उसकी पत्नी और उसके माता-पिता के बीच विवाद शुरू हो गया. उन्होंने दावा किया कि प्रिया ने आखिरकार अपना वैवाहिक घर छोड़ दिया और अपने माता-पिता के पास लौट आई.

इसके बाद उसने गौरव से कथित तौर पर पैसे मांगे और मांगें पूरी न होने पर दहेज उत्पीड़न का मामला दर्ज कराने की धमकी दी. हालांकि, इस बीच सुलह के कई प्रयासों के बावजूद प्रिया ने घर लौटने से इनकार कर दिया. जिससे उनके बेटे को काफी मानसिक परेशानी हुई. घटना के दिन गौरव ने जहर खाने से पहले एक सुसाइड नोट लिखा था. पुलिस ने शिकायत का हवाला देते हुए कहा कि उसे अमरोहा के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. सिंह ने दावा किया कि नोट में गौरव ने अपनी पत्नी प्रिया और उसके परिवार को अपनी मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया और कहा कि उसके साथ अन्याय हुआ है.

5 साल की बच्ची से दुष्कर्म, किशोर को मिली 3 साल की सजा

जमुई। जमुई के खैरा थाना क्षेत्र के खुटौना गांव में 16 मार्च 2019 को एक घटना सामने आई। एक किशोर ने चॉकलेट का लालच देकर 5 साल की बच्ची से रेप किया। मामले में 25 मार्च 2019 को खैरा थाने में एफआईआर दर्ज की गई। किशोर न्याय परिषद जमुई में 16 अप्रैल 2019 को पहली सुनवाई हुई। आरोपी किशोर को 14 दिन बाद जमानत मिल गई। करीब 6 साल तक चली सुनवाई के बाद किशोर न्याय परिषद ने अपना फैसला सुनाया।

परिषद ने आरोपी किशोर को 3 साल की सजा सुनाई। साथ ही पीड़िता को 6 लाख रुपए का मुआवजा देने का आदेश दिया। यह मुआवजा बच्ची को सदमे से बाहर निकलने में मदद करेगा। मामले में न्याय दिलाने में किशोर न्याय परिषद की प्रधान मजिस्ट्रेट नेहा त्रिपाठी, सदस्य गौतम कुमार सिंह और पूजा कुमारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नाबालिग लड़की से गैंगरेप, 5 आरोपी गिरफ्तार, घर में झगड़े के बाद नाराज होकर चली गई थी

मुंबई। मुंबई के जोगेश्वरी इलाके में एक नाबालिग लड़की के साथ गैंगरेप और छेड़खानी का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक, जोगेश्वरी ईस्ट में रहने वाली नाबालिग लड़की घर में झगड़े के बाद नाराज होकर स्टेशन की ओर चली गई थी। वहां उसे कुछ परिचित लोग मिले, जो उसे बहला-फुसलाकर अपने घर ले गए। वहां 26 फरवरी की रात तीन युवकों ने उसके साथ दुष्कर्म किया। अगली सुबह, 27 फरवरी को लड़की वहां से भाग निकली और घाटकोपर पहुंच गई।

घाटकोपर में दो अन्य युवकों ने उसे झांसे में लिया और पहले मरीन ड्राइव, फिर दादर ले गए। पीड़िता के बयान के अनुसार, इन दोनों ने उसके साथ छेड़खानी और बदसलूकी की। इस बीच, लड़की के परिवार ने जोगेश्वरी पुलिस में उसकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। मुंबई पुलिस ने पूरे शहर में उसकी तलाश शुरू की और आखिर में वो दादर स्टेशन में मिली। पुलिस ने दादर में मौजूद दोनों युवकों को गिरफ्तार किया, जो उसके साथ बदसलूकी कर रहे थे। इसके बाद पीड़िता के बयान के आधार पर गैंगरेप के तीन अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया। इससे पहले तीन फरवरी को मुंबई के बांद्रा टर्मिनल से एक महिला से रेप का मामला सामने आया था। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया था। पुलिस अधिकारी ने इस संबंध में बयान जारी किया था। पुलिस ने अपने बयान में बताया कि एक महिला और उसका दामाद रात को ट्रेन से बांद्रा टर्मिनल पहुंचे थे। ये दोनों मुंबई घूमने आए थे। उन्होंने बांद्रा टर्मिनल के प्लेटफार्म नंबर 6/7 पर रात बिताने का फैसला किया था, क्योंकि उनके रिश्तेदार के पास रहने के लिए कोई जगह नहीं थी। इसी का फायदा आरोपी ने उठाया और ट्रेन में ले जाकर महिला के साथ दुष्कर्म किया। पीड़ित का दामाद सो रहा था। इसी बीच, खाली प्लेटफॉर्म का फायदा उठाकर आरोपी ने इस कृत्य को अंजाम दिया था।

भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है: विजेंद्र गुप्ता

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने शनिवार को दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स में आयोजित बिजनेस कॉनक्लेव में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि हम आज एक ऐसे भारत की बात करने के लिए एकत्र हुए हैं जो अवसरों की धरती होने के साथ-साथ सेंटर ऑफ इन्वेंशन है और विकास की नई ऊंचाइयों को छूने के लिए तत्पर है। भारत सिर्फ एक देश नहीं, बल्कि संभावनाओं का महासागर है।

गुप्ता ने कहा कि बिजनेस कॉन्क्लेव श्रीराम कॉलेज का प्रतिष्ठित वार्षिक प्रबंधन उत्सव है।

यह एशिया के सबसे बड़े स्नातक प्रबंधन उत्सवों में से एक माना जाता है' विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि भारत में हर क्षेत्र में अरबों डॉलर के अवसर मौजूद हैं। हमारे पास 1.4 अरब लोगों की विशाल जनसंख्या है। हर व्यापार के लिए ग्राहक पहले से मौजूद हैं।

यही कारण है कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। भारत आज एआई अपनाने में अग्रणी है, जहां 80 प्रतिशत कंपनियां इसे अपनी प्राथमिक रणनीति के रूप में देख रही हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में हर दिन 50 स्टार्टअप्स भारत में पंजीकृत हुए हैं। हर महीने एक नया यूनिकॉर्न स्टार्टअप जन्म ले रहा है। विकास में महिलाओं के योगदान की चर्चा करते हुए गुप्ता ने कहा कि भारत की प्रगति केवल आर्थिक और तकनीकी क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। बल्कि महिला सशक्तीकरण में भी भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। आज अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस है और यह हमारे लिए गर्व की बात है कि भारत अब महिला विकास से महिला-नेतृत्व में विकास की ओर बढ़ रहा है। विजेंद्र गुप्ता ने भारत की एआई क्रांति की बात करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत पहली बार एआई इकोसिस्टम को प्रत्यक्ष रूप से समर्थन दे रहा है। उन्होंने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत ने जीपीयू मार्केटप्लेस खोलकर एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। यह दुनिया का पहला ऐसा सरकारी प्रयास है, जिससे छोटे स्टार्टअप, शोधकर्ता और विद्यार्थी उच्च स्तरीय एआई संसाधनों तक आसानी से पहुंच बना सकते हैं। जबकि अन्य देशों में एआई का बाजार केवल बड़ी टेक कंपनियों तक सीमित है, भारत में इसे सभी के लिए सुलभ बनाया जा रहा है।

गुप्ता ने कहा कि पूंजी बाजार की बढ़ती संभावनाएं और घरेलू सूचीबद्धता के लाभ स्टार्टअप्स को भारत वापस आने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। यह प्रवृत्ति भारत को एक वैश्विक स्टार्टअप हब बनाने में मदद करेगी और यह साबित करती है कि देश का व्यापारिक माहौल अब पहले से कहीं अधिक अनुकूल हो चुका है। उन्होंने कहा कि आज भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। यह तकनीक और नवाचार में अग्रणी है।

कड़कड़डूमा कोर्ट ने शाहरुख पठान को 15 दिन की अंतरिम जमानत दी

अनीस अहमद

दिल्ली: कड़कड़डूमा कोर्ट ने 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों के आरोपी शाहरुख पठान को 15 दिन की अंतरिम जमानत दे दी है। शाहरुख को यह जमानत उसके बीमार पिता की देखभाल के लिए दी गई है। कोर्ट ने शाहरुख को 20,000 रुपये के निजी मुचलके और उतनी ही राशि के एक जमानतदार पर जमानत दी। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि यह जमानत 15 दिनों की अवधि के लिए होगी और उसकी रिहाई का समय जेल से शुरू होगा।

शाहरुख पठान पर आरोप है कि उसने 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों के दौरान पुलिस कांस्टेबल दीपक दहिया पर पिस्तौल तानी थी। इसके अलावा, शाहरुख दो अन्य मामलों में भी आरोपी है। शाहरुख ने अपनी जमानत याचिका में कहा था कि उसके पिता की तबियत

गंभीर है और उन्हें आरके नरेंद्र प्रकाश अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसने तर्क दिया कि उसके घर में कोई अन्य पुरुष सदस्य नहीं है जो उसके पिता की देखभाल कर सके, इसलिए उसकी उपस्थिति जरूरी है। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने शाहरुख की अंतरिम जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा कि वह गंभीर अपराध में शामिल है और यदि उसे जमानत दी जाती है, तो वह इसका दुरुपयोग कर सकता है। कोर्ट ने दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद शाहरुख पठान को शर्तों के साथ 15 दिन की अंतरिम जमानत दी। कोर्ट ने आदेश दिया कि शाहरुख गवाहों को प्रभावित नहीं करेगा, जांच में कोई रुकावट नहीं डालेगा, और हर दूसरे दिन सुबह 10 से 11 बजे के बीच जाफराबाद थाने में हाजिरी लगाएगा। इसके साथ ही शाहरुख को अपना मोबाइल नंबर जांच अधिकारियों को देने और फोन को हमेशा 'स्विच ऑन' रखने का निर्देश भी दिया गया है।

महिलाएं ऊर्जा का स्रोत : विजय राहटकर

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विवाह पूर्व संवाद केंद्र तेरे मेरे सपने का भव्य उद्घाटन

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय महिला आयोग (भारत सरकार) के मार्गदर्शन में श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस, नई दिल्ली की राष्ट्रीय महिला शाखा के तत्वावधान में विवाह पूर्व संवाद केंद्र तेरे मेरे सपने का भव्य उद्घाटन जैन भवन, 12 शहीद भगत सिंह मार्ग, गोल मार्किट, दिल्ली में हुआ। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विजय राहटकर जी, अध्यक्ष, राष्ट्रीय महिला आयोग, भारत सरकार रहीं। जिसकी अध्यक्षता अतुल जी जैन- राष्ट्रीय अध्यक्ष, जैन कॉन्फ्रेंस, नई दिल्ली ने की। कार्यक्रम के दौरान श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस, नई दिल्ली की राष्ट्रीय महिला शाखा के तत्ववाधान में राष्ट्रीय महिला आयोग की चेयरमैन द्वारा विवाह पूर्व संवाद केंद्र का फीता काटकर उद्घाटन किया गया, जिसका उद्देश्य युवतियों को विवाह पूर्व जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर परामर्श और मार्गदर्शन प्रदान करना है। इस केंद्र से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। आज इस अवसर पर राष्ट्रीय महिला शाखा की अध्यक्ष

संतोष सुरेश जैन ने संस्था के शीर्ष पदाधिकारियों के साथ महिला आयोग की चेयरमैन विजय राहटकर का स्वागत अभिनंदन किया और अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय महिला महामंत्री रीचा जैन ने किया। जैन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. अमितराय जी जैन ने अपने बड़े ही सारगर्भित सम्बोधन में संस्था की गरिमा और संचालित योजनाओं के बारे में जानकारी दी तथा सभी महिलाओं को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष जसवंत जैन, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष विनय कुमार जैन, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महावीर प्रसाद जैन रिण्ढाना, राम निवास जैन, जयकुमार जैन राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष विपुल जैन, प्रांतीय अध्यक्ष जितेन्द्र जैन, राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञान प्रकाश योजना नरेश आनन्द प्रकाश जैन, राष्ट्रीय मंत्री नरेश जैन, नरेंद्र जैन, काउंसलर ऋषभ ओस्तवाल, राष्ट्रीय महिला प्रमुख मार्गदर्शक रचना नरेश जैन, राष्ट्रीय महिला उपाध्यक्षा संगीता सुरेंद्र छाजेड़, राष्ट्रीय महिला कोषाध्यक्षा उर्मिल जैन, राष्ट्रीय महिला मंत्री निर्मल जैन, ऊषा ओस्तवाल, सीमा जैन, तरंग जैन, स्वाति जैन, प्रांतीय महिला अध्यक्ष-दिल्ली शीला, पूर्व प्रांतीय महिला अध्यक्षा कौशल जैन, सौ राखी महेंद्र बोकरिया जैन तथा सुमित्रा जैन, कौशल्या जैन, वंदना बोकारिया, कनिका संदीप जैन निवर्तमान युवा अध्यक्ष दिनेश जैन सहित अनेक प्रतिष्ठित महिलाएं व गणमान्य जन उपस्थित थे।

केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने एक राष्ट्र एक चुनाव' पर दी महत्वपूर्ण जानकारी

कुणाल/दिल्ली: केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर अपना बयान देते हुए कहा कि इस विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजा गया है और इस पर चर्चा की जा रही है। उन्होंने कहा

कि पार्टी ने जन जागरण कार्यक्रम के तहत समाज के विभिन्न वर्गों को यह समझाने का काम किया है कि 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' देश के हित में है और यह लोकतांत्रिक प्रणाली को मजबूत बनाने में मदद करेगा।

दिल्ली गौ सेवा आयोग बनाने की माँग की संदीप आहूजा ने

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली मे बेसहारा गौवंश झुंडो मे सड़को पर घुमता दिखाई देना आम बात है। इनके कारण सड़के जाम रहती है। कचरे मे मुँह मारते ये गौवंश प्लास्टिक की थैलियां व गंदगी खा कर बीमार हो रहे हैं। अखण्ड भारत मोर्चा के अध्यक्ष संदीप आहूजा ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को पत्र लिख कर दिल्ली गौ सेवा आयोग बनाने की माँग की। श्री आहूजा ने जानकारी देते हुए कहा कि चुंकि पिछली सरकारों ने गौवंशों व गौशालाओं के लिए कोई योजना व बजट नही बनाया। इसलिए दिल्ली मे गौवंशों का कोई पुख्ता आंकड़ा उपलब्ध नही है। अनुमान लगाया जाये वैध/अवैध/आवारा/गौशालाओं/डेयरों इत्यादि मे लगभग तीन से चार लाख गौवंश हैं। सड़क पर घूमने वाली गायें की संख्या लगभग एक सवा लाख होगी। उन्होने पशुपालको से अनुरोध कि पशुपालक (डेयरीवाले) गायें को दिन मे सड़कों पर खुला छोड़ देते हैं शाम को गायों वापिस एकत्र करके दुध निकाल कर बेचते हैं। गौवंश सारा दिन कचरे मे गन्दगी व थैलीयाँ खाकर बीमार होकर तड़प-तड़प मर रही हैं। इनसे यातायात भी

बाधित रहता है वे ऐसा न करें ऐसे पशुपालक पाप कमा रहे हैं। श्री आहूजा ने बताया कि दिल्ली नगर निगम या गौभक्त इन बेसहारा गौंवश को किसी गौशाला मे छोड़ने का प्रयास करते भी हैं तो गौशालावाले लेने से इनकार कर देते हैं क्योंकि उनके वहाँ पहले से ही क्षमता से अधिक गौवंश है। दूसरा कारण प्रति गाय निर्धारित फंड भी समय पर नहीं दिया जाता है। श्री आहूजा ने सरकार को सुझाव दिया है कि जिस प्रकार उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान इत्यादि मे सरकारी गौ आश्रय स्थल व गौशालाएं हैं जिनको संचालिन करने का अधिकार विभिन्न संस्थाओं को दिया हुआ है इन राज्यों में गौ सेवा आयोग भी बनें हुऐ है।

दिल्ली नगर निगम ने आवारा पशुओं के खिलाफ कार्रवाई की, 34 आवारा पशुओं को पकड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली नगर निगम शहर में आवारा पशुओं और अवैध डेयरियों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई कर रहा है। इन प्रयासों के तहत एमसीडी के विभिन्न क्षेत्रों में चलाए गए अभियान में 34 मवेशियों को पकड़ा गया। इस अभियान के तहत रोहिणी क्षेत्र के रोहिणी सेक्टर 7, सेक्टर 11, सेक्टर 18 और सेक्टर 19 में 11 मवेशी, सिविल लाइंस क्षेत्र के मुखर्जी नगर में 11 मवेशी, सिटी एसपी क्षेत्र के शास्त्री नगर, इंद्रलोक और चांदनी चौक क्षेत्रों में 7 आवारा पशु पकड़े गए। शाहदरा उत्तरी क्षेत्र ने भी अपने क्षेत्रों में 5 पशु पकड़े। एमसीडी अपने क्षेत्राधिकार में आवारा पशुओं

की समस्या के समाधान के लिए सख्त कदम उठा रही है। दिल्ली नगर निगम शहरी क्षेत्रों में आवारा पशुओं और अवैध डेयरियों की समस्या के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। दिल्ली नगर निगम भविष्य में भी इस तरह की कार्रवाई करता रहेगा।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर डीयू एसओएल में चर्चा आयोजित

मुख्य रूप से महिलाओं के अधिकारों की लड़ाई है पश्चिमी नारीवाद: प्रो. पायल मागो

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन एवं विकास केंद्र, कॉलेज ऑफ ओपन लर्निंग, एसएचओडीएच और डायलॉग्स फॉर विकसित भारत के सहयोग से, ह्लविकसित भारत 2047 को आकार देने में महिला नेतृत्वह्व विषय पर के चर्चा का आयोजन किया गया। स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग के सेमिनार हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय के जूलॉजी विभाग की प्रमुख प्रोफेसर रीना चक्रवर्ती को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

गौरतलब है कि प्रोफेसर रीना चक्रवर्ती को सतत मीठे पानी की जलीय कृषि में उल्लेखनीय योगदान हेतु अनुसंधान (जैविक विज्ञान) श्रेणी में 8वें विजिटर पुरस्कार से हाल ही में राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया गया है। इस अवसर पर डीयू के कैंपस ऑफ ओपन लर्निंग और महिला अध्ययन एवं विकास केंद्र

की निदेशक प्रो. पायल मागो ने अपने संबोधन में कहा कि जब हम पश्चिमी नारीवाद की बात करते हैं, तो यह मुख्य रूप से महिलाओं के अधिकारों की लड़ाई रही है। वहाँ महिलाओं को मतदान का अधिकार, संपत्ति रखने का अधिकार, और शिक्षा पाने का अधिकार तक नहीं मिला था। अगर वे नौकरी करती थीं, तो समान कार्य के लिए पुरुषों को अधिक वेतन दिया जाता था जबकि महिलाओं को कम मिलता था। महिलाओं के नाम पर संपत्ति और धन का हस्तांतरण नहीं होता था। लेकिन भारतीय परिप्रेक्ष्य में यह स्थितियाँ कभी नहीं रहीं। भारत में प्राचीन काल से ही महिलाओं को समाज में सम्मानजनक स्थान प्राप्त था। प्रो. पायल मागो ने बताया कि जब वह विदेश गई थी, तो उनसे पूछा गया कि भारत में महिलाओं को शिक्षा और प्रवेश का अधिकार कब मिला? उनका उत्तर यही था कि भारत में नारी शिक्षा का अधिकार छिना नहीं गया था, बल्कि विदेशी आक्रमणों और सामाजिक बंधनों के कारण यह सीमित हुआ। उन्होंने कहा कि हमारे यहां महिला संघर्ष का इतिहास में दस्तावेजीकरण नहीं हुआ, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि संघर्ष नहीं हुआ। बार-बार हुए आक्रमणों के कारण महिलाओं को पर्दे में रखा गया, लेकिन उन्होंने हमेशा अपनी शक्ति और नेतृत्व का परिचय दिया। माता अहिल्याबाई होल्कर, जीजाबाई, रानी लक्ष्मीबाई–ये सब उदाहरण हैं कि भारतीय महिलाओं ने हमेशा अपनी शक्ति, ज्ञान और नेतृत्व से समाज को दिशा दी। पश्चिम में महिलाओं को जिन अधिकारों के लिए संघर्ष करना पड़ा, वह लड़ाई भारतीय महिलाओं को नहीं लड़नी पड़ी, क्योंकि भारतीय समाज ने हमेशा महिलाओं को परिवार और समाज का आधार माना है। लेकिन हमें क्या सीखने की जरूरत है? प्रो. पायल मागो ने कहा कि आज जब हम नारी सशक्तिकरण की बात करते हैं, तो यह जरूरी है कि हम अपनी पारिवारिक और सांस्कृतिक जड़ों को न भूलें। एक माँ अपने बच्चे का पालन-पोषण सिर्फ एक परिवार के सदस्य के रूप में नहीं करती, बल्कि वह एक सभ्य, शिक्षित और सशक्त नागरिक तैयार करती है। इस चर्चा में सुश्री रामी निरंजन देसाई (लेखिका और स्तंभकार), प्रो. अमिता गुप्ता (अध्यक्ष, जैव रसायन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय), प्रो. पायल मागो (निदेशक, कैंपस ऑफ ओपन लर्निंग और महिला अध्ययन और विकास केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय) और प्रो. सुमन शर्मा (संयुक्त निदेशक, महिला अध्ययन और विकास केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय) सहित अनेकों गणमान्य महिलाओं ने भाग लिया।

एक नजर

देश की महिला जागरूक है तो देश तरक्की की राह पर : कंचन मेहरा

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला दिवस के अवसर पर विमलाआर्ट्स द्वारा मारवाह स्टूडियो के प्रांगण में दो दिवसीय पेंटिंग प्रदर्शनी का समापन समारोह में विमला आर्ट्स की संस्थापक कंचन मेहरा, फिल्म क्रिटिक सुनील पराशर, विमला आर्ट्स संस्थान के निदेशक दिलीप शर्मा व प्रशांत मालिक उपस्थित हुए जिसमे कंचन मेहरा ने कहा यदि आज की महिला जागरूक है तो कोई भी देश तरक्की की राह पर अग्रसर है क्योंकि आज की महिला किसी भी क्षेत्र में कार्य कर सकती है और कर रही है चाहे वो चाँद पर ही जाना क्यों न हो। पेंटिंग प्रदर्शनी के समापन समारोह के अवसर पर विमला आर्ट्स की कंचन मेहरा को मारवाह स्टूडियो के कुलपति संदीप संदीप मारवाह ने सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया साथ ही अन्य चित्रकारों व विभिन्न क्षेत्रों से जुडी महिलाओं जिसमे लाइफ केरी ऑन की जनरल सेकेट्री मुमताज को सम्मानित किया।इस अवसर पर मारवाह स्टूडियोज के चांसलर संदीप मारवाह ने इंटरनेशनल वूमेन फिल्म फोरम से सम्मानित करते हुए कहा कि आज की महिला निसंदेह हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है और कला के क्षेत्र में तो कमाल ही कर रही है। दिलीप शर्मा ने कहा यह प्रदर्शनी महिलाओं की शक्ति को समर्पित है। प्रशांत मलिक ने कहा कि महिलाओं के बिना आज आप किसी भी काम की कल्पना नहीं कर सकते। इस अवसर पर फिल्म क्रिटिक ० क्रिएटिव फिल्म डायरेक्टर सुनील पाराशर ने कहा आज की महिला हर काम के लिए अग्रसर है परिवार, ऑफिस हो या चांद वो सभी जगह पहुंच गई है।

ड्रग्स तस्करी में एक गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने बरेली ड्रग सिंडिकेट से जुड़े एक तस्कर को गिरफ्तार किया। उसकी पहचान गांव मनोना बरेली निवासी निजामुद्दीन उर्फ निजाम (35) के रूप में हुई है। क्राइम ब्रांच की डीसीपी अपूर्व गुप्ता ने शनिवार को बताया कि क्राइम ब्रांच की एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने ड्रग तस्करी पर कार्रवाई करते हुए ड्रग सिंडिकेट के एक प्रमुख सदस्य निजामुद्दीन को गिरफ्तार किया है। डीसीपी के अनुसार पांच मार्च को क्राइम ब्रांच की टीम ने जीटीबी अस्पताल के पास से लल्ला बाबू को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने लल्ला बाबू के कब्जे से 502 ग्राम हेरोइन बरामद की थी। जांच में पता चला था कि लल्ला बाबू हेरोइन को निजामुद्दीन से लेकर आता था और दिल्ली के नंद नगरी निवासी विजय और जितेश उर्फ जीतू को देता था।

आरोपित लल्ला बाबू की निशानदेही पर पुलिस ने जितेश को 125 ग्राम हेरोइन के साथ दबोचा, जबकि विजय मौके से फरार हो गया था। पुलिस ने उसकी कार से 99 ग्राम हेरोइन जब्त किया था। पकड़े गए लल्ला बाबू से पूछताछ करने पर पता चला कि बरामद प्रतिबंधित पदार्थ निजामुद्दीन उर्फ निजाम उन्हें देता था। इस बीच क्राइम ब्रांच की टीम को सूचना मिली कि आरोपित निजामुद्दीन श्याम लाल कॉलेज शाहदरा के पास किसी से मिलने के लिए आने वाला है। सूचना को पुख्ता कर पुलिस टीम ने आरोपित को दबोचा। फिलहाल पुलिस निजामुद्दीन से पूछताछ कर रही है।

डीएसई में एमए अर्थशास्त्र के छात्रों के लिए निजी बैंक ने दी छात्रवृत्ति

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में अर्थशास्त्र विषय में अपनी मास्टर डिग्री प्राप्त करने वाले 70 छात्रों के लिए एक निजी बैंक ने छात्रवृत्ति प्रायोजित की है। छात्रवृत्ति पुरस्कार समारोह में डीयू के कुलपति प्रो.योगेश सिंह और दिल्ली विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. विकास गुप्ता ने छात्रों को छात्रवृत्ति चेक वितरित किए। प्रत्येक छात्र को 7,000 रुपये की मासिक छात्रवृत्ति मिली प्रदान की गई है जो भारत में एमए अर्थशास्त्र के छात्रों को दी जाने वाली सबसे अधिक छात्रवृत्ति में से एक है। इस समारोह में दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के निदेशक प्रोफेसर राम सिंह ने कहा कि यह पहल युवा मस्तिष्कों को सशक्त बनाने और अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। बैंक का उदार समर्थन इन प्रतिभाशाली छात्रों को वित्तीय बाधाओं के बिना अपने शैक्षणिक लक्ष्यों को प्राप्त करने में सक्षम बनाएगा।

पुलिस ने शातिर बदमाश को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण पश्चिम जिले के सफदरजंग एन्क्लेव थाना पुलिस ने एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए बदमाश की पहचान आरके पुरम सेक्टर-12 निवासी संतोष उर्फबंगाली (43) के रूप में हुई है। जांच में पता चला है कि आरोपित संतोष पहले से घरों में चोरी, आर्म्स एक्ट सहित 30 मामलों में शामिल रहा है। वह सफदरजंग एन्क्लेव थाना पुलिस का घोषित बदमाश भी है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी हुए तांबे के पाइप बरामद किए हैं।

दक्षिण पश्चिम जिले के डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि सफदरजंग एन्क्लेव थाना पुलिस इलाके में चोरी और सेंधमारी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए लगातार अभियान चला रही है। पुलिस टीम हाल की चोरी की घटनाओं के स्थान पर सीसीटीवी कैमरों का विश्लेषण कर रही थी। तभी पुलिस को एम्स ट्रॉमा सेंटर अस्पताल परिसर में लगे कैमरों में एक चोर दिखाई दिया। पुलिस ने आरोपित की पहचान कर उसे टावर फैक्टरी रोड के पास से दबोचा। पूछताछ करने पर आरोपित ने एम्स ट्रॉमा सेंटर में चोरी की बात स्वीकार की। आरोपित ने स्वीकार किया कि उसने एक मार्च को एम्स ट्रॉमा सेंटर के ओटी के पास से तांबे के पाइप चुराए थे।

दिल्ली में न्यूनतम तापमान 13.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार को न्यूनतम तापमान 13.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो इस मौसम में औसत से एक डिग्री कम है। दिल्ली में सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्ष आर्द्रता 63 प्रतिशत दर्ज की गई। मौसम विभाग ने दिन में आसमान साफ रहने तथा अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान जताया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 163 रहा जो, मध्यम श्रेणी में आता है। एक्यूआई शून्य से 50 के बीच अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर माना जाता है।

विकास लगरपुरिया गिरोह का सदस्य गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने विकास लगरपुरिया गिरोह के कुख्यात सदस्य रोहित गहलोत को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसको दो देसी पिस्तौल और 3 जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। जांच में पता चला है कि आरोपित पहले से पांच मामलों में शामिल है। वह हत्या के प्रयास के एक मामले में फरार चल रहा था। फिलहाल पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। क्राइम ब्रांच के डीसीपी सतीश कुमार ने शनिवार को बताया कि रोहति गहलोत को गोलीबारी और हत्या के प्रयास के एक मामले में गिरफ्तार किया गया है। 31 अक्टूबर, 2024 को छावला थाना पुलिस को शिकायतकर्ता हिमांशु ने तहरीर दी थी कि 30 अक्टूबर की रात वह अपने चचेरे भाई रोहित का जन्मदिन खाटू श्याम चौक (श्याम विहार) पर मना रहे थे। तभी आरोपित रोहित अपने 4 साथियों के साथ आया और गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर आरोपित ने गोली चलाई। गोली पीड़ित के भाई रोहित भारद्वाज के कमर में लगी।

मुरादाबाद में 'अहिल्या अलख' गोष्ठी आयोजित मां अहिल्याबाई होलकर की जयंती पर श्रद्धांजलि

अजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा क्लासिक वेंकट हॉल, दिल्ली रोड पर मां अहिल्याबाई होलकर की जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर 'अहिल्या अलख' नामक गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न समाजों के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मुख्य वक्ता का संबोधन मेरठ प्रांत के संपर्क प्रमुख श्री वेदपाल जी ने लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के संघर्षमयी जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि अहिल्याबाई का जन्म एक साधारण परिवार में हुआ था, लेकिन उनकी निष्ठा, समर्पण और नेतृत्व क्षमता ने उन्हें महान बना दिया। माता अहिल्याबाई ने अपने राज्य में कई मंदिरों का निर्माण कराया, जिनमें संभल के 19 कूपों में से 2 कूप शामिल हैं। वे प्रकृति प्रेमी थीं और विधवाओं को संपत्ति का अधिकार दिलाने के लिए, संघर्ष करती थीं। किसान उत्थान और ग्रामीण महिलाओं के स्व सहायता समूहों के माध्यम से वस्त्र उद्योग को बढ़ावा देना उनकी प्रमुख उपलब्धियों में था। माता ने अपने राज्य का संचालन शिवजी के आदर्शों और न्यायप्रियता के सिद्धांतों पर किया। अध्यक्षीय संबोधन कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री नौबत सिंह पाल, सेवानिवृत्त शिक्षक, ने अहिल्याबाई होलकर के जीवन और योगदान को याद करते हुए, सभी उपस्थित बंधुओं और बहनों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कार्यक्रम के समापन की घोषणा की। संचालन और उपस्थित गण कार्यक्रम का संचालन महानगर प्रचार प्रमुख संजीव चौधरी ने किया। इस अवसर पर विभाग संघचालक श्री सुरेन्द्र जी, महानगर संघचालक डॉ. विनीत जी, प्रांत प्रौढ़ प्रमुख श्री ओमप्रकाश शास्त्री, महानगर प्रचारक रोहित मुखिया जी, महानगर कार्यवाहक विपिन जी, महानगर प्रचार प्रमुख संजीव चौधरी, महानगर सहप्रचार प्रमुख डॉ. राजेश तोमर जी, शरद जैन जी, सुखवीर राठी जी, श्रीमती रीतापाल जी सहित सैकड़ों बंधु उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम मां अहिल्याबाई होलकर की स्मृति में आयोजित एक श्रद्धांजलि था, जिसने उनकी शिक्षाओं और योगदान को पुनः जागृत किया।

उत्तर प्रदेश: अहरौरा में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर 70 से अधिक महिलाओं का सम्मान

अनूप कुमार

उत्तर प्रदेश: अहरौरा क्षेत्र के पंचायत भवन, मूजडीह में मानव संसाधन, महिला विकास संस्थान और पंचायती विभाग, मीरजापुर के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 'जनजागरूकता एवं महिला सम्मान' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में घासीपुर, लालपुर, अधवार, मूजडीह, हिनौता गांवों की 70 से अधिक महिलाओं को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि का संबोधन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अहरौरा थाने की महिला पुलिसकर्मी कुसुम सिंह उपस्थित थीं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं का सम्मान केवल एक दिन नहीं, बल्कि प्रतिदिन होना चाहिए। आज का दिन उन सभी अद्भुत महिलाओं के सम्मान का है जो समाज को सशक्त बनाती हैं और बदलाव की मिसाल कायम करती हैं। वरिष्ठ समाज सेविका की टिप्पणी वरिष्ठ समाज सेविका संगीता देवी ने कहा कि आज भी महिलाओं के बिना समाज की कोई कल्पना नहीं की जा सकती। वे हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही हैं। उपस्थित प्रमुख व्यक्ति कार्यक्रम में गांव के प्रधान राजेश कुमार, रिंकी, मंजू, गिरिजा, मेराना, सोमलता, किरण, निशा लक्ष्मी, सीमा सहित कई महिलाएं उपस्थित थीं।

उत्तर प्रदेश: पुलिस अधीक्षक ने अहरौरा में होलिका स्थलों का किया निरीक्षण

अनूप कुमार

उत्तर प्रदेश: वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोमेन वर्मा ने अहरौरा थाना क्षेत्र में आगामी होली और रमजान त्योहारों की शांति व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए आज स्थलीय निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने त्योहार रजिस्टर और अन्य अभिलेखों की जांच की। इसके बाद, उन्होंने थाना क्षेत्र के बॉर्डर स्थित ग्राम सभा मदारपुर और भगवती देई में होलिका स्थलों का भी निरीक्षण किया। इस अवसर पर एसपी सोमेन वर्मा ने क्षेत्रीय लोगों से अपील की कि वे त्योहारों को सौहार्दपूर्ण और शांतिपूर्ण वातावरण में मनाएं। निरीक्षण के दौरान क्षेत्राधिकारी नक्सल मड़िहान मनेन्द्र पाल सिंह, थाना प्रभारी अजय सेठ और अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश: अहरौरा में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल ने महिलाओं को किया सम्मानित

अनूप कुमार

उत्तर प्रदेश: अहरौरा नगर के पियवा पोखर स्थित सामुदायिक भवन में आज दोपहर 2:00 बजे अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला सम्मेलन और सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि का संबोधन कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल ने अपने संबोधन में उपस्थित महिलाओं को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएं चला रही हैं, जिनका लाभ भाजपा अपना दल की महिला कार्यकर्ताओं के माध्यम से जनपद की अनेक महिलाओं तक पहुंचाया गया है। इन योजनाओं से महिलाओं का सामाजिक और आर्थिक जीवन उन्नत हुआ है। आज उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की जा रही है। विशिष्ट अतिथियों के विचार नगर पालिका अध्यक्ष ओमप्रकाश केसरी ने कहा कि महिलाएं अब घर की चूल्हा-चौका करने के साथ-साथ हवाई जहाज भी चला रही हैं और वैज्ञानिक क्षेत्र में भी उत्कृष्ट योगदान दे रही हैं, जिससे देश का गौरव बढ़ रहा है। अन्य उपस्थित गण कार्यक्रम में भाजपा के जिला महामंत्री हरिशंकर सिंह, महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष श्रीमती आभा पटेल, मड़िहान मंडल की अध्यक्ष सुनीता देवी, भाजपा मंडल अध्यक्ष मनोज सोनकर, अरुणेश पटेल सहित कई गणमान्य व्यक्ति और बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम का संचालन सुनीता शर्मा ने किया। यह कार्यक्रम महिलाओं की उपलब्धियों को मान्यता देने और उनके सशक्तिकरण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

एक नजर

33वीं वाहिनी पीएसी झांसी में 28वीं अंतरवाहिनी कुश्ती कलस्टर प्रतियोगिता का हुआ भव्य शुभारंभ

झांसी, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के झांसी में 33वीं वाहिनी पीएसी के मैदान में रविवार से तीन दिवसीय 28वीं अंतर वाहिनी कुश्ती कलस्टर प्रतियोगिता (बॉक्सिंग, बॉडी बिल्डिंग, आर्म्स रेसलिंग और कुश्ती) का भव्य शुभारंभ हुआ। यहां 33वीं वाहिनी पीएसी के मैदान पर पीएसी पूर्वी जोन की कुश्ती कलस्टर प्रतियोगिता का शुभारंभ सेनानायक अजीत कुमार सिन्हा (आईपीएस) द्वारा कबूतर एवं गुब्बारे उड़ाकर किया गया। इस प्रतियोगिता में पूरे पीएसी पूर्वी जोन की 10 टीमों 04वीं वाहिनी प्रयागराज, 12वीं वाहिनी फतेहपुर,20वीं वाहिनी आजमगढ़, 33वीं वाहिनी झांसी, 34वीं वाहिनी वाराणसी, 36वीं वाहिनी वाराणसी, 37वीं वाहिनी कानपुर नगर, 39वीं वाहिनी मिजार्पुर, 42वीं वाहिनी नैनी प्रयागराज, 48वीं वाहिनी सोनभद्र ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में 250 खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे हैं। सेनानायक ए के सिन्हा ने सभी टीमों की परेड की सलामी ली और उन्हें खेलों को पूरी खेल भावना से संपन्न करने की शपथ दिलायी। प्रतियोगिता के शुरुआती चरण में हुए उद्घाटन मैच में हुई फ्रीस्टाइल कुश्ती के 65 किलोग्राम भारवर्ग में 20वीं वाहिनी आजमगढ़ के आरक्षी राजकुमार ने अपने प्रतिद्वंदी को शिकस्त देते हुए पहला स्थान हासिल किया। इसके बाद 70 किलोग्राम भारवर्ग में 4वीं वाहिनी प्रयागराज के आरक्षी शिवम सिंह ने जीत का परचम लहराया। इसी क्रम में बॉक्सिंग के 80 किलोग्राम भार वर्ग में 33वीं वाहिनी झांसी के आरक्षी कुलदीप यादव ने 39वीं वाहिनी मिजार्पुर के आरक्षी प्रियांशु के बीच कड़ा मुकाबला हुआ और दोनों के पंच इतने मजबूत रहे कि मैच ड्रा हो गया। उद्घाटन समारोह में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण गोपीनाथ सोनी,सहायक सेनानायक इस्तियाक अहमद, शिविरपाल प्रणव कुमार सिंह, सूबेदार सैन्य सहायक धर्मराज सिंह भदौरिया,सहायक शिविर पाल गजेंद्र सिंह, पीसी हरिनाम सिंह एवं वाहिनी के अन्य अधिकारी और कर्मचारीगण मौजूद रहे।

आगरा में दो भाइयों पर चाकुओं से हमला : एक की मौत, दूसरा घायल

आगरा (उप्र), एजेंसी। आगरा जिले के बसौनी इलाके में पड़ोसियों ने एक विवाद के बाद कथित रूप से चाकू से ताबड़तोड़ प्रहार करके 27 वर्षीय व्यक्ति की हत्या कर दी और उसके भाई को गम्भीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने यह रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह घटना शनिवार रात को चुन्नीपुरा गांव में हुई। उनके मुताबिक, रामलाल और पड़ोस में रहने वाले उसके भतीजों अमरचंद और सूरज के बीच विवाद में बीच-बचाव करने की कोशिश करने पर देव सिंह (27) और उसके भाई रामवीर पर हमला किया गया। सिंह की मां शीला ने बताया कि उसके दोनों बेटों पर चाकुओं से हमला किया गया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। अपर पुलिस आयुक्त वीरेंद्र ने बताया कि रामलाल, अमर चंद और सूरज ने दोनों भाइयों देव सिंह और रामवीर पर चाकुओं से हमला किया जिसके बाद दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान देव की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि आरोपी मौके से फरार हो गए हैं तथा पुलिस की टीमें उन्हें पकड़ने के लिए छापेमारी कर रही हैं।

बाराबंकी में डेढ़ करोड़ रुपये की कीमत की मार्फिन बरामद, तस्कर गिरफ्तार

बाराबंकी (उप्र), एजेंसी। बाराबंकी शहर में स्वापक रोधी कार्य बल (एएनटीएफ) ने एक ऑटोरिक्शा से डेढ़ करोड़ रुपये कीमत की मॉर्फिन बरामद की और एक तस्कर को गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। एएनटीएफ की क्षेत्राधिकारी बीनू सिंह ने बताया कि शहर कोतवाली क्षेत्र में लखनऊ-अयोध्या मार्ग पर के. डी. सिंह बाबू स्टेडियम के पास एक खाली मकान के सामने खड़े ऑटोरिक्शा से डेढ़ किलोग्राम मॉर्फिन बरामद की गई। उन्होंने बताया कि इस मामले में जिले के कोठी थाना क्षेत्र निवासी फैयाज उर्फ मुन्ना टेलर नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। सिंह ने बताया कि बरामद मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब डेढ़ करोड़ रुपये बताई जा रही है। उन्होंने बताया, 'आरोपी से पूछताछ में पता लगा है कि वह जिले के कुख्यात तस्कर डॉ. जयपाल का साथी है। आरोपी ने हाल ही में एक नया ऑटोरिक्शा खरीदा था और उसी के जरिये बाराबंकी के भानमऊ से लेकर लखनऊ के कमता तक मॉर्फिन की तस्करी कर रहा था।' क्षेत्राधिकारी ने बताया कि पुलिस अब उसके नेटवर्क की छानबीन में जुट गई है।

नाबालिग लड़कियों को बहला-फुसलाकर दूसरे प्रान्तों में बेचने वाले गिरोह के चार सदस्य गिरफ्तार

बलिया (उप्र), एजेंसी। उत्तर प्रदेश पुलिस ने बलिया जिले से नाबालिग लड़कियों को बहला-फुसलाकर दूसरे प्रांतों में उन्हें शादी और घरों में काम करने के लिए बेचने वाले एक अंतर्राज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए एक बाल अपचारी सहित चार लोगों को पकड़ा है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने दो नाबालिग लड़कियों को सकुशल मुक्त कराकर उनको परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। पुलिस अधिकारियों ने रविवार को बताया कि मनियर थाना क्षेत्र से एक माह के अंदर दो नाबालिग लड़कियां लापता हो गई थीं। उनके मुताबिक, 17 वर्षीय एक लड़की गत 24 दिसम्बर को मनियर इंटर कॉलेज में प्रैक्टिकल की परीक्षा देने गई थी, लेकिन वह घर नहीं लौटी। इस मामले में उसकी मां की तहरीर पर 29 दिसंबर को अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया कि इस घटना के बाद इसी कॉलेज गई 16 वर्षीय अन्य लड़की 13 जनवरी को लापता हो गई थी और इस मामले में 22 जनवरी को अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस अधीक्षक (एसपी) ओमवीर सिंह ने रविवार को बताया कि पुलिस ने मुकदमे की विवेचना के दौरान मिले साक्ष्यों के आधार पर छापेमारी कर राजस्थान के पाली जिले के अशोक कुमार कुमावत और किशन भाटी के साथ ही मनियर थाना क्षेत्र के गौरा बगही (गंगापुर) गांव के मोहन यादव को गिरफ्तार किया जबकि 17 वर्षीय एक किशोर को हिरासत में लिया।

उत्तर प्रदेश: श्रीमती जे. देवी महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना का विशेष शिविर आयोजित

दीपक कौशा

उत्तर प्रदेश: श्रीमती जे. देवी महिला महाविद्यालय बभनान में शुक्रवार को राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर का तृतीय दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत कार्यक्रम अधिकारी डॉ. राजेश कुमार श्रीवास्तव ने योगाभ्यास और प्रातःकालीन प्रार्थना से की। इसके बाद मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि द्वारा माता सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। स्मरणीय है कि शिविर में स्वयंसेविका आकृति पांडेय और अंशी सिंह द्वारा प्रस्तुतियां दी गई, जबकि स्वागत समारोह में स्वयंसेविका आकांक्षा तिवारी ने स्वागत गीत प्रस्तुत की। इस दौरान चयनित ग्राम महरगौरा का ग्राम्य सर्वेक्षण शिविरार्थिनियों द्वारा किया गया, जिससे उनकी सामाजिक जागरूकता में वृद्धि हुई। पहले सत्र में लखनऊ से आए मुख्य वक्ता मोहम्मद तैयब ने डिजिटल जागरूकता और साइबर क्राइम पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने युवाओं को साइबर अपराध से बचने के उपायों के बारे में बताया और यह भी सलाह दी कि किसी भी लिंक को मोबाइल पर क्लिक करने से पहले पूरी तरह से आश्वस्त होना चाहिए। दोपहर बाद 2:00 बजे से बौद्धिक सत्र प्रारंभ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि आचार्य नरेंद्र देव किसान पीजी कॉलेज बभनान गोंडा के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. त्रिपुरारी मिश्र ने स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉ. मिश्र ने शिविरार्थिनियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने और समाज में स्वास्थ्य जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य चंद्रमौलि मणि त्रिपाठी, डॉ. किरण त्रिपाठी, डॉ. संतोष शुक्ला, डॉ. हरजीत कौर, और अन्य सम्मानित शिक्षकगण भी उपस्थित थे। इस शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों में समाज सेवा, जागरूकता और स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाना था।

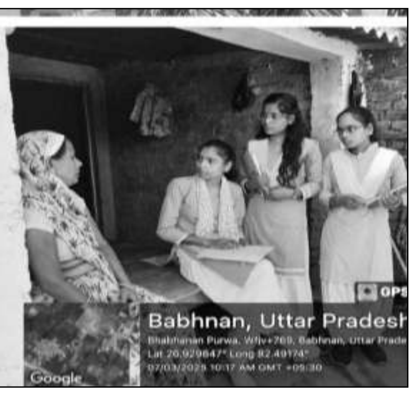

उत्तर प्रदेश: सीएमओ के नेतृत्व में मनाया गया जन औषधि दिवस, सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाओं का किया गया प्रचार

संजीव कुमार (यूपी)

उत्तर प्रदेश: जन औषधि दिवस के अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉक्टर सुनील तेवतिया ने कहा कि ब्रांडेड और जेनेरिक दवाओं में कोई अंतर नहीं है। उन्होंने प्रधानमंत्री जन औषधि योजना के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में जानकारी दी कि इस योजना का उद्देश्य आम नागरिकों को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम में बिजनौर सांसद चन्दन सिंह चौहान भी मौजूद रहे। उन्हें सीएमओ ने फूलों से सम्मानित किया। इस अवसर पर सांसद चौहान ने जन औषधि योजना के महत्व और इसके प्रभावी कार्यान्वयन के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। डॉक्टर तेवतिया ने कहा कि सरकार हर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पर जन औषधि केंद्र खोल रही है, और जहां यह केंद्र नहीं हैं, वहां जल्द ही स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि जन औषधि दवाएं ब्रांडेड दवाओं के समान प्रभावी हैं, और इनकी कीमत ब्रांडेड दवाओं से काफी कम है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि वे बिना किसी संकोच के जन औषधि दवाओं का उपयोग करें, क्योंकि यह पहल स्वास्थ्य सेवाओं को सभी के लिए सुलभ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

उत्तर प्रदेश: मीरजापुर में पुलिस की बड़ी कार्रवाई 1166 शीशी अवैध ओनेरेक्स सिरप के साथ एक गिरफ्तार

सूरज मौर्य

उत्तर प्रदेश: वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोमेन वर्मा के निर्देश पर, मीरजापुर पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए एक महत्वपूर्ण कार्रवाई की। तारीख 3 फरवरी 2025 नैढ़ी कठारी मेन हाईवे रोड, थाना लालगंज क्षेत्र अभियुक्त अभिषेक सिंह (उम्र 30 वर्ष), पुत्र लल्लन सिंह, निवासी भिखारीपुर, थाना कछवां, जनपद मीरजापुर बरामदगी 1166 शीशी अवैध ओनेरेक्स सिरप वाहन टाटा मान्जा (वाहन संख्या वढ 65 BG 2808) घटनाक्रम अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन और क्षेत्राधिकारी लालगंज के नेतृत्व में थाना लालगंज पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति अवैध ओनेरेक्स सिरप की बड़ी खेप के साथ नैढ़ी कठारी मेन हाईवे रोड से गुजरने वाला है। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस ने उक्त स्थान पर घेराबंदी की और अभियुक्त अभिषेक सिंह को गिरफ्तार किया। उसके वाहन से 1166 शीशी अवैध ओनेरेक्स सिरप बरामद हुई। कानूनी कार्रवाईगिरफ्तारी और बरामदगी के संबंध में थाना लालगंज पर मु.अ.सं. 64/2025 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया जारी है। पुलिस टीम उप निरीक्षक संजय कुमार सिंह, थानाध्यक्ष, थाना लालगंज उप निरीक्षक राधेश्याम, थाना कछवां उप निरीक्षक सुरेंद्र कुमार दुबे, थाना कछवां यह कार्रवाई मीरजापुर पुलिस की अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री के खिलाफ निरंतर प्रयासों को दर्शाती है।

उत्तर प्रदेश: बरेली में 'जीनियस आइकॉन अवार्ड 2025 से 25 प्रतिभाशाली महिलाओं का सम्मान

छत्र पाल

उत्तर प्रदेश: अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जीनियस वेलफेयर सोसाइटी द्वारा 'जीनियस आइकॉन अवार्ड 2025' समारोह का आयोजन खुशलोक हॉस्पिटल ऑडिटोरियम में किया गया।

इस कार्यक्रम में 25 सनातनी महिलाओं को उनके समाजसेवा और सनातन धर्म रक्षा में योगदान के लिए सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि श्रुति गंगवार, अध्यक्ष, अर्बन कॉर्पोरेटिव बैंक विशिष्ट अतिथि इंदु सेठी, वरिष्ठ समाजसेवी एवं महिला भाजपा नेता कार्यक्रम का उद्घाटन अश्वनी ओबेरॉय, डॉ. विनोद पागरानी और डॉ. मोनिका अग्रवाल ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन करके किया। सम्मानित की गई महिलाओं में अग्रवंशी बनिया, कुर्मी, पंजाबी, सिख, कायस्थ, ब्राह्मण और अन्य समाजों की सदस्याएं शामिल थीं, जिन्होंने समाज सेवा और धर्म रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कार्यक्रम के अन्य प्रमुख आकर्षण कार्यक्रम के पश्चात, सभी उपस्थित लोगों ने गुलाल लगाकर और फूलों की होली खेलकर होली की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का संचालन प्रख्यात कवि रोहित राकेश और सह संचालन पूनम चंद्रा ने किया। संस्था के सचिव मनोज पाण्डेय ने सभी सम्मानित प्रतिभागियों और उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया। यह आयोजन महिलाओं की उपलब्धियों को मान्यता देने और समाज में उनके योगदान को सराहने के लिए महत्वपूर्ण कदम है।

झारखण्डः महाराष्ट्र और गोवा में क्रूज पर बढ़ता अवैध कारोबार और नशे की सामग्री की बिक्री, क्या सरकार की निगरानी कमजोर हो रही है

राजेश कुमार (जेके)

झारखण्डः महाराष्ट्र और गोवा में क्रूज उद्योग अब न केवल मनोरंजन का अड्डा बन गया है, बल्कि यह अवैध कारोबार और नशे की सामग्री का भी प्रमुख केंद्र बन चुका है। क्रूज पर न केवल शॉपिंग और गेम्स का मजा लिया जा रहा है, बल्कि यह असामाजिक गतिविधियों का भी गढ़ बन गया है। यहां पर गांजा, ड्रग्स, और चरस जैसी नशे की सामग्री खुलेआम बिक रही है और इस पर किसी भी प्रकार की रोकथाम नहीं की जा रही है। यह जानकारी सामने आई है कि इन क्रूज पर सप्ताह में तीन दिन और चार रात का पैकेज होता है, जिसमें यात्रा, भोजन, गेमिंग और शॉपिंग शामिल होती है, लेकिन इन गतिविधियों के बीच नशे की बिक्री भी हो रही है। हालांकि, नशे की सामग्री की बिक्री और अन्य अवैध गतिविधियां पहले कलकत्ता और साउथ के इलाकों तक सीमित थीं, लेकिन अब ये क्रूज पर भी जमकर चल रही हैं। यह एक खुला सवाल है कि आखिर सरकार और मंत्री इस घातक साजिश पर नजर क्यों नहीं डाल रहे हैं। इसके अलावा, ये क्रूज अब एक अड्डा बन चुका है, जहां

स्मगलर्स, गैंगस्टार्स, और विभिन्न अपराधी किस्म के लोग भी अपनी गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं। इन अवैध गतिविधियों के पीछे एक और घातक पहलू है, जो यह दशार्ता है कि ये नशे की सामग्री बेचने वाले लोग समाज के विभिन्न वर्गों को अपने जाल में फंसा रहे हैं। इससे भी ज्यादा चिंताजनक बात यह है कि इन घटनाओं में शामिल कुछ लोग समाज के बड़े और प्रभावशाली परिवारों से हैं।

इस तरह के मामलों में कई बार परिवारों के सदस्य अपनी संपत्ति और प्रॉपर्टी के लिए अपने रिश्तेदारों तक को मारने तक पर उतर आते हैं। इसके साथ ही, ये लोग गोल्ड में निवेश करते हैं और अपने शौक पूरे करने के लिए हर हद तक जा सकते हैं। अब सवाल यह उठता है कि इस पूरी साजिश और अवैध कारोबार को रोकने के लिए सरकार और पुलिस विभाग क्या कदम उठा रहे हैं? क्या यह स्थिति जल्द सुधरेगी या फिर यह व्यवसाय इसी तरह चलता रहेगा, जिससे देशभर में बीमारियों का खतरा बढ़ता जाएगा? कई बार यह जांच के दौरान सामने आया है कि इन इलाकों में होने वाली अवैध गतिविधियों की वजह से कई गंभीर बीमारियाँ भी फैल रही हैं, लेकिन प्रशासन की लापरवाही के चलते इन पर काबू नहीं पाया जा रहा है।

ओडिशाः अंतजार्तीय महिला दिवस पर पिढपाटणा में आयोजित आलोचनात्मक सभा

लक्ष्मीनारायण पाथी

ओडिशाः पुरी जिले के डेलांग ब्लॉक स्थित पिढपाटणा अपर प्राइमरी स्कूल में 8 मार्च को अमृत परिवार द्वारा अंतजार्तीय महिला दिवस के अवसर पर एक आलोचनात्मक सभा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में महिलाओं के प्रति अत्याचार को कलंक के रूप में प्रस्तुत कर, इस पर जागरूकता फैलाना था। सभा की शुरूआत मुख्य अतिथि मुनिंदा अपर प्राइमरी स्कूल के प्रधान शिक्षक अशोक कुमार प्रधान द्वारा दीप प्रज्वलन से हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता पिढपाटणा अपर प्राइमरी स्कूल की प्रधान शिक्षिका और अमृत परिवार की उपाध्यक्ष दिगंबर रथ ने की। उन्होंने अपने संगीत के माध्यम से जगन्नाथ भजन प्रस्तुत कर भक्तिमय वातावरण का सृजन किया। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में महिला सशक्तिकरण की आवश्यकता पर बल दिया,

बताते हुए कहा कि यह कोई नया नारा नहीं है, बल्कि वर्षों से इसकी आवश्यकता महसूस की जा रही है। हालांकि, पुरुषों के बराबर स्थिति प्राप्त करने में अभी भी चुनौतियां हैं। सभाध्यक्ष दिगंबर रथ ने घरेलू हिंसा को महिला समाज के लिए एक गंभीर समस्या बताते हुए, इसे समाप्त करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के प्रसार से महिलाओं के प्रति अन्याय और अत्याचार को कम किया जा सकता है, जिससे समाज सभ्य और सुसंस्कृत बन सकेगा। कार्यक्रम में शिक्षक काशीनाथ महापात्र, सुरेश मंत्री, अभय चरण साहु, माधविका मिश्र और शिक्षिका पार्वती महापात्र ने भी महिला सशक्तिकरण पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

सभा के समापन पर सभाध्यक्ष ने सभी अतिथियों और उपस्थित जनों का धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों को दोपहर का भोजन प्रदान किया गया, जिसे सभी ने आनंदपूर्वक ग्रहण किया।

आयकर विभाग की बड़ी कार्रवाई जयपुर, दौसा और बहरोड़ में छापेमारी जारी

मनोज कुमार चोर्डिया

राजस्थानः आयकर विभाग की अन्वेषण शाखा ने शुक्रवार सुबह से राजधानी जयपुर, दौसा और बहरोड़ में एक साथ छापेमारी की कार्रवाई शुरू की, जो शनिवार तक जारी रही। इस दौरान विभाग ने तीन कारोबारियों और उनके सहयोगियों के 24 से अधिक ठिकानों पर कार्रवाई की।

छापेमारी में अब तक 3 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी, लाखों रुपये की ज्वैलरी और एक दर्जन से अधिक बैंक खाते सीज किए गए हैं। इससे करोड़ों रुपये की अघोषित आय का खुलासा होने की संभावना है। जयपुरः ब्रह्मपुरी, बजाज नगर, बापूनगर, जेएलएन मार्ग स्थित ठिकाने। लालसोट दो ठिकानों पर कार्रवाई। बहरोड़ एक ठिकाना। अनिल गुप्ताअशोक पाटनी शब्बीर खान तीन कारोबारियों और उनके सहयोगियों के 24 से अधिक ठिकानों पर कार्रवाई। तीनों शहरों में आशादीप बिल्डर्स, प्रेम कार्गो लॉजिस्टिक और पर्शियन कारपेट्स पर कार्रवाई।

मध्य प्रदेशः रमजान मुबारक का महीना शुरू मुस्लिम समाज में इबादत और भक्ति का माहौल

रियाज मोहम्मद खान

मध्य प्रदेशः थांदला में माहे रमजान का मुबारक महीना 1 मार्च 2025 को चांद का दीदार होते ही शुरू हुआ। मुस्लिम समाज के लिए यह महीना विशेष अहमियत रखता है, जो इस्लामी कैलेंडर का नौवां महीना होता है। रमजान के पहले रोजे की शुरूआत 02 मार्च 2025 से हुई, और इस दौरान समाज के लोग इबादत में लगे हुए हैं। इस बार रमजान का महीना सर्दी और गर्मी दोनों का मिश्रण है। मुस्लिम समाज के लोग सुबह सादिक से लेकर मगरिब तक पूरा दिन भूख और प्यास सहते हुए रोजा रखते हैं और पांच वक्त की नमाज अदा करते हैं।

खास बात यह है कि इस महीने में इबादत का सिलसिला सिर्फ बुजुर्गों तक सीमित नहीं है,

बल्कि बच्चे भी उत्साह के साथ इस मुबारक महीने में रोजा रखने में शामिल हो रहे हैं। सात वर्षीय इलहम खान, जो खींवसर के वार्ड नं.13 की निवासी हैं, ने अपने जीवन का पहला रोजा रखा। उनके परिवार और रिश्तेदारों ने उन्हें इफ्तार के समय दुआओं से नवाजा। इस मुबारक महीने में ईशा नमाज के बाद 20 रकात तरावीह होती है, जो हाफीज जनाब हसन रिजवी साहब द्वारा कुरान शरीफ से अदा करवाई जाती है। रमजान के इस महीने में एहेतकाफ (मस्जिद में 10 दिन की इबादत) का भी विशेष महत्व है। मस्जिद में एहेतकाफ की नियत कर हजरात अपने रब ताला की बारगाह में दिन-रात इबादत करते हैं। इस महीने में एक नेक काम करने पर दस गुना ज्यादा सवाब मिलता है। रमजान की खासियत यह भी है कि इस महीने में पांच शबे कद्र की रातें होती हैं झ 21, 23, 25, 27, और 29 झ जिनमें विशेष दुआओं का महत्व होता है। इन रातों में जो भी व्यक्ति तौबा करता है, उसकी दुआ काबूल होती है। इसके अलावा, साहिबे निसाब को अपनी चल और अचल संपत्ति का जकात और खैरात देना फर्ज है, जो ईद की नमाज से पहले देना अनिवार्य है, अन्यथा यह गुनाह होगा। इस पवित्र महीने में मुस्लिम समाज अपने रब के साथ संबंध को मजबूत करने और अच्छे कार्यों को करने में संलग्न है, जिससे वे अपने जीवन में शांति और आशीर्वाद प्राप्त कर सकें।

राजस्थानः अजमेर में वकील की हत्या के विरोध में व्यापक प्रदर्शन

मोहम्मद नवाज खान

राजस्थानः पुष्कर में वरिष्ठ अधिवक्ता पुरुषोत्तम जाखेटिया की निर्मम हत्या के विरोध में अजमेर, पुष्कर, नसीराबाद और ब्यावर में आज (शनिवार) बाजार पूरी तरह बंद रहे। अजमेर बार एसोसिएशन के आह्वान पर वकीलों ने पुलिस प्रशासन और जिला प्रशासन के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया। अधिवक्ताओं की सुरक्षा के लिए 'अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट' शीघ्र लागू किया जाए। पुष्कर में जाखेटिया के घर के पास स्थित शराब की दुकान हटाई जाए। डीजे संचालकों पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। 2 मार्च की रात करीब 1:45 बजे पुष्कर रोड स्थित संस्कार गार्डन के पास कुछ

युवकों ने तेज आवाज में डीजे बजाकर सड़क पर नृत्य किया। वरिष्ठ अधिवक्ता जाखेटिया ने इसका विरोध करते हुए डीजे बंद करने को कहा। इस पर नशे में धुत युवकों ने लाठियों से उनकी बुरी तरह पिटाई की, जिससे सिर में गंभीर चोटें आईं। 6 दिन बाद इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। वकीलों ने सिटी स्क्वायर, मीराज मॉल और अन्य बाजारों में तोड़फोड़ की। अजमेर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक सिंह रावत ने कहा कि वकीलों में जबरदस्त रोष है। पुलिस ने आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार नहीं किया, जिससे विश्वास में कमी आई है। सरकार से अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट शीघ्र लागू करने की मांग की गई है। वकीलों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो आगामी दिनों में राजस्थान बंद और फिर भारत बंद का आह्वान किया जाएगा।जयपुर-अजमेर रोड पर जाम लगाया और दुकानों को बंद कराया। पुलिस की मौजूदगी में खुले शराब के ठेकों पर पहुंचकर हंगामा किया और संचालकों की पिटाई की। अजमेर में वकीलों का प्रदर्शन प्रशासन के खिलाफ उनकी नाराजगी को दशार्ता है। अधिकारियों से उम्मीद है कि वे जल्द ही उचित कदम उठाएंगे ताकि स्थिति सामान्य हो सके।

महिला सफाई कर्मियों ने की शिकायत, अनुचित कार्यों का किया जा रहा है दबाव

कहार सुरेशभाई

गुजरातः वडोदरा के वाघोडिया रोड स्थित प्रभात सोसाइटी के पास वार्ड नंबर 15 की महिला सफाई कर्मियों ने सेनेटरी ऑफिसर कौशिक दवे के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं।

उनका कहना है कि उन्हें डिवाइडर की सफाई जैसे कार्यों के लिए मजबूर किया जा रहा है, जो महिलाओं के लिए उपयुक्त नहीं हैं। महिला सफाई कर्मियों ने यह भी चिंता जताई है कि यदि भविष्य में इस कार्य के दौरान कोई अप्रिय घटना घटती है, तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? उन्होंने अधिकारियों से इस मामले की गंभीरता से जांच करने की अपील की है और सेनेटरी ऑफिसर को उनके कार्यक्षेत्र से स्थानांतरित करने की मांग की है। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि अगर काम करना है तो करना होगा, अन्यथा घर बैठना पड़ेगा। इस रवैये से महिला सफाई कर्मी काफी नाराज हैं और अब वे इस अन्याय के खिलाफ आवाज उठा रही हैं।

आयुष्मान कार्ड बनाने में राशन कार्ड की अनिवार्यता पर उठे सवाल, शिव प्रसाद सेमवाल ने किया विरोध

हरीश उपाध्याय

उत्तराखंडः आयुष्मान कार्ड से इलाज कराने में और नए कार्ड बनाने की प्रक्रिया को लेकर कई विसंगतियां सामने आ रही हैं। इन विसंगतियों का समय रहते निराकरण होना जरूरी है। इस मामले पर सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाए जा रहे हैं। राष्ट्रवादी रीजनल पार्टी के अध्यक्ष शिव प्रसाद सेमवाल ने प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान इस मुद्दे को उठाया। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय से आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए केवल राशन कार्ड की अनिवार्यता कर दी गई है। ऐसे में जिनके पास राशन कार्ड नहीं है, वे आयुष्मान कार्ड बनाने में असमर्थ हो रहे हैं। शिव प्रसाद सेमवाल ने यह भी आरोप लगाया कि जिन व्यक्तियों या परिवारों को राशन कार्ड की आवश्यकता नहीं है, उन्हें भी जबरन राशन कार्ड बनवाना पड़ रहा है। इसके अलावा, जिनकी आय 40,000 रुपये प्रति माह से अधिक है या जिनका पारिवारिक आय 5 लाख रुपये से ऊपर है, उनके लिए राशन कार्ड बनाना संभव नहीं है, जो कि गंभीर चिंता का विषय है। राष्ट्रवादी रीजनल पार्टी ने इस मुद्दे को गंभीरता से उठाते हुए सरकार से तत्काल सुधार की मांग की है, ताकि आयुष्मान कार्ड से इलाज का लाभ सभी जरूरतमंदों तक पहुंच सके।

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत खींवसर और मुंडवा ब्लॉक की एएनएम को दिया गया प्रशिक्षण

मनोज कुमार चोर्डिया

राजस्थानः राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत खींवसर और मुंडवा ब्लॉक की एएनएम (आशा और नर्स) को मानसिक स्वास्थ्य संबंधी प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण नागौर इकाई द्वारा आयोजित किया गया था, जिसमें मानसिक रोगों की पहचान और उपचार की प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण सत्र के मुख्य प्रशिक्षक, डॉक्टर राधेश्याम रोज (मनोरोग विशेषज्ञ एवं जिला नोडल अधिकारी) ने बताया कि मानसिक रोगों को प्रारंभिक स्तर पर पहचानना अत्यंत महत्वपूर्ण है, ताकि मरीजों को समय रहते सही उपचार प्राप्त हो सके। उन्हें सही चिकित्सक और मनोरोग विशेषज्ञ के पास भेजने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान श्री पंकज शर्मा, साइकाइट्रिक केयर नर्स ने राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम

और मानसिक रोगियों के हित में बनाए गए नियमों के बारे में जानकारी दी। साथ ही, उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य शिविरों के आयोजन की प्रक्रिया के बारे में भी बताया। इस प्रशिक्षण में श्री बजरंग लाल, वार्ड असिस्टेंट, जिला इकाई मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और एनसीडी इकाई नागौर का भी इसमें योगदान रहा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य एएनएम को मानसिक स्वास्थ्य के मामलों में दक्ष बनाना और ग्रामीण क्षेत्रों में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता फैलाना है।

एक नजर

उत्तर प्रदेशः शिवसेना कार्यकर्ताओं ने एसपी विशेष श्रेणी प्रमोशन पर कुंवर रणविजय सिंह को दी शुभकामनाएं

अजय सक्सेना/उत्तर प्रदेशः आज 8 मार्च 2025 को शिवसेना उद्धव ठाकरे के जिला प्रमुख वीरेंद्र अरोड़ा के नेतृत्व में शिवसेना के कार्यकताओं ने नगर पुलिस अधीक्षक कुंवर रणविजय सिंह को पुलिस अधीक्षक विशेष श्रेणी 2 के पद पर प्रमोशन होने पर उन्हें शाल ओढ़ाकर एवं पुष्प भेंट कर शुभकामनाएं दी। इस दौरान एसपी सिटी श्री कुंवर रणविजय सिंह ने होली के त्योहार पर अपने संदेश में कहा, "होली रंगों का त्योहार है, जो आपसी मिलन और सौहार्द का प्रतीक है। इसे आपस में मिलजुल कर मनाएं और हुड़दंग बाजी से बचें।" उन्होंने सभी से अनुरोध किया कि इस त्यौहार को एक-दूसरे के साथ प्रेम और सहयोग से मनाया जाए। इस अवसर पर शिवसेना प्रमुख वीरेंद्र अरोड़ा ने कहा, "हम लोग प्रशासन का सहयोग करते हुए इस त्योहार को शांति और सौहार्द से मनाएंगे। कार्यक्रम में शिवसेना कार्यकर्ता कमल सिंह राव, मुदित उपाध्याय, विपिन भटनागर, अरुण ठाकुर समेत अन्य शिव सैनिक उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर होली के त्योहार को सामूहिक रूप से शांतिपूर्वक और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने का संकल्प लिया।

दिल्ली में नौ महीने इलाज के बाद उप मुख्य पार्षद का जोरदार स्वागत

वैशाली। गौरौल नगर पंचायत की उप मुख्य पार्षद धंमनती देवी के नौ महीने बाद दिल्ली से स्वस्थ होकर लौटने पर नगर पंचायत कर्मियों और शुभचिंतकों ने उनका भव्य स्वागत किया। बीमारी के दौरान उन्होंने जीवन और मौत से संघर्ष किया, और दिल्ली के उच्चस्तरीय स्वास्थ्य केंद्रों में उनका इलाज चल रहा था। उनकी स्वस्थ वापसी की कामना को लेकर नगर पंचायत कर्मी और स्थानीय लोग लगातार ईश्वर से प्रार्थना कर रहे थे। जैसे ही उनके लौटने की खबर फैली, शुभचिंतकों की भीड़ उनके आवास पर उमड़ पड़ी। इस अवसर पर धंमनती देवी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा, "यह आप सभी के आशीर्वाद और शुभकामनाओं का ही परिणाम है कि मैं वापस आपके बीच हूं। अब हम सब मिलकर नगर पंचायत के विकास कार्यों को आगे बढ़ाएंगे। स्वागत करने वालों में मुख्य पार्षद नागेंद्र दास, संजय कुमार सिंह, संतोष पासवान, पाचु सहनी, दीपक कुमार, सुशील कुमार सिंह, अरविंद कुमार सिंह उर्फ भदर सिंह सहित दर्जनों बुद्धिजीवी, पत्रकार और स्थानीय नागरिक मौजूद थे।

विधायक सिद्धार्थ पटेल ने किया तीन उप स्वास्थ्य केंद्रों का शिलान्यास

वैशाली। वैशाली विधानसभा क्षेत्र के विधायक सिद्धार्थ पटेल ने गौरौल प्रखंड के पिरापुर मथुरा, पोझा और बकसामा पंचायत में बनने वाले तीन उप स्वास्थ्य केंद्रों का शिलान्यास किया। ये स्वास्थ्य केंद्र राज्य सरकार की पहल के तहत स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से बनाए जा रहे हैं। विधायक पटेल ने बताया कि सरकार जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है। इन तीनों केंद्रों के निर्माण पर लगभग 30-30 लाख रुपये की लागत आएगी। प्रत्येक केंद्र में 40 से अधिक प्रकार की दवाएं और आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को त्वरित और सुलभ इलाज मिल सकेगा। शिलान्यास कार्यक्रम में जदयू प्रखंड अध्यक्ष भगवान सिंह, पैक्स अध्यक्ष रणजीत कुमार सिंह, राम सागर सिंह, पवन कुमार सिंह, दलित प्रकोष्ठ अध्यक्ष लक्ष्मी कुमारी, उमेश कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

दिव्यांग होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन

मुजफ्फरपुर। जिले के ग्राम पंचायत राज पिलखी गजपति में रविवार को सरपंच एवं सरपंच संघ सचिव श्रीमती रीमा भारती जी के आवास पर दिव्यांग होली मिलन समारोह का आयोजन हुआ। इस समारोह में युवा जुझारू नेता श्री सावन पांडे सहित कई विशिष्ट अतिथियों ने शिरकत की। समारोह के दौरान दिव्यांगजनों की समस्याओं पर गहन चर्चा की गई तथा उनके समाधान के लिए आवश्यक निर्णय लिए गए। इस अवसर पर पर्सन विद डिसेबिलिटी के अध्यक्ष पंकज ठाकुर, आरटीआई पदाधिकारी मनीष कुमार, अनुमंडल सचिव सोनू कुमार, महिला प्रकोष्ठ प्रभारी विभा कुमारी एवं पिंकी कुमारी सहित कई प्रखंड व जिला स्तरीय प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

संपादकीय

बदजुबान नेताओं का करें बहिष्कार?

भारत को विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में जाना जाता है। लोकतंत्र एक ऐसी शासन प्रणाली है जिसमें लोग अपने चुने हुए प्रतिनिधियों को वोट देकर एक ऐसी सरकार चुनते हैं जिस में सभी को समान अधिकार होते हैं। लोकतंत्र समानता, भागीदारी, और मौलिक अधिकारों के सिद्धांतों पर आधारित होता है। संक्षेप में एक लोकतान्त्रिक सरकार जनता की सरकार होती है जो जनता द्वारा, जनता के लिये चुनी जाती है। परन्तु प्रायः यही देखा गया है कि जनता की सेवा के नाम पर चुनावी पोस्टर, बैनर्स व कटआउट में हाथ जोड़े हुये वोट मांगते दिखाई देता नेता चुनाव जीतने के बाद जनता का प्रतिनिधि नहीं बल्कि जनता का 'बॉस' बना नजर लगता है। सरकारी सुरक्षा, स्वागत, फूल-माला, जयजयकार, भाषणबाजी, अपने परिजनों व चेलों को फायदा पहुँचाना, जमकर लूट खसोट करना, दबंगई व चौधर दिखाना मंत्री बनने की जुगत भिड़ाना, यदि मंत्री हैं तो मुख्यमंत्री पद के लिये लालायित रहना उज्जवल राजनैतिक भविष्य की खातिर दल बदल की संभावनाओं को तलाशना आदि इसी तरह की 'समाजसेवा' में माननीय के 5 वर्ष बीत जाते हैं। और जनता 5 वर्षों बाद जब स्वयं को ठगा महसूस करती है तो ज्यादा से ज्यादा उसकी जगह किसी दूसरे का चुनाव कर लेती है। और वह भी अपने पूर्ववर्ती के नक़्शे कदम पर चलने लगता है।

माननीयों द्वारा जनता की जरूरतों से मुंह मोड़ने और सारा ध्यान 'अपनी जरूरतों' को पूरा करने में लगाने का ही नतीजा है देश में बढ़ती बेरोजगारी, मंहगाई, विकास बाधित होना, बिजली पानी सड़क स्वास्थ व शिक्षा जैसी बुनियादी जरूरतें समुचित तौर से आम जनता तक न पहुँच पाना और अराजकता व कानून व्यवस्था जैसी समस्याओं का लगातार बढ़ते जाना। और जब यही स्थिति अनियंत्रित होने लगती है उस समय यही शातिर नेता जनता से वोट झटकने के लिये तरह तरह के हथकंडे अपनाते हैं। समाज को धर्म व जातियों के आधार पर विभाजित करते हैं। क्षेत्र व भाषा जैसे भावनात्मक मुद्दे उछाल कर सस्ती लोकप्रियता अर्जित करते हैं, मंदिर मस्जिद जैसे विवादों को पहले खड़ा करते हैं फिर इसे हवा देते हैं। वैज्ञानिक युग में अवैज्ञानिक तर्क देकर लोगों का ध्यान भटकते हैं। और इसी 'शातिर सियासत' का ही एक पहलू यह भी है कि नेताओं द्वारा मतदाताओं को आकर्षित करने के लिये तरह तरह की मुफ़्त योजनायें लागू की जाती हैं। जो सरकारें या पार्टियां इन योजनाओं को स्वयं चलाती हैं वे इन योजनाओं को बेहद जरूरी व जनहितकारी बताती हैं जबकि अन्य दलों के नेताओं को ऐसी योजनायें 'मुफ़्त की रेवड़ी ' नजर आती हैं।

अब महिलाओं के प्रति बदलना होगा नजरिया

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस हर साल 8 मार्च 1911 से पूरे विश्व में मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य महिलाओं की सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक उपलब्धियों का जश्न मनाना है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025 का थीम है कार्रवाई में तेजी लाना। वर्ष की 2025 थीम में सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए अधिकार, समानता, सशक्तिकरण होगी। जो वैश्विक स्तर पर महिलाओं और लड़कियों की प्रगति को रोकने वाली प्रणालीगत बाधाओं को तोड़ने के लिए समावेशन और तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता पर प्रकाश डालती।

-रमेश सर्राफ धमोरा-

भारत वह देश है जहां महिलाओं की सुरक्षा और इज्जत का खास ख्याल रखा जाता है। अगर हम इक्कीसवीं सदी की बात करे तो यहां की महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिला काम कर रही है। अब तो भारत की संसद ने भी महिलाओं के लिये लोकसभा व विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण का विधेयक पास कर दिया है। उससे आने वाले समय में भारत की राजनीति में महिलाओं की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण हो जायेगी। देश में महिलाओं को अब सेना में भी महत्वपूर्ण पदो पर तैनात किया जाने लगा है। जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है।

यहां महिलाओं को पुरुषों के बराबर अधिकार है। महिलायें देश की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है तथा विकास में भी बराबर की भागीदार है। आज के युग में महिला पुरुषों के साथ ही नहीं बल्कि उनसे दो कदम आगे निकल चुकी है। महिलाओं के बिना समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। भारतीय संविधान के अनुसार महिलाओं को भी पुरुषों के समान जीवन जीने का हक है। भारत में नारी को देवी के रूप में देखा गया है। कहा जाता है कि जहां नारी की पूजा होती है वहां देवता निवास करते हैं। प्राचीन काल से ही यहां महिलाओं को समाज में विशिष्ट आदर एवं सम्मान दिया जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस हर साल 8 मार्च 1911 से पूरे विश्व में मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य महिलाओं की सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक उपलब्धियों का जश्न मनाना है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025 का थीम है कार्रवाई में तेजी लाना। वर्ष की 2025 थीम में सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए अधिकार, समानता, सशक्तिकरण होगी। जो वैश्विक स्तर पर महिलाओं और लड़कियों की प्रगति को रोकने वाली प्रणालीगत बाधाओं को तोड़ने के लिए समावेशन और तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता पर प्रकाश डालती।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक साल 2023 में भारत में महिलाओं के खिलाफ कुल 4, 05, 861 अपराध दर्ज किए गए। इन अपराधों में बलात्कार, छेड़छाड़, दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न, साइबर अपराध, और अपहरण जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं। इनमें सबसे ज्यादा मामले घरेलू हिंसा और यौन उत्पीड़न के सामने आए हैं। जो समाज में महिलाओं की सुरक्षा के प्रति हमारी उदासीनता को दशार्ते हैं। इससे पहले 2022 में 4, 45, 256 मामले, 2021 में 4, 28, 278 मामले 2020 में 3, 71, 503 मामले दर्ज किए गए थे।

एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक प्रति एक लाख आबादी पर महिला अपराध की दर 66.4 फीसदी रिकॉर्ड की गई। ऐसे मामलों में आरोप पत्र दायर करने की दर 75.8 फीसदी रही। एनसीआरबी ने बताया कि भारतीय दंड संहिता के तहत महिलाओं के खिलाफ सबसे ज्यादा 31.4 फीसदी जुर्म पति या उसके रिश्तेदारों की क्रूरता किए जाने के थे। इसके बाद अपहरण के 19.2 फीसदी, शील भंग करने के इरादे से महिलाओं पर हमले के 18.7 फीसदी और दुष्कर्म के 7.1 फीसदी मामले रहे। एनसीआरबी के मुताबिक पिछले साल देश में जितने मामले सामने आए उनमें से 2, 23, 635 यानी 50 फीसदी उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश में दर्ज किए गए। उत्तर प्रदेश में 2021 में महिला अपराध के 56, 083 और और 2020 में 49, 385 मामले दर्ज किए थे। इसके बाद राजस्थान (40, 738 और 34, 535), महाराष्ट्र (39, 526 और 31, 954), पश्चिम बंगाल (35, 884 और 36, 439) और मध्य प्रदेश (30, 673 और 25, 640) रहे थे।

भारत में वर्षो से महिला सुरक्षा से जुड़े कई कानून बने है। इसमें हिंदू विडो रीमैरिज एक्ट 1856, इंडियन पीनल कोड 1860, मैटरनिटी बेनिफिट एक्ट 1861, क्रिस्चियन मैरिज एक्ट 1872, मैरिड वीमेन प्रॉपर्टी एक्ट 1874, चाइल्ड मैरिज एक्ट 1929, स्पेशल मैरिज एक्ट 1954, हिन्दू मैरिज एक्ट 1955, फॉरेन मैरिज एक्ट 1969, इंडियन डाइवोर्स एक्ट 1969, मुस्लिम वुमन प्रोटेक्शन एक्ट 1986, नेशनल कमीशन फॉर वुमन एक्ट 1990, सेक्सुअल हर्रास्मेंट ऑफ वुमन एट वर्किंग प्लेस एक्ट 2013 आदि। इसके अलावा 7 मई 2015 को लोक सभा ने और 22 दिसम्बर 2015 को राज्य सभा ने जुवेनाइल जस्टिस बिल में भी बदलाव किया है। इसके अन्तर्गत यदि कोई 16 से 18 साल का किशोर जघन्य अपराध में लिप्त पाया जाता है तो उसे भी कठोर सजा का प्रावधान है।

राष्ट्रीय महिला आयोग की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक 2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले में उत्तर प्रदेश सबसे आगे रहा। राष्ट्रीय महिला आयोग की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक देश भर से पूरे साल में महिलाओं के खिलाफ अपराध की 28, 811 शिकायतें मिलीं। इसमें 16 हजार से ज्यादा मामले उत्तर प्रदेश राज्य से आए हैं। आंकड़े हैरान कर देने वाली हैं। क्योंकि आयोग में ये शिकायत गरिमा के अधिकार कैटेगरी के अंतर्गत दर्ज किया गया है। इसके बाद दूसरे नंबर पर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 2, 411 मामले दर्ज किए गए। महाराष्ट्र में 1, 343, बिहार में 1, 312 और मध्य प्रदेश में 1, 165 इतने मामले दर्ज किए गए हैं।

2023 के 12 महीने बाद जारी किए गए इस रिपोर्ट में महिलाओं के प्रति हो रहे अपराध में दहेज उत्पीड़न और दुष्कर्म जैसे अपराध दर्ज किए गए हैं। राष्ट्रीय महिला आयोग की यह रिपोर्ट महिलाओं के प्रति पुलिस की उदासीनता दिखाती है। आंकड़ों के मुताबिक देश भर में यौन उत्पीड़न के 805 मामले, साइबर अपराध के 605 मामले, पीछा करने की 472 मामले और सम्मान से जुड़े अपराध के खिलाफ 409 शिकायतें दर्ज कराई गईं। आंकड़ों के मुताबिक, महिलाओं के खिलाफ अपराधों में बलात्कार के मामले भी शामिल हैं। साल 2023 में बलात्कार और बलात्कार के प्रयास के 1, 537 मामले दर्ज किए गए। इसके बाद गरिमा के अधिकार के तहत 8, 540, घरेलू हिंसा के 6, 274, दहेज उत्पीड़न के 4, 797, छेड़छाड़ के 2, 349, और महिलाओं के प्रति पुलिस की उदासीनता के 1, 618 मामले दर्ज किए गए।

2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले 2022 की तुलना में कम हुए हैं। 2022 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 30, 864 मामले दर्ज किए गए थे। जबकि 2023 में यह संख्या घटकर 28, 278 हो गई। यह एक सकारात्मक संकेत है लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। साल 2022 के बाद से शिकायतों की संख्या में कमी देखी गई है। जब 30, 864 शिकायतें प्राप्त हुई थी, जो 2014 के बाद से सर्वाधिक आंकड़ा था। जहां तक बात महिलाओं की सुरक्षा की आती है तो पिछले कुछ वर्षों में भारत ने अभूतपूर्व निर्णयों से महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई प्रबंध किये हैं। आज भारत में महिलायें पहले की अपेक्षा ज्यादा सुरक्षित है।

हम एक तरफ महिलाओं को हर क्षेत्र में बराबरी का दर्जा देकर उन्हे आगे बढ़ा रहें है। वहीं दूसरी तरफ उनके साथ अत्याचार की घटनाओं में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही है। आये दिन हमें महिलाओं के साथ बलात्कार, दुर्व्यवहार होने की घटनाये सुनने को मिलती रहती है। ऐसी घटनाओं से महिला सशक्तिकरण के अभियान को धक्का लगता हैं। देश में महिलाओं के प्रति खराब होते माहौल को बदलने की जिम्मेदारी सिर्फ सरकार की ही नहीं अपितु हर आम आदमी की भी है।

सत्ता पोस्टर से नहीं काम से मिलता है

-संजय गोस्वामी-

बिहार में पोस्टर के जरिए नेताओं पर वार पलटवार आए दिन होता रहता है। एक बार फिर मंगलवार को आरजेडी ने पोस्टर के जरिए सीएम नीतीश कुमार पर निशाना साधा है। पोस्ट पर लिखा है, बुड्ढे सीएम नीतीश नहीं चाहिए, युवाओं को दौर है युवा नेता चाहिए। इन पोस्टर में बूढ़े नेता में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी, गृह मंत्री श्री अमित शाह जी व बिहार के मुख्य मंत्री श्री नीतीश कुमार की तस्वीर लगाई गई है, क्योंकि उनका समीकरण बिगड़ते दिख रहा है वहीं युवा नेता में तेजस्वी यादव बिहार में जद(यू) अगले विधानसभा चुनाव तक पुरी मजबूती से टिके रहेगी इसका कारण यह है की बिहार का राजनीति समीकरण ऐसा है कि वहाँ मुख्य रूप से तीन पार्टी है जो इस प्रकार है बीजेपी, आरजेडी व जद (यू) जब भी कोई दो पार्टी मिलती है तभी सरकार बनती है वहाँ का जातियों का समीकरण ही कुछ इसी तरह का है बीच में लोजपा भी है और जो दो गुटों में है वो भी इधर मजबूत हो रही है और खासकर लोजपा (रामविलास) के प्रमुख केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान जो किसी का भी खेल बिगाड़ सकती है क्योंकि वहाँ जीत का मार्जिन बहुत ही कम वोटो के अंतर से होता है और बीजेपी 2015 के विधानसभा में अपने कुछ छोटी छोटी सहयोगी पार्टियों के सहारे केवल 55सीट पर सिमट गई थी और जद (यू) व आरजेडी को 71 व 80सीट मिले थे बिहार के मुख्यमंत्री को इतनी आसानी से समझना किसी के बस की बात नहीं है यदि कहीं वो फिर से पाला बदलेंगे तो बीजेपी अपने दम पर सरकार नहीं बना सकती है क्योंकि आज भी मुख्य मंत्री नीतीश कुमार का अच्छा जनाधार है एक बार जब जद (यू) व आरजेडी का गठबंधन बना था तो मैं रिक्शा से रिक्शावाला से पूछा कि क्या भाई आप किस को वोट दे रहें हैं कहा देना तो था लालूजी को लेकिन जब गठबंधन बना है तो जद (यू) को ही सब मिलकर वोट करेंगे अतः जब तक नीतीश कुमार मुख्यमंत्री के रूप में हैं तो ऐसे में बीजेपी कोई भी रिस्क लेना नहीं चाहेगी वहाँ अभी भी बाहुबली का राज है तभी तो लोकसभा में जेल से पेरोल पर चुनाव में बुलाया गया और बीजेपी भी जद (यू) को तोड़ने का कोई प्रयास नहीं करेगी क्योंकि अगर उसे तोड़ दी तो उसी का नुकसान हो सकता है क्योंकि बाहुबली सब आरजेडी या निर्दलीय चुनाव लड़ कर एक अच्छा वोट बैंक ला सकती है नीतीश कुमार पाला बदलने में माहिर हैं इसलिए इन सब बदलाव पर कुछ बोल नहीं रहें है लेकिन पर्दे के पीछे उन्हें भी पार्टी के बारे में मालूम हो रहा होगा चूंकि केंद्र में बीजेपी को पूर्ण बहुमत नहीं है और सरकार एनडीए की है अतः कोई भी रिस्क नहीं लेना चाहेगी क्योंकि श्री नीतीश कुमार जब सारा विपक्ष को एक कर दी थी ऐ सही बात है कि इंडिया गठबंधन के लोगों ने उन्हें भाव नहीं दिया और पाला बदलकर पुनः एनडीए में शामिल हो गए नीतीश कुमार को जब लगा कहीं जद(यू) में टूट होकर कहीं पीएम के चक्कर में सीएम की कुर्सी भी तेजस्वी को ना चला जाए तो प्रधानमंत्री मोदीजी के पास अन्य लोगों के माध्यम से लोकसभा चुनाव हेतु लगा कि जद (यू) की सीट आरजेडी और कॉंग्रेस व अन्य के साथ गठबंधन से 4 से 5 सीट से ज्यादा नहीं मिलेगा और ऐसे में जद(यू) का वजूद ना खत्म हो जाए तभी बीजेपी को भी लगा अकेले अधिक सीट मिलना मुश्किल है तो एनडीए में जद(यू) प्रधान मंत्री श्री मोदीजी के कहने पर ही शामिल हो गई और उसे सम्मानजनक सीट मिला और आरजेडी देखते रह गई और एनडीए ने चिराग और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी को मिलकर चुनाव लड़े और बिहार के 35 सीट में से एनडीए को बिहार में 40 सांसदों के चुनाव में। बीजेपी, 17. जद (यू), 16, .एलजेपी, 6 हम 1सीट, आरएलएम यानि एन डी ए ने कुल 40 सीट पर उम्मीदवार उतारा और जिसमें से बीजेपी, 12 जद (यू), 12, .एलजेपी, 5 और हम 1सीट यानि कुल 30 सीट झटक लिए जिसमें जद यू को 16 में से 12सीट मिला कुछ सीटों पर बहुत टफ फाइट था कुछ मुस्लिम बाहुल्य इलाका है जहाँ जद (यू) सीट लेती है अतः नीतीश कुमार जब तक हैं पार्टी आराम से चलेगी क्योंकि बीजेपी में स्व सुशील मोदी जैसा कोई चेहरा नहीं जो सीट ले सके और जनाधार नीतीश कुमार जैसा नहीं है जंगलराज से बिहार को बाहर लाने में जिस तरह नीतीश कुमार ने बिहार को निकाला है वैसे में जद(यू) के अस्तित्व पर फिलहाल कोई खतरा नहीं दिख रहा है अब जब पुल के बारे में एनडीए में बीजेपी कुछ नहीं बोलती है तो उनके राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ के सी त्यागी को भी सोच समझ कर बोलना चाहिए खासकर उससमय जब चुनाव परिणाम के बाद सब की धड़कन रूकी थी तभी उनका बयान आता है कि श्री नीतीश कुमार को पीएम पद का ऑफर मिला था और तभी तेजस्वी यादव उसका मजाक उड़ाते नजर आते हैं ऐसे में पार्टी के अंदर लगता है अनर्थ हो रहा है अब जब श्री ललन सिंह जद यू के कैबिनेट मंत्री बन गए और विपक्ष का संसद में मुँह बन्द कर देते हैं वैसा तालमेल की कमी पार्टी को लगी होगी और फिर अग्निवीर और जातीय जनगणना पर बेबजह बोलने लगते हैं तो विरोधाभास होने लगता है जंगल त्याग खत्म तो बिहार से लगभग खत्म हो गया लेकिन बाहुबली का दबदबा अभी भी बिहार में है ऐसे में बीजेपी टिकट देकर अपनी छवि खराब नहीं करना चाहेगी और बिहार में जब ढेरों परियोजना का एनडीए द्वारा शुभारम्भ हुआ है तो सत्ता भी नहीं जाने देगी औ? जद(यू) के साथ से ही केंद्र व राज्य में भी एनडीए सरकार को बनाए रखना चाहेगी भले ही अगले मुख्य मंत्री श्री नीतीश कुमार को लेकर ही एनडीए में कोई चेहरा सामने हो उम्र से किसी नेता की परिपक़्यता का पता लगाना मुश्किल है मोदीजी के सेहत को देखकर कोई उम्र के बारे में बात करना बिल्कुल गलत है और श्री अमित शाह जी और नीतीश कुमार का उम्र ही उनको जीत दिलाता है क्योंकि बिहार को कागजी शेर व अभद्र भाषा बोलने वाला युवक नहीं चाहिए, जो सटे और फिर जंगल राज का पुनः आगमन होगा क्योंकि रोजगार हेतु इन्वेस्टमेंट करना जरुरी इसलिए आज भी नीतीश कुमार को यदि स्व सुशील मोदीजी का साथ मिला होता तो वह उनके बारे में बताते दुर्भाग्य से वो इस दुनिया में नहीं हैं लेकिन एक समय था जब जंगल राज में कोई सामने से गर्दन काट देता, रंगदारी टैक्स ना देने से रात में क्या दिन में घर के बाहर निकलना मुश्किल था लेकिन सबको रास्ते पर लाकर विकास बहुत तेजी से हुआ और एनडीए ही बिहार में अच्छा प्रशासन दे सकता है अतः बोलने में क्या जाता है लेकिन जिस भाषा की भाषा में बोलने और गमछा हिलाने से ही मालूम हो जाता है कि आखिर मंशा क्या है ऐ सही नहीं लगता खुब उछलना इससे आपकी ओझी राजनीति का पता चलता है एक्सपीरियंस नेता कभी मायक पर इस तरह की बातें नहीं करते हैं अमेरिका में भी तो जो वायडेन की उम्र 80साल थी लेकिन कितना दम था बम और गोले की बरसात करने में नहीं पता है तो इजराइल और यूक्रेन में जगह जगह जाकर देख लीजियेगा और अभी 78साल की उम्र में ट्रम्प ने राष्ट्रपति जैसे ही सत्ता संभाली वैसे ही पुरे यूरोप में जोश ठंडा दिख रहा है लोजपा के प्रमुख स्व रामविलास पासवान जो 73 साल से अधिक थे केंद्र में मंत्री बने और फिर उनका भाई पशुपति पारस की उम्र भी 73से ऊपर दिखती है अभी हम से जीतन राम मांझी कैबिनेट मंत्री हैं उनकी उम्र 80 साल है अनुभव है ऐ तो जनता तय करेगी स्व अटलजी की उम्र भी 75से उपर थी जब सत्ता संभाले थे और उम्र उनके लिए मायने नहीं था देश मायने था वैसे ही पूर्व राष्ट्रपति अबुल कलाम थे जो देश को विज्ञान के फील्ड में आत्मनिर्भर बनाया, ये इसतरह से खुद ही अपने पेड़ की डाली को काट रहें हैं लोकतान्त्रिक देश में उम्र अधिकतम की कोई सीमा नहीं है जनता जिसे चुने वही शासन करने के काबिलियत रखता है अभी जब मोदीजी बिहार के चुनाव में भाषण देंगे तो मालूम होगा किस तरह से सारा खेल ही खत्म कर देंगे क्योंकि महिलाओ पर आज सबसे ज्यादा भरोसा है तो माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी में, क्योंकि उनके पास बोलने के लिए नहीं कर कर दिखाने के लिए ज्यादा होता है अतः ऐसे में युवाओ में पढ़े लिखें तो बिलकुल पसंद नहीं करेंगे साथ साथ बुजुर्ग अगर चुनाव में आ गए तो बहुत बुरा हो सकता है जो हाल के लोकसभा के चुनाव से पता चला होगा

बिहार में इन्वेस्टमेंट हो औ? रोजगार मिल सके। यही बहुत जरुरी है बिहार में जद(यू) अगले विधानसभा चुनाव तक पुरी मजबूती से टिके रहेगी इसका कारण यह है की बिहार का राजनीति समीकरण ऐसा है कि वहाँ मुख्य रूप से तीन पार्टी है जो इस प्रकार है बीजेपी, आरजेडी व जद (यू) जब भी कोई दो पार्टी मिलती है तभी सरकार बनती है वहाँ का जातियों का समीकरण ही कुछ इसी तरह का है बीच में लोजपा भी है और जो दो गुटों में है वो भी इधर मजबूत हो रही है और खासकर लोजपा (रामविलास) के प्रमुख केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान जो किसी का भी खेल बिगाड़ सकती है क्योंकि वहाँ जीत का मार्जिन बहुत ही कम वोटो के अंतर से होता है और बीजेपी 2015 के विधानसभा में अपने कुछ छोटी छोटी सहयोगी पार्टियों के सहारे केवल 55सीट पर सिमट गई थी और जद (यू) व आरजेडी को 71 व 80सीट मिले थे बिहार के मुख्यमंत्री को इतनी आसानी से समझना किसी के बस की बात नहीं है यदि कहीं वो फिर से पाला बदलेंगे तो बीजेपी अपने दम पर सरकार नहीं बना सकती है क्योंकि आज भी मुख्य मंत्री नीतीश कुमार का अच्छा जनाधार है एक बार जब जद (यू) व आरजेडी का गठबंधन बना था तो मैं रिक्शा से रिक्शावाला से पूछा कि क्या भाई आप किस को वोट दे रहें हैं कहा देना तो था लालूजी को लेकिन जब गठबंधन बना है तो जद (यू) को ही सब मिलकर वोट करेंगे अतः जब तक नीतीश कुमार मुख्यमंत्री के रूप में हैं तो ऐसे में बीजेपी कोई भी रिस्क लेना नहीं चाहेगी वहाँ अभी भी बाहुबली का राज है तभी तो लोकसभा में जेल से पेरोल पर चुनाव में बुलाया गया और बीजेपी भी जद (यू) को तोड़ने का कोई प्रयास नहीं करेगी क्योंकि अगर उसे तोड़ दी तो उसी का नुकसान हो सकता है क्योंकि बाहुबली सब आरजेडी या निर्दलीय चुनाव लड़ कर एक अच्छा वोट बैंक ला सकती है नीतीश कुमार पाला बदलने में माहिर हैं इसलिए इन सब बदलाव पर कुछ बोल नहीं रहें है लेकिन पर्दे के पीछे उन्हें भी पार्टी के बारे में मालूम हो रहा होगा चूंकि केंद्र में बीजेपी को पूर्ण बहुमत नहीं है और सरकार एनडीए की है अतः कोई भी रिस्क नहीं लेना चाहेगी क्योंकि श्री नीतीश कुमार जब सारा विपक्ष को एक कर दी थी ऐ सही बात है कि इंडिया गठबंधन के लोगों ने उन्हें भाव नहीं दिया और पाला बदलकर पुनः एनडीए में शामिल हो गए नीतीश कुमार को जब लगा कहीं जद(यू) में टूट होकर कहीं पीएम के चक्कर में सीएम की कुर्सी भी तेजस्वी को ना चला जाए तो प्रधानमंत्री मोदीजी के पास अन्य लोगों के माध्यम से लोकसभा चुनाव हेतु लगा कि जद (यू) की सीट आरजेडी और कॉंग्रेस व अन्य के साथ गठबंधन से 4 से 5 सीट से ज्यादा नहीं मिलेगा और ऐसे में जद(यू) का वजूद ना खत्म हो जाए तभी बीजेपी को भी लगा अकेले अधिक सीट मिलना मुश्किल है तो एनडीए में जद(यू) प्रधान मंत्री श्री मोदीजी के कहने पर ही शामिल हो गई और उसे सम्मानजनक सीट मिला और आरजेडी देखते रह गई और एनडीए ने चिराग और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी को मिलकर चुनाव लड़े और बिहार के 35 सीट में से एनडीए को बिहार में 40 सांसदों के चुनाव में।

बीजेपी, 17. जद (यू), 16, .एलजेपी, 6 हम 1सीट, आरएलएम यानि एन डी ए ने कुल 40 सीट पर उम्मीदवार उतारा और जिसमें से बीजेपी, 12 जद (यू), 12, .एलजेपी, 5 और हम 1सीट यानि कुल 30 सीट झटक लिए जिसमें जद यू को 16 में से 12सीट मिला कुछ सीटों पर बहुत टफ फाइट था कुछ मुस्लिम बाहुल्य इलाका है जहाँ जद (यू) सीट लेती है अतः नीतीश कुमार जब तक हैं पार्टी आराम से चलेगी क्योंकि बीजेपी में स्व सुशील मोदी जैसा कोई चेहरा नहीं जो सीट ले सके और जनाधार नीतीश कुमार जैसा नहीं है जंगलराज से बिहार को बाहर लाने में जिस तरह नीतीश कुमार ने बिहार को निकाला है वैसे में जद(यू) के अस्तित्व पर फिलहाल कोई खतरा नहीं दिख रहा है अब जब पुल के बारे में एनडीए में बीजेपी कुछ नहीं बोलती है तो उनके राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ के सी त्यागी को भी सोच समझ कर बोलना चाहिए खासकर उससमय जब चुनाव परिणाम के बाद सब की धड़कन रूकी थी तभी उनका बयान आता है कि श्री नीतीश कुमार को पीएम पद का ऑफर मिला था और तभी तेजस्वी यादव उसका मजाक उड़ाते नजर आते हैं ऐसे में पार्टी के अंदर लगता है अनर्थ हो रहा है अब जब श्री ललन सिंह जद यू के कैबिनेट मंत्री बन गए और विपक्ष का संसद में मुँह बन्द कर देते हैं वैसा तालमेल की कमी पार्टी को लगी होगी और फिर अग्निवीर और जातीय जनगणना पर बेबजह बोलने लगते हैं तो विरोधाभास होने लगता है जंगल त्याग खत्म तो बिहार से लगभग खत्म हो गया लेकिन बाहुबली का दबदबा अभी भी बिहार में है ऐसे में बीजेपी टिकट देकर अपनी छवि खराब नहीं करना चाहेगी और बिहार में जब ढेरों परियोजना का एनडीए द्वारा शुभारम्भ हुआ है तो सत्ता भी नहीं जाने देगी और जद(यू) को संजीवनी देकर एनडीए सरकार को बनाए रखना चाहेगी ताकि बिहार में इन्वेस्टमेंट हो और रोजगार मिल सके और श्री लालू यादव का दबदबा खत्म हो क्योंकि चुनाव में प्रधानमंत्री को अभद्र भाषा का ऐसा इस्तेमाल हुआ कि मोदी का परिवार लगाना पड़ा।

पंजाब-किसानों का उबाल दमन नहीं, संवाद से थमेगा

-ललित गर्ग-

पंजाब में आम आदमी पार्टी की नाकामयाबियां, अप्रभावी प्रशासन कौशल, असंवाद, हठधर्मिता एवं दमनात्मक कदमों से अराजकता एवं अशांति का वातावरण उग्र से उग्रतर होता जा रहा है। ऐसा प्रतीत होता है आप सरकार के पाप का घड़ा भर चुका है, जनता, किसान एवं अधिकारी सभी कोई त्रस्त एवं परेशान है। इसकी निष्पत्ति के रूप में सामने आ रहा है किसानों का आन्दोलन एवं आम जनता का अंतोष। ये वे ही किसान है जिनको भड़काकर, गुमराह करके एवं गलत दिशाओं में धकेल कर ह्यआपह्ल पार्टी के संयोजक अरविन्द केजरीवाल ने केन्द्र सरकार के सामने जटिल स्थितियां पैदा की, दिल्ली की जनता का सुख-चैन छीना था एवं खुद किसानों का मसीहा बनने का प्रयास किया था। अब उन्हीं किसानों की समस्याओं को सुनने की बजाय उन पर सख्त दमनात्मक कदम उठाये जा रहे हैं। नौ सौ चूहे खाय बिल्ली हज को चली कहावत को चरितार्थ करने वाली ह्यआपह्ल सरकार के लिये पंजाब एक जटिल समस्या एवं चुनौती बनकर खड़ी है। जैसी करनी वैसी भरनी-यही हश्र हो रहा है आप सरकार की कथनी और करनी में फर्क की राजनीति का। पंजाब की आप सरकार पहले किए गए कई चुनावी वादों को पूरा करने नाकाम रही है, हालांकि, नाटकीयता के प्रति उसकी प्रवृत्ति के अलावा, सभी चुनावी वादे एवं घोषणाएं काफी हद तक असफल रही है। पंजाब में मान सरकार के खिलाफ नाराज किसानों ने मोर्चा खोल दिया है, ह्लचंडीगढ़ चलो मार्चह्ल के लिए कूच करने वाले किसानों को भले ही पुलिस ने रोक दिया, चंडीगढ़ की सभी सीमाओं पर पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रखी हो और भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया हो। लेकिन बातचीत की बजाय ऐसे दमनात्मक तरीकों से किसान अधिक भडकेंगे। सवाल यह है कि कृषि प्रधान राज्य क्या किसानों के हितों की अनदेखी कर सकता है?

पंजाब में हालात अनियंत्रित, जटिल, अराजक एवं अशांत होते जा रहे हैं। भारतीय किसान यूनियन के एक घटक द्वारा चंडीगढ़ में नये सिरे से आंदोलन शुरू करने की चेतावनी के बाद पुलिस-प्रशासन की सख्ती से बुधवार को सामान्य जीवन व यातायात बुरी तरह से प्रभावित हुआ। चंडीगढ़ से लगते इलाकों में पुलिस के अवरोधों के चलते वाहन घंटों जाम में फंसे रहे। जिन हालातों को दिल्ली की जनता ने लम्बे समय तक झेला, वे ही हालात अब पंजाब के हो रहे हैं। पुलिस आंदोलनकारियों से निबटने के लिये सख्त एवं आक्रामक बनी रही और कई किसान नेताओं को गिरफ्तार किया गया। चंडीगढ़ के अनेक प्रवेश मार्गों को सील किया गया था और भारी संख्या में सुरक्षा बलों को तैनात किया गया था। सवाल उठाया जा रहा है कि ह्यआपह्ल सरकार की यह सख्ती क्या हताशा का पर्याय है या समस्याओं से निपटने में उसकी नाकामी को दशार्ता है? बड़ी-बड़ी आदर्श की बातें करने वाली आप पार्टी का दोगला चरित्र ही उजागर हो रहा है। भगवंत मान के नेतृत्व वाली आप पार्टी की सरकार, जिसे कभी बदलाव का अग्रदूत एवं जन-जन का सच्चा हितैषी माना जाता रहा है, अब खुद को प्रमुख हितधारकों- किसानों, राजस्व अधिकारियों और नौकरशाही के साथ उलझी हुई पा रही है। ऐसे में सवाल उठता है कि किसानों का सबसे बड़ी हितैषी मानने वाली सरकार आज किसानों की दुश्मन कैसे हो गयी? कृषिभूमि पंजाब को कैसे अशांत होने दिया जा रहा है?

आप सरकार द्वारा जिस तरह से लंबे समय से आंदोलनरत किसानों की मांगों के प्रति उदासीनता एवं उपेक्षा दशार्यी जा रही है, उससे किसानों की लोकतांत्रिक भागीदारी को लेकर चिंताएं पैदा होती हैं। निश्चित रूप से किसी भी लोकतांत्रिक आंदोलन के दमन से सामाजिक विभाजन और संघर्ष की स्थितियां ही गहराती है, आन्दोलन एवं विद्रोह भावना भड़कती है। दरअसल, पंजाब का संकट सिर्फ हड़ताली अधिकारियों या फिर विरोध करने वाले किसानों को लेकर ही नहीं है। यह असंतोष शासन के दोगलेपन, रीति-नीतियों, झूठे आश्वासनों एवं छलपूर्ण कार्यप्रणाली से जुड़ा है। ये स्थितियां न केवल किसान आंदोलनकारियों से सहज संवाद की कला को खोती हुई प्रतीत हो रही है, बल्कि जिसने पंजाब को नशे का जंगल बना दिया है, आतंकवाद को पनपने दिया एवं महिलाओं को नाराज किया है। निश्चित रूप से अपने राज्य के लोगों के साथ सख्ती का व्यवहार एवं झूठे वायदों ने तंत्र की नाकामी को ही उजागर करता है। निर्विवाद रूप से निराशाजनक वातावरण को यथाशीघ्र दूर करने के प्रयास किए जाने चाहिए, अन्यथा पंजाब की अशांति एवं अराजकता प्रांत को न केवल आर्थिक मोर्चे पर बल्कि सुशासन के मोर्चे पर धराशाही कर देगी।

NCR समाचार
संपादकीय कार्यालय
जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार
प्रात: 9:00 से सायं 9:00
फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

एक नजर

मुर्मु ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर दीं शुभकामनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर शुभकामनाएं दी हैं। श्रीमती मुर्मु ने शुक्रवार को अपने संदेश में कहा, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मैं सभी बहनों और बेटियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ देती हूं। उन्होंने कहा, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस स्त्री-शक्ति की उपलब्धियों और देश तथा समाज में उनके अप्रतिम योगदान को सम्मानित करने का अवसर है। महिलाएं परिवार का आधार होने के साथ-साथ समाज और राष्ट्र की नींव भी होती हैं। महिलाओं ने प्रतिकूल परिस्थितियों में चुनौतियों का सामना करते हुए भी जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। राष्ट्रपति ने कहा, महिलाओं की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में अधिक सुधार लाने के लिए अभी बहुत कुछ किया जाना शेष है। आइए, हम सब मिलकर एक ऐसा समाज बनाने का संकल्प लें जहां प्रत्येक महिला सुरक्षित महसूस करे और उसे आगे बढ़ने के समान अवसर मिलें। मैं सभी महिलाओं को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई देती हूं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हूं।

ललित मोदी के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही जारी रहेगी : सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने आज स्वीकार किया कि भगोड़े आर्थिक अपराधी ललित मोदी ने प्रशांत महासागर के द्वीपीय देश वानुआतु की नागरिकता ले ली है और कहा कि ललित मोदी के खिलाफ आर्थिक अपराध के मामलों पर कार्यवाही जारी रहेगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने ललित मोदी की नागरिकता के बारे में पूछे जाने पर कहा कि ललित मोदी ने लंदन स्थित भारत के उच्चायोग में अपना पासपोर्ट समर्पण करने के लिए आवेदन किया है। उन्होंने कहा कि पासपोर्ट जमा करने के मौजूदा नियमों और प्रक्रियाओं के आलोक में इसकी जांच की जाएगी। श्री जायसवाल ने कहा कि हमें यह भी जानकारी मिली है कि ललित मोदी ने वानुआतु की नागरिकता हासिल कर ली है। लेकिन हम अपने कानून के तहत आवश्यकतानुसार उनके खिलाफ आर्थिक अपराध के मामले को आगे बढ़ाना जारी रखेंगे।

नमामी गंगे कार्यक्रम का कार्यकाल एक साल बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने अपनी महत्वकांक्षी योजना नमामी गंगे कार्यक्रम-एनजीपी को एक साल आगे खिसकाते हुए अगले वर्ष मार्च तक बढ़ा दिया है। जल शक्ति मंत्रालय ने यह जानकारी देते हुए शुक्रवार को बताया कि सरकार ने गंगा तथा उसकी सहायक नदियों के संरक्षण के लिए जून 2014 में नमामि गंगे कार्यक्रम एक एकीकृत संरक्षण मिशन की शुरूआत की थी। सरकार ने 20,000 करोड़ रुपये के बजट परिव्यय के साथ इसे महत्वाकांक्षी कार्यक्रम के रूप में अनुमोदित किया था और इसका उद्देश्य गंगा के प्रदूषण में प्रभावी कमी लाना और इसका संरक्षण करना था।

संयुक्त किसान मोर्चा ने पंजाब की भगवंत मान सरकार के खिलाफ आंदोलन का फैसला लिया

सीएम मान सहित 'आप' के हर विधायक का घर घेरेंगे किसान

- किसान नेताओं का कहना है कि भगवंत मान ने सही से बात नहीं की और जिस तरह से मीटिंग छोड़कर निकल गए। वह ठीक नहीं था

चंडीगढ़, एजेंसी। किसानों को चंडीगढ़ जाने से रोकने पर पंजाब के संगठनों में रोष व्याप्त हो गया है। अब तक केंद्र सरकार के खिलाफ ही मोर्चा खोलने वाले संयुक्त किसान मोर्चा ने पंजाब की भगवंत मान सरकार के खिलाफ आंदोलन का फैसला लिया है। भारतीय किसान यूनियन (लाखोवाल) के नेता हरिंदर सिंह लाखोवाल ने अब भगवंत मान सरकार के सभी विधायकों के घरों का घेराव करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि हम 10 मार्च को पूरे प्रदेश में आम आदमी पार्टी के विधायकों के घरों का घेराव करेंगे। उन्होंने कहा कि आगे के आंदोलन को लेकर भी हम रणनीति बना रहे हैं। किसान नेताओं का कहना है कि भगवंत मान ने सही से बात नहीं की और जिस तरह से मीटिंग छोड़कर निकल गए। वह ठीक नहीं था।

लाखोवाल ने कहा कि सरकार से असहमति जताने के लिए AAP के सभी विधायकों के घरों के बाहर धरना दिया जाएगा। ये धरने 10 मार्च को सुबह 10 से दोपहर तक 3 बजे तक दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस संबंध में जल्दी ही एक ऐक्शन प्लान तैयार करेंगे। इसके अलावा 15 मार्च को चंडीगढ़ स्थित सीएम भगवंत मान के घर का भी घेराव किया जाएगा। लाखोवाल ने कहा, हम इस बात पर मंथन कर रहे हैं कि कैसे अपने आंदोलन को आगे बढ़ाया जाए। हम 15 मार्च को सीएम भगवंत मान को चर्चा में शामिल होने के लिए आमंत्रित करेंगे। यदि वह उस दिन उपलब्ध नहीं हैं तो फिर अपनी सुविधा के अनुसार कोई और तारीख बता सकते हैं।

उन्होंने कहा कि भगवंत मान ने हाल ही में किसानों से मीटिंग की थी, लेकिन उसका कोई नतीजा नहीं निकला। इसकी वजह यह थी कि भगवंत मान ने मीटिंग ही आधे में छोड़ दी और किसानों की मांगों को लेकर दिलचस्पी नहीं दिखाई। लाखोवाल ने कहा कि भगवंत मान का रुख ही ऐसा था कि किसानों के पास सड़कों पर उतरने के अलावा दूसरा कोई विकल्प नहीं बचा। इस बीच 5 मार्च को हिरासत में लिए गए उन सभी किसानों को रिहा कर दिया गया है, जिन्हें चंडीगढ़ जाने के दौरान पुलिस ने पकड़ा था। बता दें कि पंजाब में किसान भूमिहीन खेतिहर मजदूरों को जमीन देने और किसानों के कर्ज माफ करने की मांग कर रहे हैं। इसके अलावा भूमि अधिग्रहण के नियमों को लेकर भी मांगें हैं, लेकिन अब तक राज्य सरकार से चर्चा में कोई नतीजा नहीं निकला है।

किसानों के साथ वार्ता छोड़कर भाग एग थे मुख्यमंत्री भगवंत मान

किसानों की मांगों पर चर्चा के लिए पंजाब सरकार और संयुक्त किसान मोर्चा (SKM) के नेताओं के बीच वार्ता बीच में ही टूट गई थी। किसान नेताओं ने दावा किया कि (पंजाब के) 'नाराज' मुख्यमंत्री भगवंत मान बिना किसी उकसावे के बैठक से चले गए। हालांकि, मान ने कहा कि किसानों से बातचीत के लिए उनके दरवाजे हमेशा खुले हैं, लेकिन आंदोलन के नाम पर जनता के लिए असुविधा और परेशानी खड़ी करने से बचा जाना चाहिए। मुख्यमंत्री के साथ दो घंटे तक चली बैठक बेनतीजा रहने के बाद रङट के नेताओं ने पांच मार्च से यहां एक सप्ताह तक धरना देने की अपनी योजना पर आगे बढ़ने की घोषणा की। पंजाब सरकार ने एसकेएम नेताओं को उनके नियोजित विरोध प्रदर्शन से पहले यहां पंजाब भवन में मुख्यमंत्री के साथ बैठक के लिए आमंत्रित किया था।

एक बयान में मान ने कहा कि सरकार समाज के विभिन्न वर्गों से संबंधित मुद्दों को बातचीत के माध्यम से हल करने के लिए हमेशा तैयार है तथा रेल या सड़क अवरोधों के माध्यम से आम आदमी के लिए परेशानी खड़ी करने से बचा जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस तरह की कार्रवाइयों से आम जनता को परेशानी होती है, जिसके कारण वे आंदोलनकारियों के खिलाफ हो जाते हैं, जिससे समाज में मतभेद पैदा होता है।

मान ने यह भी कहा कि हालांकि विरोध प्रदर्शन किसानों का लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन उन्हें यह भी सोचना चाहिए कि इससे राज्य को कितना बड़ा नुकसान हो सकता है।

अल्पसंख्यकों के विरुद्ध अपराध रोके बंगलादेश : भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने बंगलादेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था पर चिंता जताई है तथा एक ऐसे स्थिर, शांतिपूर्ण, समावेशी और प्रगतिशील बंगलादेश के प्रति समर्थन एवं विकास सहयोग बढ़ाने की इच्छा का इजहार किया है जिसमें हिंदुओं सहित सभी अल्पसंख्यकों के साथ-साथ उनकी संपत्तियों एवं धार्मिक संस्थानों की रक्षा और हिंसक उन्मादियों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित हो।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज यहां नियमित ब्रीफिंग में बंगलादेश के बारे में पूछे गये सवालों के जवाब में यह बात कही। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा, 'हम एक स्थिर, शांतिपूर्ण, समावेशी और प्रगतिशील बंगलादेश का समर्थन करते हैं जिसमें सभी मुद्दों को लोकतांत्रिक तरीकों से और समावेशी और भागीदारी चुनाव आयोजित करके हल किया जाये। हम बिगड़ती कानून और व्यवस्था की स्थिति के बारे में चिंतित हैं, हिंसक चरमपंथियों की रिहाई से और अधिक बढ़ गए, जिन्हें गंभीर अपराधों के लिए सजा सुनाई गई थी।

अल्पसंख्यकों की सुरक्षा से जुड़े एक सवाल पर श्री जायसवाल ने कहा, 'हमने बार-बार रेखांकित किया है कि बंगलादेश की अंतरिम सरकार की जिम्मेदारी है कि वह हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के साथ-साथ उनकी संपत्तियों और धार्मिक संस्थानों की रक्षा करे। हालांकि, 5 अगस्त, 2024 से 16 फरवरी, 2025 तक 2374 से अधिक घटनाओं में से केवल 1254 घटनाओं की पुलिस द्वारा पुष्टि की गई है। इसके अलावा, इन 1254 घटनाओं में से 98 प्रतिशत घटनाओं को 'प्रकृति में राजनीतिक' माना गया था। हम उम्मीद करते हैं कि बंगलादेश इस तरह के बिना किसी भेदभाव के हत्याओं, आगजनी और हिंसा के सभी अपराधियों की पूरी तरह से जांच करेगा और न्याय के कटघरे में लाएगा। बंगलादेश के साथ विकास सहयोग के बारे में पूछे जाने पर प्रवक्ता ने कहा कि विकास सहयोग बंगलादेश के लोगों के साथ हमारे संबंधों का एक प्राथमिकता वाला क्षेत्र है। हाल की सुरक्षा स्थिति और लंबे समय से स्थानीय मुद्दों ने इनमें से कुछ परियोजनाओं के कार्यान्वयन की गति को प्रभावित किया है।

सड़क दुर्घटनाओं में 2030 तक 50 फीसदी की कमी लाने का लक्ष्य: नितिन गडकरी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को ग्लोबल रोड इंफ्राटेक समिट एंड एक्सपो (जीआरआईएस) में सड़क सुरक्षा को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य 2030 तक सड़क दुर्घटनाओं की दर में 50 प्रतिशत की कमी लाना है।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि भारत में 4,80,000 सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें 1,80,000 मौतें होती हैं और करीब 4,00,000 लोग गंभीर रूप से घायल होते हैं। इनमें 18-45 आयु वर्ग के लोग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं, खासकर दोपहिया वाहन सवार और पैदल यात्री। यहां पर गडकरी ने सड़क निर्माण कंपनियों को नई तकनीक अपनाने और सस्टेनेबल एवं रिसाइकल किए जाने वाली निर्माण सामग्री का उपयोग करने का सुझाव दिया।

उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं की बड़ी वजह खराब इंजीनियरिंग, अनुचित संकेतक और गलत सड़क डिजाइन है। उन्होंने स्पेन, ऑस्ट्रिया और स्विट्जरलैंड जैसे देशों से सीखकर भारत की सड़क सुरक्षा सुधारने पर जोर दिया।

जीडीपी पर असर और समाधान की अपील

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं से देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) को 3प्रतिशत का नुकसान होता है। उन्होंने इंजीनियरों और निर्माण कंपनियों से आह्वान किया कि वे बेहतर सड़क डिजाइन और मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करें ताकि दुर्घटनाओं को कम किया जा सके।

सरकार और इंडस्ट्री का सहयोग जरूरी

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सड़क सुरक्षा को बढ़ाने के लिए शिक्षा, जागरूकता और सुरक्षित ड्राइविंग आदतों को अपनाना बेहद जरूरी है। सरकार और निजी कंपनियों को मिलकर सुरक्षित इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण पर ध्यान देना होगा। ग्लोबल रोड इंफ्राटेक समिट एंड एक्सपो का आयोजन इनोवेशन को बढ़ावा देने, अत्याधुनिक समाधान पेश करने और सरकारी एवं निजी संगठनों के बीच ज्ञान और नेटवर्किंग के अवसर प्रदान करने के लिए किया गया। सरकार के इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को पूरा करने के लिए सड़क निर्माण कंपनियों, इंजीनियरों और आम जनता की भागीदारी बेहद जरूरी होगी।

मोदी ने सिलवासा में नमो अस्पताल का उद्घाटन किया

सिलवासा/नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को दादरा एवं नगर हवेली के सिलवासा में 2,587 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने नमो अस्पताल के पहले चरण का उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने कहा कि आज सिलवासा और केंद्र शासित प्रदेश को आधुनिक पहचान मिल रही है। यह ऐसा शहर है जहां हर जगह के लोग रहते हैं। यहां का महानगरीय मिजाज दिखाता है कि कैसे यहां बहुत तेजी से नए अवसरों का विकास हुआ है। दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव हमारे लिए सिर्फ केंद्र शासित प्रदेश नहीं हैं, बल्कि हमारा गौरव और विरासत हैं।

उन्होंने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव एक शिक्षा केंद्र के रूप में उभरे हैं। पहले मुझे यह देखकर खुशी होती थी कि यहां हिंदी, मराठी, अंग्रेजी और गुजराती सहित चार भाषाएं पढ़ाई का माध्यम हैं। अब मुझे इस बात पर गर्व है कि प्राथमिक और जूनियर स्कूलों में भी बच्चों को स्मार्ट कक्षाओं में शिक्षा मिल रही है। कई साल पहले मुझे यहां बहुत बार आने का अवसर मिलता था। सिलवासा और पूरा दादरा एवं नगर हवेली, दमन-दीव उस समय कितना अलग था। लोगों को भी लगता था कि समुद्र के किनारे इस छोटी सी जगह में क्या हो सकता है! लेकिन मुझे यहां के लोगों के सामर्थ्य पर भरोसा था, आप पर भरोसा था।

उन्होंने कहा कि 2014 में केंद्र में सरकार बनने के बाद हमारी सरकार ने इस भरोसे को शक्ति में परिवर्तित कर दिया, उसे आगे बढ़ाया। आज हमारा सिलवासा और यह प्रदेश एक आधुनिक पहचान के साथ उभर रहा है। सिलवासा एक ऐसा शहर बन चुका है जहां हर जगह के लोग रह रहे हैं। यहां का मिजाज बताता है कि दादरा एवं नगर हवेली में कितनी तेजी से नए अवसरों का विकास हुआ है। आज यहां 2.5 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की अनेक परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया गया है। इंफ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी, हेल्थकेयर, शिक्षा और टूरिज्म, यानी हर क्षेत्र से जुड़े ढेर सारे प्रोजेक्ट इस क्षेत्र के विकास को और गति देंगे। यहां नए अवसर पैदा होंगे। हम इस प्रदेश को एक ऐसा आदर्श प्रदेश बना रहे हैं, जो आपके समग्र विकास के लिए जाना जाए।

पीएम मोदी ने कहा कि वन नेशन, वन राशन कार्ड योजना से हर व्यक्ति को भोजन की गारंटी मिली है। जल जीवन मिशन से स्वच्छ जल सुनिश्चित हुआ है, जबकि भारतनेट ने डिजिटल कनेक्टिविटी को बेहतर बनाया है। पीएम जन धन योजना ने हर घर को बैंकिंग सेवाओं से जोड़ा है। इन योजनाओं की सफलता से लोगों में विश्वास पैदा हुआ है और इन सरकारी पहलों से आए सकारात्मक बदलावों ने प्रभावी परिणाम दिखाए हैं। दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव कई योजनाओं के पूर्ण होने की स्थिति में पहुंच गए हैं। जीवन के हर आयाम में, हर, जरूरत के लिए सरकार की योजना का लाभ हर लाभार्थी को मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि बीते वर्षों में इस क्षेत्र में आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं का काफी विस्तार हुआ है। 2023 में मुझे यहां नमो मेडिकल कॉलेज के उद्घाटन का अवसर मिला था।

अब इसके साथ 450 बेड की क्षमता वाला एक और अस्पताल जुड़ गया है, इसका यहां उद्घाटन किया गया है। पीएम मोदी ने कहा कि आज जन औषधि दिवस भी है। जन औषधि यानी-सस्ते इलाज की गारंटी। जन औषधि का मंत्र है - दाम कम, दवाई में दम। हमारी सरकार अच्छे अस्पताल भी बनवा रही है, आयुष्मान योजना के तहत मुफ्त इलाज की सुविधा भी दे रही है और जन औषधि केंद्रों के जरिए सस्ती दवाएं भी दे रही है।

देश के नक्शे पर अलग पहचान के साथ उभर रहा है सिलवासा: मोदी

सिलवासा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को यहां कहा कि हमारा सिलवासा और ये संघ प्रदेश विकास के मामले में देश के नक्शे पर एक अलग पहचान के साथ उभर रहे हैं।

श्री मोदी ने आगे कहा कि दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव हमारे लिए केवल एक केंद्र शासित प्रदेश नहीं है। ये संघ प्रदेश हमारा गर्व है, हमारी विरासत भी है। इसलिए हम इस प्रदेश को एक ऐसा मॉडल स्टेट बना रहे हैं, जो अपने समग्र विकास, होलिस्टिक डेवलपमेंट के लिए जाना जाए। ये कई योजनाओं में सैचुरेशन की स्थिति में पहुंच गए हैं। जीवन के हर आयाम में, हर जरूरत के लिए सरकार की योजना का लाभ हर लाभार्थी को मिल रहा है। वह आज केंद्र शासित प्रदेश के सिलवासा में केन्द्र शासित प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव के लिए 2580 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं के उद्घाटन व शिलान्यास अवसर पर जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

प्रधानमंत्री ने कहा सिलवासा का ये प्राकृतिक सौंदर्य, यहां के लोगों का प्यार और दादरा नगर हवेली, दमन दीव, आप सब जानते हैं, मेरा कितना पुराना नाता रहा है, आप लोगों से। ये दशकों पुराना अपनापन, यहां आकर मुझे कितना आनंद मिलता है, ये केवल मैं और आप ही जानते हैं। बहुत पुराने साथियों को आज मैं देख रहा था। वर्षों पहले मुझे यहां बहुत बार आने का अवसर मिलता था। सिलवासा और पूरा दादरा नगर हवेली, दमन-दीव, उस समय क्या हालत थे, कितना अलग था और लोगों को भी लगता था कि समंदर के किनारे छोटी सी जगह, वहां क्या हो सकता है। लेकिन मुझे यहां के लोग, यहां के लोगों के सामर्थ्य पर भरोसा था, आप पर भरोसा था।

आने वाले वर्षों में हम देशभर में 25,000 जन औषधि केंद्र खोलने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहे हैं। अब तक सरकार ने 6,400 करोड़ रुपये से अधिक की सस्ती दवाइयां बेची हैं, जिससे लाभार्थियों को लगभग 30,000 करोड़ रुपये से अधिक की बचत होने का अनुमान है।

इससे पहले केंद्र शासित प्रदेश दादरा-नगर हवेली के प्रशासक प्रफुल्ल के. पटेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभिनंदन किया। इसके बाद पीएम मोदी सूरत जाएंगे और शाम करीब पांच बजे सूरत खाद्य सुरक्षा संतृप्ति अभियान का शुभारंभ करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि प्रधानमंत्री आठ मार्च को नवसारी जाएंगे। यहां वह लखपति दीदियों से बातचीत करेंगे। इसके बाद एक सार्वजनिक समारोह में विभिन्न योजनाओं का शुभारंभ करेंगे।

सिलवासा में नमो अस्पताल (चरण क) किया उद्घाटन

पीएम मोदी ने सिलवासा में नमो अस्पताल के पहले चरण का उद्घाटन किया। 460 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित 450 बिस्तरों वाला यह अस्पताल दादरा नगर हवेली में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करेगा।

साथ ही क्षेत्र के लोगों खासकर जनजातीय समुदायों को अत्याधुनिक चिकित्सा देखभाल प्रदान करेगा।

राहुल गांधी का गुजरात दौरा: कांग्रेस संगठन को मजबूत करने की तैयारी

पार्टी के वरिष्ठ नेताओं संग राहुल ने की बैठक

अहमदाबाद, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस लीडर राहुल गांधी दो दिन के दौरे पर गुजरात पहुंचे हैं। इस बीच एयरपोर्ट पर राहुल गांधी का अनेक नेताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। दो दिन वे कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं के साथ बैठकों की मैराथन सीरीज करेंगे।

इसी बीच राहुल गांधी ने वरिष्ठ नेताओं के साथ कांग्रेस दफ्तर में मीटिंग की है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेताओं के साथ कांग्रेस ऑफिस में एक महत्वपूर्ण बैठक की है। इस दौरान उनके साथ संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, गुजरात प्रभारी मुकुल वासनिक और प्रदेश अध्यक्ष शक्ति सिंह गोहिल मौजूद थे।

9 घंटे में 5 बैठकें करेंगे राहुल

राहुल गांधी गुजरात में कांग्रेस को मजबूती देने के लिए 9 घंटे में 5 महत्वपूर्ण बैठकें करने जा रहे हैं। इन बैठकों में वे प्रदेश नेताओं, जिला-स्तरीय पदाधिकारियों और वार्ड अध्यक्षों से मुलाकात करेंगे और आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के लिए संगठन की रणनीति पर चर्चा करेंगे।

दशकों बाद गुजरात में कांग्रेस अधिवेशन

8 और 9 अप्रैल को गुजरात में कांग्रेस का महाधिवेशन होने जा रहा है। इससे पहले कांग्रेस का आखिरी अधिवेशन 1961 में भावनगर में हुआ था। 64 साल बाद गुजरात कांग्रेस का इतना बड़ा आयोजन कर रही है। इसी वजह से राहुल गांधी संगठनात्मक तैयारियों की समीक्षा कर रहे हैं। यहां बताते चलें कि गुजरात में कांग्रेस की पकड़ लगातार कमजोर होती गई, जिसे मजबूती देने राहुल गांधी यहां पहुंचे हैं। 2022 विधानसभा चुनाव में कांग्रेस केवल 17 सीटें ही जीत पाई थी, जबकि 2017 में उसे 77 सीटें मिली थीं। ऐसे में राहुल गांधी का यह दौरा गुजरात में पार्टी को पुनर्जीवित करने की एक कोशिश माना जा रहा है।

नमामी गंगे कार्यक्रम का कार्यकाल एक साल बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने अपनी महत्वकांक्षी योजना नमामी गंगे कार्यक्रम-एनजीपी को एक साल आगे खिसकाते हुए अगले वर्ष मार्च तक बढ़ा दिया है। जल शक्ति मंत्रालय ने यह जानकारी देते हुए शुक्रवार को बताया कि सरकार ने गंगा तथा उसकी सहायक नदियों के संरक्षण के लिए जून 2014 में नमामि गंगे कार्यक्रम एक एकीकृत संरक्षण मिशन की शुरूआत की थी। सरकार ने 20,000 करोड़ रुपये के बजट परिव्यय के साथ इसे महत्वाकांक्षी कार्यक्रम के रूप में अनुमोदित किया था और इसका उद्देश्य गंगा के प्रदूषण में प्रभावी कमी लाना और इसका संरक्षण करना था। मंत्रालय के अनुसार राष्ट्रीय गंगा योजना को 2025-26 के लिए 3400 करोड़ रुपये का वित्तीय परिव्यय आवंटित किया गया है औ इस निवेश का मसकद सीवेज उपचार क्षमता को बढ़ाना, गंगा नदी के पानी की गुणवत्ता में सुधार करना और इसके संरक्षण के साथ ही 2025 तक निर्धारित स्नान मानकों को प्राप्त करने के लिए औद्योगिक कचरे के निर्वहन को विनियमित करना है। इस कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य निर्मल गंगा था जिसके तहत नदी में प्रदूषण के स्रोतों का पता लगाना और उन्हें कम करना, पारिस्थितिकी तथा प्रवाह में सुधार लाकर इसे अविरल गंगा बनाना एवं इसकेनिरंतर प्रवाह को बढ़ाना तथा जन-नदी संपर्क यानी इसकी स्वच्छता के लिए सामुदायिक सहभागिता और जागरूकता बढाकर लोगों और नदी के बीच गहरा संबंध विकसित करना है।

कांग्रेस के संबोधन में ट्रंप ने की घोषणा, दो अप्रैल से भारत पर पारस्परिक टैरिफ लागू होंगे

वाशिंगटन, एजेंसी। कांग्रेस के संयुक्त सत्र में अपने दूसरे कार्यकाल के पहले संबोधन के दौरान, संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपनी कठोर टैरिफ नीति का बचाव किया, तथा दोहराया कि अमेरिका को भारत सहित दुनिया भर के कई देशों से उच्च टैरिफ का सामना करना पड़ रहा है।

ट्रंप ने अपने संबोधन के दौरान कहा, अगर आप ट्रंप प्रशासन के तहत अमेरिका में अपना उत्पाद नहीं बनाते हैं, तो आपको टैरिफ देना होगा और कुछ मामलों में, काफी बड़ा टैरिफ देना होगा। दूसरे देशों ने दशकों तक हमारे खिलाफ टैरिफ का इस्तेमाल किया है और अब हमारी बारी है कि हम उन दूसरे देशों के खिलाफ टैरिफ का इस्तेमाल करना शुरू करें। यह बहुत अनुचित है।'

ट्रंप ने उन देशों का नाम गिनाया, जो अमेरिका से बहुत ज़्यादा टैरिफ वसूलते हैं, जिनमें भारत भी शामिल है। ट्रंप ने कहा, औसतन, यूरोपीय संघ, चीन, ब्राज़ील, भारत, मैक्सिको और कनाडा...क्या आपने उनके बारे में सुना है? और अनगिनत दूसरे देश हमसे बहुत ज़्यादा टैरिफ वसूलते हैं, जितना हम उनसे वसूलते हैं। उन्होंने कहा, यह बहुत अनुचित है। अपने भाषण के दौरान भारत का ज़िक्र करते हुए ट्रंप ने कहा, भारत हमसे 100 प्रतिशत से ज़्यादा ऑटो टैरिफ वसूलता है। उन्होंने आगे कहा, हमारे उत्पादों पर चीन का औसत टैरिफ हमसे दोगुना है और दक्षिण कोरिया का औसत टैरिफ चार गुना अधिक है। ट्रम्प ने घोषणा की कि संयुक्त राज्य अमेरिका कई देशों पर पारस्परिक टैरिफ लगाएगा, जो 1 अप्रैल से नहीं बल्कि 2 अप्रैल से शुरू होगा, क्योंकि वह नहीं चाहते थे कि यह अप्रैल फूल्स डे के साथ मेल खाए।

बाइडेन प्रशासन को आर्थिक तबाही के लिए ठहराया जिम्मेदार : उन्होंने बाइडेन प्रशासन को आर्थिक तबाही के लिए जिम्मेदार ठहराया। ट्रंप ने कहा, मेरी सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में से एक अमेरिकी इकोनॉमी को बचाना और वर्किंग फैमिलीज को तुरंत और बड़ी राहत देना है। बाइडेन प्रशासन से हमें आर्थिक तबाही और महंगाई का बुरा सपना विरासत में मिला है। बाइडेन की नीतियों ने एनर्जी की कीमतें बढ़ा दीं, किराने का सामान महंगा कर दिया और लाखों अमेरिकियों के लिए बुनियादी जरूरतों को पहुंच से बाहर कर दिया। राष्ट्रपति के रूप में, मैं हर दिन इस नुकसान को ठीक करने और अमेरिका को फिर से किफायती बनाने के लिए लड़ रहा हूं।

100 एग्जिक्यूटिव ऑर्डर्स का भी किया जिक्र : ट्रंप ने 100 एग्जिक्यूटिव ऑर्डर्स का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, मैंने अब तक लगभग 100 एग्जीक्यूटिव ऑर्डर्स पर साइन किए हैं और छह हफ्ते पहले पद संभालने के बाद 400 से ज्यादा कार्यकारी कदम उठाए हैं। उनके मुताबिक जॉर्ज वाशिंगटन का कार्यकाल 'नंबर दो' था, जबकि उनका सबसे ऊपर है।

इक्विटी और इन्क्लूजन को खत्म करने का किया ऐलान : उन्होंने डायवर्सिटी, इक्विटी और इन्क्लूजन को खत्म करने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि मैंने फेडरल सरकार, प्राइवेट सेक्टर और अमेरिकी सेना में लागू 'डायवर्सिटी, इक्विटी और इन्क्लूजन' (डीईआई) नीतियों को खत्म कर दिया। अब हमारा देश वोक नहीं रहेगा।

अमेरिका में फ्री स्पीच वापस लाने का भी किया दावा : ट्रंप ने अमेरिका में फ्री स्पीच वापस लाने का भी दावा किया। उन्होंने कहा, हमने ऐसे सरकारी तंत्र को खत्म कर दिया है, जिसका इस्तेमाल हथियार के तौर पर किया जाता है, जिसके जरिए मौजूदा राष्ट्रपति को मेरे जैसे राजनीतिक विरोधी के खिलाफ बेरहमी से मुकदमा चलाने की इजाजत दी जाती है।

रेसिप्रोकल टैक्स लगाने की घोषणा की : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा, मेक्सिको, चीन और भारत पर रेसिप्रोकल टैक्स लगाने की घोषणा की। उन्होंने कहा, कनाडा, मेक्सिको, भारत और दक्षिण कोरिया बहुत टैरिफ लगाते हैं। हम दो अप्रैल से कनाडा, मेक्सिको, चीन और भारत पर रेसिप्रोकल टैक्स लगाएंगे, जो हम पर टैक्स लगाएंगे, हम भी उन पर उतना ही टैक्स लगाएंगे।

डब्ल्यूएचओ को भ्रष्ट और संयुक्त राष्ट्र ह्यूमन राइट्स कमीशन को अमेरिका विरोधी बताया : उन्होंने डब्ल्यूएचओ को भ्रष्ट और संयुक्त राष्ट्र ह्यूमन राइट्स कमीशन को अमेरिका विरोधी बताया। उन्होंने अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए कहा, मैंने पद संभालते ही सभी फेडरल भर्तियों, नई फेडरल नीतियों और विदेशी सहायता पर तुरंत रोक लगा दी।

चीन ने फिर बढ़ाया अपना रक्षा बजट, रोजगार बढ़ाने पर चीन की सरकार का जोर

बीजिंग, एजेंसी। चीन लगातार अपनी सैन्य ताकत बढ़ाता जा रहा है। इसी के तहत चीन ने एक बार फिर अपने रक्षा बजट में बढ़ोतरी करने का एलान किया है। चीन ने बुधवार को अपने रक्षा बजट का एलान किया, जिसमें चीन ने रक्षा खर्च के लिए 249 अरब डॉलर का बजट रखा है। यह पिछले साल के बजट की तुलना में 7.2 प्रतिशत ज्यादा है।

पिछले साल भी चीन ने अपने रक्षा बजट में की थी बढ़ोतरी चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग के सामने पेश किए गए ड्राफ्ट बजट में इस साल चीन का रक्षा बजट 1.7 खरब युआन (249 अरब डॉलर) तय किया गया है। गौरतलब है कि बीते साल भी चीन ने अपने रक्षा बजट में 7.2 प्रतिशत की वृद्धि की थी। पिछले साल चीन का रक्षा बजट 1.67 खरब युआन या कहें 232 अरब डॉलर था। चीन अपनी सेना का बड़े पैमाने पर आधुनिकीकरण कर रहा है। इसके तहत चीन नए एयरक्राफ्ट करियर बना रहा है, तेजी से नौसैन्य जहाजों का निर्माण कर रहा है और स्टील्थ तकनीक पर आधारित लड़ाकू विमानों को विकसित कर रहा है। चीन, अमेरिका को हर मोर्चे पर चुनौती देने की तैयारी कर रहा है और इसी के तहत वह अपनी सेना को भी मजबूत करने में जुटा है। हालांकि अभी अमेरिका की तुलना में चीन का बजट काफी कम है, लेकिन जिस तेजी से चीन अपने सैन्य खर्च को बढ़ा रहा है, उसे देखते हुए जल्द ही चीन के भी अमेरिका के नजदीक पहुंचने की उम्मीद है। इसके अलावा चीन दक्षिण चीन सागर और वियतनाम के साथ भी हालात तनावपूर्ण हैं। भारत के साथ भी चीन का सीमा विवाद है। गौरतलब है कि भारत के मुकाबले चीन का सैन्य बजट तीन गुना से भी ज्यादा हो गया है। बीते दिनों पेश किए गए बजट में भारत ने अपने सैन्य खर्च के लिए 75 अरब डॉलर आवंटित किए थे। जबकि चीन का यह खर्च 249 अरब डॉलर है। इससे दोनों देशों के बीच के अंतर को साफ समझा जा सकता है। अन्य देशों की बात करें तो अमेरिका इस मामले में सबसे आगे है और उसका सैन्य बजट 895 अरब डॉलर है।

संक्षिप्त समाचार

लुइसियाना पेट्रोकेमिकल प्लांट के खिलाफ मुकदमा वापस लेगी ट्रंप सरकार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की ट्रंप सरकार ने लुइसियाना में सिंथेटिक रबर निर्माता कंपनी के खिलाफ संघीय कानून को वापस लेने का फैसला किया है। दरअसल कंपनी पर आरोप लगा है कि इसके चलते कैंसर का खतरा बढ़ रहा था। लुइसियाना अश्वेत बहुल इलाका है। बाइडन सरकार में लुइसियाना की कंपनी के खिलाफ पर्यावरण सुरक्षा एजेंसी ने मुकदमा दायर किया था। हालांकि राष्ट्रपति ट्रंप ने सत्ता संभालते ही पर्यावरण सुरक्षा एजेंसी के 170 कर्मचारियों को छुट्टी पर भेज दिया। अब मुकदमा वापस लेने के ट्रंप प्रशासन के फैसले से कंपनी को बड़ी राहत मिलेगी, जो कई वर्षों से मुकदमेबाजी में फंसी थी।

अफगानिस्तान में 6000 किलोग्राम से अधिक ड्रग्स बरामद, दो गिरफ्तार

काबुल , एजेंसी। अफगानिस्तान पुलिस ने सोमवार रात उत्तरी अफगानिस्तान के तखर प्रांत में भारी मात्रा में अवैध ड्रग्स बरामद की। स्थानीय अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि इस संबंध में दो आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया। प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता मोहम्मद अकबर हक्कानी ने कहा, पुलिस ने प्रांत की राजधानी तालुकान शहर के खटयान क्षेत्र में कुल 6,299 किलोग्राम अवैध अफीम बरामद की। उन्होंने कहा कि ड्रग्स को एक गैस टैंकर के अंदर छिपाया गया था। अधिराकी ने कहा कि वाहन ताखर के पड़ोसी प्रांत बदख्शां से आ रहा था। इस मामले के सिलसिले में दो संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार ने अफीम की खेती और ड्रग्स के उत्पादन और तस्करी पर प्रतिबंध लगा दिया है। उसने तब तक कार्रवाई जारी रखने की बात कही है जब तक देश ड्रग्स से मुक्त नहीं हो जाता। इस बीच, दक्षिणी अफगानिस्तान के कंधार प्रांत में मादक पदार्थ निरोधक पुलिस ने 15 किलोग्राम हेरोइन समेत भारी मात्रा में अवैध ड्रग्स बरामद की है और 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया। प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता मुल्ला असदुल्ला जमशेद ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि पिछले दो दिनों में कई अभियानों के दौरान 15 किलोग्राम हेरोइन, 689 किलोग्राम हशीश और हेरोइन बनाने में इस्तेमाल होने वाली वस्तुएं और सैकड़ों नशीली गोलियां बरामद की गई हैं। उन्होंने जानकारी दी कि अभियान के दौरान पुलिस ने आठ एकड़ अफीम की खेती को भी नष्ट कर दिया।

न्यूजीलैंड में देश के नाम पर हुआ विवाद

वेलिंगटन, एजेंसी। न्यूजीलैंड की संसद में देश के नाम पर विवाद हो गया। न्यूजीलैंड की संसद के स्पीकर ने सांसदों से कहा कि वे देश के माओरी नाम, एओटेरोआ पर आपत्ति करना बंद करें। दरअसल एक सांसद ने इस पर प्रतिबंध लगाने की मांग की थी, लेकिन स्पीकर ने इस पर नाराजगी जताई। स्पीकर गेरी ब्राउनली ने मंगलवार को एक फैसले में कहा, एओटेरोआ का इस्तेमाल नियमित रूप से न्यूजीलैंड के नाम के रूप में किया जाता है। यह हमारे पासपोर्ट और हमारी मुद्रा पर भी दिखाई देता है। ऐसे में इस पर आपत्ति गलत है। दरअसल नाम को लेकर विवाद पिछले महीने तब शुरू हुआ जब एक सांसद ने दूसरे सांसद द्वारा इस नाम के इस्तेमाल पर आपत्ति जताई। वामपंथी ग्रीन पार्टी के रिकार्डो मेनेंडेज मार्च ने एक मंत्री से सवाल के दौरान एओटेरोआ नाम का इस्तेमाल किया। माओरी भाषा में इस संयुक्त शब्द का अर्थ है लंबे सफेद बादल की भूमि। इस पर न्यूजीलैंड के उप-प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री और न्यूजीलैंड फर्स्ट कैंपेन के मशहूर नेता विंस्टन पीटर्स ने एओटेरोआ नाम पर आपत्ति जताई। पीटर्स ने ब्राउनली से संसद में एओटेरोआ शब्द के इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिए कहा। मंगलवार को ब्राउनली ने कहा कि सांसदों को पहले से ही न्यूजीलैंड की तीन आधिकारिक भाषाओं - अंग्रेजी, माओरी और न्यूजीलैंड सांकेतिक भाषा में से किसी में भी संसद को संबोधित करने की अनुमति है। इसके बाद उन्होंने विंस्टन पीटर्स की आपत्ति को खारिज कर दिया।

कनाडाई प्रधानमंत्रीबोले- ट्रम्प का हम पर टैरिफ लगाने का फैसला बेवकूफी भरा कदम

ओटावा, एजेंसी। कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने डोनाल्ड ट्रम्प की तरफ से कनाडा पर 25प्रतिशत एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने के फैसले को बेवकूफी भरा बताया। उन्होंने कहा कि ट्रम्प भले ही होशियार इंसान हैं, लेकिन ऐसा करना बहुत मूर्खतापूर्ण है। हम दो दोस्तों की लड़ाई बिल्कुल वैसी ही है, जैसी दुनिया भर में हमारे विरोधी देखना चाहते हैं। ट्रूडो ने कहा कनाडा वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन के जरिए अमेरिकी टैरिफ को चुनौती देगा। अमेरिका के टैरिफ के जवाब में कनाडा ने भी टैरिफ का ऐलान किया है। इसे लेकर कनाडाई पीएम ने कहा कि जब तक अमेरिका टैरिफ वापस नहीं लेगा, तब तक हमारा टैरिफ भी लागू रहेगा। ट्रूडो ने कहा- ट्रम्प चाहते हैं कि कनाडा की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से बर्बाद हो जाए, क्योंकि इससे उन्हें कनाडा को अमेरिका में मिलाना आसान हो जाएगा। मैं बता दूं कि ऐसा कभी नहीं होने वाला है। हम कभी भी अमेरिका के 51वें राज्य नहीं बनेंगे।

नेपाल ने प्रमुख सीमा-पार रेलवे परियोजनाओं के शेष काम को पूरा करने का आश्वासन दिया

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल ने भारत को आश्वासन दिया है कि वह जयनगर-बिजलपुरा-बरदीबास और जोगबनी-विराटनगर सीमा-पार रेलवे लाइनों के शेष खंडों पर काम जल्द शुरू करने और पूरा करने के लिए कदम उठाएगा। रेलवे लाइन भारत के वित्तीय सहयोग से बिछाई जा रही हैं। दिल्ली में 27-28 फरवरी को आयोजित भारत-नेपाल परियोजना संचालन समिति और संयुक्त कार्य समूह की बैठकों में विभिन्न सीमा-पार रेलवे परियोजनाओं से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि दोनों पक्षों ने भारत और नेपाल के बीच जयनगर-बिजलपुरा-बरदीबास और जोगबनी-विराटनगर बड़ी लाइन पर हो रहे कार्यों को लेकर चर्चा की।

पाकिस्तान में दो आत्मघाती बम विस्फोटों में 9 की मौत, 25 घायल

पेशावर, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नू जिले के आर्मी कैंट इलाके में दो आत्मघाती बम विस्फोट हुए. इन धमाकों में कम से कम नौ लोग मारे गए जबकि 25 घायल हो गए. पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हमले की निंदा की है. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तानी तालिबान से जुड़े एक समूह ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नू में हुए हमले की जिम्मेदारी ली और कहा कि इस हमले में कई पाकिस्तानी सुरक्षा बल मारे गए. हालांकि सेना ने तुरंत किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं दी. इस बीच बन्नू जिला अस्पताल की ओर से कहा गया कि कम से कम नौ लोग मारे गए.

रिपोर्ट के अनुसार पुलिस अधिकारियों में शामिल जाहिद खान ने कहा दो विस्फोटों के बाद हवा में धुंआ का गुबार उठ रहा था और गोलीबारी जारी थी. मरने वालों में चार बच्चे थे. पीड़ित विस्फोट स्थल के पास ही रहते थे. हमले सूर्यास्त के बाद हुए जब लोग मुस्लिम पवित्र महीने रमजान के दौरान अपना रोजा खोल रहे होते हैं. बन्नू जिला अस्पताल के प्रवक्ता मुहम्मद नोमान के अनुसार शाम को हुए धमाकों में घरों और दूसरी इमारतों को बहुत नुकसान पहुंचा. छतें और दीवारें ढह गई और इसी वजह से लोग हताहत हुए. कहा जा रहा है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है.

बचावकर्मियों और प्रांतीय सरकार के प्रवक्ता मुहम्मद अली सैफ के अनुसार विस्फोटों के कारण पास की एक मस्जिद की छत गिर गई, जबकि कई नमाजी अंदर मौजूद थे. मलबे के नीचे से लोगों को निकालने की कोशिश की गई. बचावकर्मियों ने मस्जिद के इमाम का शव बरामद किया.

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार दो आत्मघाती हमलावरों ने विशाल सैन्य क्षेत्र की दीवार के पास खुद को उड़ा लिया. दीवार के साथ विस्फोट के बाद कुछ और हमलावरों ने सैनिक अड्डे में घुसने की कोशिश की, लेकिन उन्हें मार गिराया गया. जैश अल-फुरसान ने हमले की जिम्मेदारी ली है. रमजान रविवार से शुरू होने के बाद से यह पाकिस्तान में तीसरा आतंकवादी हमला है.

एक बयान में समूह ने कहा कि विस्फोट का कारण विस्फोटकों से लदा वाहन था. पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हमले की निंदा की और जानमाल के नुकसान पर दुख व्यक्त किया. खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने जांच के आदेश दिए हैं.

आतंकियों ने कई बार बन्नू को निशाना बनाया है. पिछले नवंबर में एक आत्मघाती कार बम विस्फोट में 12 सैनिक मारे गए थे और कई अन्य घायल हो गए थे. जुलाई में एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से लदे अपने वाहन में विस्फोट कर दिया और अन्य आतंकवादियों ने सैन्य प्रतिष्ठान की बाहरी दीवार के पास गोलीबारी शुरू कर दी.

पिछले साल की शुरुआत से सूडान में 200 से अधिक बच्चों से बलात्कार हुआ : यूनिसेफ

काहिरा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र बाल एजेंसी 'यूनिसेफ' ने बताया कि संघर्ष-ग्रस्त सूडान में 2024 की शुरुआत से एक साल की उम्र तक के बच्चे बलात्कार का शिकार हुए हैं। 'यूनिसेफ' के अनुसार, यौन हिंसा का इस्तेमाल युद्ध की रणनीति के रूप में किया जा रहा है। 'यूनिसेफ' ने बताया कि उत्तर अफ्रीकी देश में लिंग आधारित हिंसा के विषय में काम करने वाली संस्थाओं द्वारा संकलित रिकॉर्ड के अनुसार, सशस्त्र बलों ने लड़कों सहित 221 बच्चों से बलात्कार किया। सूडान में युद्ध की शुरुआत अप्रैल 2023 में सेना और उसके प्रतिद्वंद्वी अर्द्धसैनिक 'रैपिड सपोर्ट फोर्स' के बीच खार्तूम में लड़ाई से हुई जो देश भर में फैल गई। तब से कम से कम 20,000 लोग मारे गए हैं, हालांकि यह संख्या कहीं अधिक होने की आशंका है। युद्ध के कारण 1.4 करोड़ से अधिक लोग अपने अपने घरों को छोड़ने पर मजबूर हुए और देश के कुछ हिस्से भूखमरी की कगार पर हैं। अधिकार समूहों का कहना है कि यौन हिंसा और जबरन बाल विवाह सहित अत्याचार दोनों पक्षों द्वारा किए गए हैं।

'यूनिसेफ' ने पिछले महीने बताया था कि युद्ध शुरू होने के बाद से अनुमानित 61,800 बच्चे आंतरिक रूप से विस्थापित हुए हैं। 'यूनिसेफ' ने कहा कि बच्चों के साथ बलात्कार के मामलों में 30 प्रतिशत से अधिक पीड़ित लड़के थे। पीड़ितों में पांच वर्ष से कम उम्र के 16 बच्चे और चार शिशु शामिल हैं। ये मामले गदारेफ, कसाला, गेजेरा, खार्तूम, रिवर नाइल, नॉर्दर्न स्टेट, साउथ कोर्दोफन, नॉर्थ दारफुर और वेस्ट दारफुर राज्यों में दर्ज किए गए। 'यूनिसेफ' की प्रवक्ता टेस इनग्राम ने 'एसोसिएटेड प्रेस' (एपी) को बताया कि बलात्कार के शिकार हुए 221 बच्चों में से 73 मामले संघर्ष से संबंधित थे और 71 इससे संबंधित नहीं थे जबकि अन्य अज्ञात थे।

यूनिसेफ की कार्यकारी निदेशक कैथरीन रसेल ने रिपोर्ट में कहा कि बलात्कार सहित यौन हिंसा का इस्तेमाल ''युद्ध की रणनीति के रूप में किया जा रहा है'' जो अंतरराष्ट्रीय कानून और बच्चों की सुरक्षा से जुड़े कानूनों का उल्लंघन है। महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा का दस्तावेजीकरण करने वाला गैर-लाभकारी संगठन 'एसआईएचए नेटवर्क' ने पिछले महीने कहा था कि युद्ध शुरू होने के बाद से संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा के लगभग 23 प्रतिशत मामले लड़कियों से जुड़े थे। दक्षिण कोर्दोफन में बंदूक के बल पर एक लड़के से बलात्कार किया गया और छह साल के बच्चे सहित कई बच्चों के साथ भी दुष्कर्म किया गया।

राष्ट्रपति ट्रंप ने 13 साल के बच्चे को बनाया सीक्रेट सर्विस एजेंट, इसकी वजह भावुक करने वाली

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जनवरी में सत्ता संभालने के बाद पहली बार अमेरिकी संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने अपनी सरकार के दूसरे कार्यकाल में अब तक किए गए कामों का जिक्र किया। ट्रंप ने अपने संबोधन के दौरान एक 13 साल के बच्चे डीजे डेनियल को सीक्रेट सर्विस एजेंट नियुक्त करने का भी एलान किया। जिस वक्त ट्रंप ने यह एलान किया, उस वक्त गैलरी में डीजे भी अपने परिजनों के साथ मौजूद रहा। डीजे के लिए पूरे सदन ने खड़े होकर तालियां बजाई। दरअसल डीजे डेनियल कैंसर से पीड़ित है और उसका सपना था कि वह पुलिस अधिकारी बने। बच्चे की हालत को देखते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने उसे सीक्रेट सर्विस एजेंट नियुक्त करने का फैसला किया।

दुर्लभ कैंसर से पीड़ित है डीजे डेनियल : राष्ट्रपति ट्रंप ने बताया कि डीजे डेनियल साल 2018 से एक दुर्लभ कैंसर से ग्रस्त है और डॉक्टर्स ने बताया था कि डीजे के पास सिर्फ पांच महीने का ही वक्त है, लेकिन तमाम मुश्किलों के बावजूद डीजे लड़ा और आज छह साल बीत गए हैं। उसने कभी भी अपने पुलिस अधिकारी बनने के सपने को नहीं छोड़ा। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि आज की रात हम डीजे को उसकी जिंदगी का सबसे बड़ा सम्मान देंगे। मैं हमारे सीक्रेट सर्विस निदेशक सीन कुरन से कहता हूं कि वे आधिकारिक तौर पर तुम्हें अमेरिकी सीक्रेट सर्विस का एजेंट नियुक्त करें। ट्रंप के इस एलान के बाद पूरा सदन भावुक हो गया और दोनों पार्टियों के सांसदों ने खड़े होकर डीजे और उसके पिता के सम्मान में तालियां बजाई। इस दौरान सांसदों ने डीजे..डीजे के नारे भी लगाए। इसके बाद सीन कुरन ने डीजे को सीक्रेट सर्विस एजेंट का आधिकारिक बैज सौंपा। इससे खुश डीजे ने कुरन को गले लगा लिया।

ट्रंप ने टैरिफ को लेकर कही ये बात : ट्रंप ने अपने संबोधन के दौरान एलान किया कि 2 अप्रैल को पारस्परिक टैरिफ लागू होंगे। जो भी देश हम पर टैरिफ लगाते हैं, हम उन पर टैरिफ लगाएंगे। यदि वे हमें अपने बाजार से बाहर रखने के लिए गैर-मौद्रिक टैरिफ लगाते हैं, तो हम भी उन्हें अपने बाजार से बाहर रखने के लिए गैर-मौद्रिक अवरोध लगाएंगे।

विदेश मंत्री जयशंकर ने लंदन में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री, मंत्रियों से की वार्ता

लंदन, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार शाम यहां ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर से मुलाकात की और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से उन्हें शुभकामनाएं दीं। जयशंकर ने कहा कि ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के साथ उनकी मुलाकात में द्विपक्षीय सहयोग तथा रूस-यूक्रेन संघर्ष पर ब्रिटेन के दृष्टिकोण संबंधी मुद्दे रहे।

जयशंकर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''हमारे द्विपक्षीय, आर्थिक सहयोग को आगे बढ़ाने और एक दूसरे के यहां लोगों की आवाजाही बढ़ाने पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री स्टार्मर ने यूक्रेन संघर्ष पर ब्रिटेन के दृष्टिकोण को भी साझा किया।'' इससे पूर्व मंगलवार को विदेश मंत्री (ईएएम) ने अपनी छह दिवसीय यात्रा के पहले दिन ब्रिटेन और आयरलैंड की यात्रा के दौरान मंत्रिस्तरीय वार्ताएं कीं। उन्होंने मंगलवार को ब्रिटेन के व्यापार एवं वाणिज्य मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स और गृह मंत्री यवेट कूपर के साथ भी भेंटवार्ता की। विदेश मंत्री एस जयशंकर ब्रिटेन और आयरलैंड के साथ द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के लिए मंगलवार को लंदन पहुंचे और इसी के साथ उनकी छह दिवसीय यात्रा शुरू हो गई। यात्रा से पहले एक बयान में विदेश मंत्रालय ने कहा कि जयशंकर की यात्रा से दोनों देशों के साथ भारत के मैत्रीपूर्ण संबंध नवीनीकृत होंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा, भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी है, जो रक्षा और सुरक्षा, व्यापार और अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य, शिक्षा, लोगों के बीच आपसी संबंधों सहित विविध क्षेत्रों में मजबूत हुई है।

द्विपक्षीय संबंधों और आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर की चर्चा : बैठक के बाद विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि ब्रिटेन के प्रधानमंत्री स्टार्मर के साथ उनकी मुलाकात में द्विपक्षीय सहयोग के अलावा रूस-यूक्रेन संघर्ष पर ब्रिटेन के दृष्टिकोण संबंधी मुद्दे रहे। डॉ. एस. जयशंकर ने मुलाकात के दौरान हुई चर्चा के संदर्भ में एक्स पर लिखा, हमारे द्विपक्षीय, आर्थिक सहयोग को आगे बढ़ाने और लोगों के बीच आदान-प्रदान बढ़ाने पर चर्चा की गई। प्रधानमंत्री स्टार्मर ने यूक्रेन संघर्ष पर ब्रिटेन के दृष्टिकोण को भी साझा किया।

ब्रिटिश समकक्ष डेविड लैमी से भी की मुलाकात : बाद में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने अपने ब्रिटिश समकक्ष डेविड लैमी से मुलाकात की और आगे की चर्चा के लिए अपनी उत्सुकता व्यक्त की। उन्होंने लैमी के साथ भारत से आए उत्कृष्ट शोध-छात्रों से भी मुलाकात की। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि यह हमारी प्रतिभा और लोगों के बीच आदान-प्रदान की एक ज्वलंत अभिव्यक्ति है और ये विद्वान निश्चित रूप से भारत-ब्रिटेन संबंधों के महान समर्थक हैं। इससे पहले, डॉ. एस जयशंकर ने गृह सचिव यवेट कूपर से मुलाकात की और प्रतिभा के प्रवाह, लोगों के बीच आदान-प्रदान तथा तस्करी और उग्रवाद से निपटने के संयुक्त प्रयासों पर चर्चा की। डॉ. जयशंकर ने व्यापार और वाणिज्य विभाग के सचिव जोनाथन रेनोल्ड्स के साथ भी बैठक की और दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते की प्रगति के बारे में चर्चा की।

फ्रांस की शिपिंग कंपनी अमेरिका में करेगी 20 अरब डॉलर का निवेश

नईदिल्ली, एजेंसी। दुनिया की सबसे बड़ी शिपिंग कंपनियों में से एक फ्रांस की सीएमए सीजीएम अमेरिका में 20 अरब डॉलर का निवेश करेगी। यह निवेश शिपिंग और लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में होगा। इससे अमेरिका में 10,000 नई नौकरियों का सृजन होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इसका एलान किया। ट्रंप ने ओवल ऑफिस में संवाददाताओं को बताया, यह भारी निवेश शिपिंग, लॉजिस्टिक्स, बुनियादी ढांचे और

टर्मिनल विस्तार के क्षेत्र में खर्च होगा और इससे अमेरिका में अनुमानित 10,000 नए रोजगार पैदा होंगे। ट्रंप ने कहा, आज हम सीएमए सीजीएम के चेयरमैन और सीईओ रुडोल्फ साडे के साथ जुड़कर बहुत खुश हैं। यह दुनिया की सबसे बड़ी शिपिंग कंपनियों में से एक है, और शायद दुनिया में दूसरे नंबर की कंपनी है। आने वाले समय में वह नंबर एक भी बन सकती है। उनके पास 160,000 से ज्यादा कर्मचारी हैं। दुनिया भर में उनके पास 750 बड़े कंटेनर जहाज हैं और मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि वे चुनाव के नतीजों के कारण संयुक्त राज्य अमेरिका में 20 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने जा रहे हैं। ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका पहले एक दिन में एक जहाज बनाता था, लेकिन अब हम अपना रास्ता भूल गए हैं। ट्रंप ने कहा कि दुनिया में बहुत बड़े जहाज बनाने के लिए एक बहुत बड़ा नया कार्यक्रम घोषित किया जाएगा। यह बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह शिपिंग क्षेत्र से जुड़ा हुआ है।

वित्तीय सुरक्षा की चिंता

44 फीसदी महिलाएं खरीद रहीं एक करोड़ का टर्म बीमा, वेतनभोगी सबसे आगे

नईदिल्ली, एजेंसी। देश में महिलाएं तेजी से वित्तीय सुरक्षा की जिम्मेदारी ले रही हैं। टर्म इंश्योरेंस खरीदने वाली 44 फीसदी महिलाएं अब एक करोड़ रुपये या उससे अधिक का कवर ले रही हैं। पॉलिसीबाजार की रिपोर्ट के अनुसार, निवेश संबंधी पॉलिसियों, स्वास्थ्य बीमा और टर्म जीवन बीमा में महिलाओं की भागीदारी काफी बढ़ी है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह वित्तीय निर्णय लेने में तेजी से बदलाव का हिस्सा है, जो कार्यबल में अधिक भागीदारी व डिजिटल वित्तीय साधनों तक बढ़ती पहुंच से प्रेरित है। चालू वित्त वर्ष में टर्म इंश्योरेंस खरीदने वाली महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़कर 18 फीसदी हो गई है। इसमें वेतनभोगी महिलाएं 49 फीसदी के साथ सबसे आगे हैं।

गृहिणियां दूसरे स्थान पर

39 फीसदी के साथ गृहिणियां दूसरे स्थान पर हैं। 31 से 40 वर्ष की महिलाएं सबसे अधिक बीमा खरीद रही हैं, जो कुल खरीदारी का 48 फीसदी है। स्वास्थ्य बीमा में पॉलिसी प्रस्तावक के रूप में महिलाओं की भागीदारी दो वर्षों में 15 से बढ़कर 22 फीसदी हो गई है। ज्यादा महिलाएं उच्च कवरेज चुन रही हैं, जिनमें से 70-75 फीसदी 10 लाख या उससे अधिक बीमा राशि चुन रही हैं।

सुपर टॉप-अप का उपयोग जोरों पर- 40 वर्ष से अधिक आयु की महिलाएं बढ़ती चिकित्सा लागत से खुद को सुरक्षित करने पर ध्यान दे रही हैं। कई महिलाएं एक करोड़ के कवरेज को सस्ता बनाने के लिए सुपर टॉप-अप ले रही हैं। निवेश से जुड़ी बीमा योजनाओं में भी महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है।

फाडा के आंकड़े: दोपहिया वाहनों की बिक्री में सालाना छह फीसदी की गिरावट

कारों की खुदरा बिक्री 10 फीसदी घटी

नईदिल्ली, एजेंसी। कारों व दोपहिया समेत विभिन्न श्रेणी के वाहनों की मांग में गिरावट से गाड़ियों की खुदरा बिक्री फरवरी, 2025 में सालाना आधार पर 7 फीसदी घटकर 18,99,196 इकाई रह गई। फरवरी, 2024 में कुल 20,46,328 वाहन बिके थे। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले महीने कारों की खुदरा बिक्री फरवरी, 2024 से 10 फीसदी घटकर 3,03,398 इकाई रह गई।

इस दौरान कुल 13,53,280 दोपहिया वाहन बिके। यह आंकड़ा फरवरी, 2024 में बिके 14,44,674 दोपहिया वाहनों की तुलना में 6 फीसदी कम है। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 9 फीसदी घटकर 82,763 इकाई रह गई, जबकि ट्रैक्टर की बिक्री में भी 14.5 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है। डीलरों का इन्वेंट्री लेवल अब भी 50-52 दिन के स्तर पर है। फाडा के अध्यक्ष सीएस विग्नेश्वर ने बयान में कहा, फरवरी में सभी श्रेणियों में व्यापक गिरावट देखी गई। खुदरा विक्रेताओं ने बिना उनकी सहमति के उन्हें गाड़ियां भेजे जाने के बारे में चिंता जताना शुरू कर दिया। मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम) को अत्यधिक खेप के साथ खुदरा विक्रेताओं पर बोझ डालने से बचना चाहिए। मार्च में वाहनों की बिक्री को लेकर ज्यादातर डीलर आशावादी रूप से सतर्क हैं।

ह्युंडई वाहन बाजार में चौथे स्थान पर खिसकी

घरेलू यात्री वाहन बाजार में लंबे समय से दूसरे स्थान पर कायम ह्युंडई मोटर इंडिया फरवरी में खुदरा बिक्री के मामले में चौथे स्थान पर खिसक गई। फाडा के आंकड़े बताते हैं कि फरवरी में कंपनी ने 20 फीसदी कम वाहन बेचे। इसके साथ ही, उसकी घरेलू बाजार में हिस्सेदारी घटकर 12.58 फीसदी रह गई। मारुति सुजुकी 38.94 फीसदी के साथ शीर्ष पर है। महिंद्रा एंड महिंद्रा और 13.15 फीसदी के साथ दूसरे और टाटा मोटर्स 12.75 फीसदी के साथ तीसरे स्थान पर है।

रेल कंपनी के शेयर बने रॉकेट

नवरत्न कंपनी को साउथ सेंट्रल रेलवे से मिला है काम

नईदिल्ली, एजेंसी। रेल कंपनी राइट्स लिमिटेड के शेयरों में अच्छी तेजी आई है। नवरत्न कंपनी के शेयर शुक्रवार को 5 पर्सेंट से ज्यादा चढ़कर 224.80 रुपये पर पहुंच गए हैं। राइट्स लिमिटेड के शेयरों में यह तेज उछाल एक प्रोजेक्ट मिलने से आया है। रेल कंपनी ने अनाउंस किया है कि उसे 27.96 करोड़ रुपये के एक प्रोजेक्ट के लिए लेटर ऑफ एक्सेप्टेंस मिला है। पिछले 5 दिन में राइट्स लिमिटेड के शेयरों में 12 पर्सेंट का उछाल देखने को मिला है। रेल कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 398.45 रुपये है। वहीं, नवरत्न कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 192.40 रुपये है।

नवरत्न कंपनी को साउथ सेंट्रल रेलवे से मिला है काम- नवरत्न कंपनी राइट्स लिमिटेड को 27.96 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट के लिए साउथ सेंट्रल रेलवे से लेटर ऑफ एक्सेप्टेंस मिला है। राइट्स को यह प्रोजेक्ट 8 महीने में पूरा करना है। 31 दिसंबर 2024 तक के डेटा के मुताबिक, राइट्स की ऑर्डर बुक 7978 करोड़ रुपये की रही। दिसंबर 2023 में राइट्स की ऑर्डर बुक 5,690 करोड़ रुपये थी। रेल कंपनी के पास फिलहाल 700 प्रोजेक्ट्स हैं जिन पर काम चल रहा है, इसमें सरकार के लिए स्ट्रेटेजिक प्रोजेक्ट्स भी शामिल हैं।

6 महीने में 30 प्रतिशत से ज्यादा टूट गए हैं राइट्स के शेयर- राइट्स लिमिटेड के शेयर पिछले 6 महीने में 30 पर्सेंट से अधिक लुढ़क गए हैं। रेल कंपनी के शेयर 9 सितंबर 2024 को 336.38 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 7 मार्च 2025 को 224.80 रुपये पर पहुंच गए हैं। इस साल अब तक राइट्स लिमिटेड के शेयरों में करीब 25 पर्सेंट की गिरावट देखने को मिली है। रेल कंपनी के शेयर इस साल की शुरुआत में 1 जनवरी 2025 को 295.20 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 7 मार्च 2025 को 224.80 रुपये पर जा पहुंचे हैं।

सख्त होंगे नियम: गोल्ड लोन देना होगा मुश्किल

सोने के मूल्यांकन व कर्ज में आरबीआई को मिली खामियां

नईदिल्ली, एजेंसी। बैंकों और वित्तीय संस्थानों को सोने के एवज में कर्ज देना मुश्किल हो सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई अब इससे संबंधित नियमों को कड़ा करने की योजना बना रहा है। इसमें अंडरराइटिंग प्रक्रियाओं का पालन करने व पैसे के सही उपयोग करने का निर्देश दिया जा सकता है।

आरबीआई को पिछले साल सितंबर में गोल्ड लोन में कई तरह की अनियमितताएं मिली थीं। हाल के समय में सोने के एवज में कर्ज बहुत तेजी से बढ़ा है। ऐसे में आरबीआई इस पर लगाम लगाना चाहता है। केंद्रीय बैंक चाहता है कि बैंक और गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थाएं (एनबीएफसी) भी उधार लेने वाले ग्राहकों की पृष्ठभूमि की जांच करें।

गिरवी रखे जा रहे सोने के मालिकाना हक का पता लगाएं। आरबीआई यह सुनिश्चित करना चाहता है कि संस्थाएं मानक प्रोटोकॉल का पालन जरूर सुनिश्चित करें और गोल्ड लोन क्षेत्र में कोई भी वृद्धि सीमा से बाहर न हो।

बैंकों के एजेंट ले रहे थे सोना

बैंकों के फिनटेक एजेंट सोना इकट्ठा कर रहे थे। उसका भंडारण और वजन कर रहे थे। नियमों के मुताबिक, यह सब काम बैंकों या कर्ज देने वाले संस्थानों को करना चाहिए। बैंक कर्ज नहीं चुकाने वाले ग्राहकों को जानकारी दिए बिना ही सोने की नीलामी भी कर रहे थे। सितंबर, 2024 से दिसंबर तक बैंकों के गोल्ड लोन में 50 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जो समग्र ऋणों की वृद्धि से अधिक है। इस दौरान जांच करने पर आरबीआई को लोन के साथ सोने के मूल्यांकन में भी खामियां मिली थीं।

कंपनी को मिला 2306 करोड़ रुपये का नया काम

नईदिल्ली, एजेंसी। कलपतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल के शेयरों में आज करीब 7 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में इस उछाल की वजह नया प्रोजेक्ट बना है। कंपनी ने बताया है कि उन्हें 2306 करोड़ रुपये का काम मिला है।

लगातार चौथा कारोबारी दिन कंपनी के शेयरों में दिखी तेजी- बीएसई में आज कलपतरु प्रोजेक्ट इंटरनेशनल के शेयर 956.85 रुपये के लेवल पर खुले थे। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 978.05 रुपये के लेवल पर चला गया। करीब 12 बजे कंपनी के शेयर बीएसई में 940 रुपये के आस-पास ट्रेड कर रहा था। बता दें, यह लगातार चौथा कारोबारी दिन है जब कंपनी के शेयरों की कीमतों में तेजी देखने को मिली है।

30 देशों में चल रहा है काम- कंपनी को मिला नया काम उसे भारत के बाहर करना है। चालू वित्त वर्ष में कंपनी को 22,500 करोड़ रुपये का काम मिल चुका है। बता दें, यह देश की दिग्गज कंपनियों में से एक है। जोकि ट्रांसमिशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन, बिल्डिंग्स और फैक्टरीज़, वाटर सप्लाई, इरीगेशन, रेलवे, ऑयल एंड गैस पाइपलाइन, अर्बन मोबिलिटी, हाईवे और एयरपोर्ट आदि से जुड़ा काम लेती है। मौजूदा समय में कंपनी 30 से अधिक देशों में काम कर रही है। कलपतरु प्रोजेक्ट्स लिमिटेड 75 देशों में मौजूद है।

शेयरों के लिए अच्छा नहीं रहा पिछला एक साल- पिछला एक साल इस कंपनी के शेयरों के लिए भी अच्छा नहीं रहा है। इस दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में करीब 11 प्रतिशत की गिरावट आई है। जबकि सेंसेक्स इस दौरान 0.33 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। बता दें, बीते 2 साल में कंपनी के शेयरों का भाव 65 प्रतिशत बढ़ा है। वहीं, 3 साल में स्टॉक का भाव 148 प्रतिशत बढ़ा है।

2385 पर्सेंट का मल्टीबैगर रिटर्न देने वाला सुजलॉन 4 दिन से भर रहा ऊंची उड़ान

नईदिल्ली, एजेंसी। सुजलॉन एनर्जी के शेयर की कीमत लगातार चौथे दिन बढ़ोतरी के साथ आज सुबह के कारोबार में 5 प्रतिशत से ज्यादा की छलांग लगाई। सुजलॉन एनर्जी के शेयर 52.13 के पिछले क्लोज के मुकाबले 51.94 पर खुले और फिर 5.5 प्रतिशत की बढ़त के साथ 55 के स्तर तक पहुंच गए। करीब 11:00 बजे तक, यह रिन्यूएबल एनर्जी स्टॉक 4.76 प्रतिशत की बढ़त के साथ 54.58 पर कारोबार कर रहा था। इन चार सत्रों में, स्टॉक ने लगभग 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है। 5 साल में इसने 2385 पर्सेंट का मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। यह स्टॉक 2.20 रुपये से इस मुकाम तक पहुंचा है।

सुजलॉन एनर्जी शेयर प्राइस हिस्ट्री- 6 मार्च के क्लोज के मुताबिक, सुजलॉन एनर्जी के शेयर ने पिछले एक साल में 35 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी दर्ज की है। अक्टूबर में शेयर में 16 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई, इसके बाद नवंबर में 6 प्रतिशत और दिसंबर में 1 प्रतिशत की गिरावट आई। जनवरी और फरवरी 2025 में, शेयर में क्रमशः 7 प्रतिशत और 14.5 प्रतिशत की गिरावट आई। कुल मिलाकर, अक्टूबर से फरवरी तक शेयर में 38 प्रतिशत की गिरावट आई। सुजलॉन एनर्जी के शेयर ने पिछले साल 14 मार्च को 52-सप्ताह का लो लेवल 35.49 छुआ था, जबकि 12

सितंबर को 52-सप्ताह का हाई 86.04 दर्ज किया था।

क्यों बढ़ रहे हैं सुजलॉन एनर्जी के शेयर भाव- सुजलॉन एनर्जी के शेयर की कीमत 4 मार्च से बढ़ रही है, जब कंपनी ने जिंदल रिन्यूएबल्स के साथ अपने सबसे बड़े कॉमर्शियल और इंडस्ट्रियल ऑर्डर को बढ़ाने की घोषणा की थी। सुजलॉन ने 4 मार्च को एक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा, सुजलॉन ने जिंदल रिन्यूएबल्स की सहायक कंपनी जिंदल ग्रीन विंड 1 प्राइवेट लिमिटेड से 204.75 मेगावाट का तीसरा ऑर्डर हासिल किया है, जो भारत में कम कार्बन डाई ऑक्साइड स्टील क्रांति को और तेज करेगा। यह साझेदारी अब सुजलॉन का सबसे बड़ा कॉमर्शियल और इंडस्ट्रियल ऑर्डर बन गया है, जिसकी कुल क्षमता 907.20 मेगावाट है।

- **जिंदल स्टील हासिल किए ऑर्डर-** सुजलॉन ने आगे कहा, इससे पहले, सुजलॉन ने छत्तीसगढ़ और ओडिशा में जिंदल स्टील के प्लांट्स को पावर देने के लिए दो ऑर्डर हासिल किए थे, जिससे 702.45 मेगावाट की विंड एनर्जी जुड़ी। वर्तमान में, सी एंड आइ कस्टमर्स सुजलॉन के कुल ऑर्डर बुक का 59 प्रतिशत हिस्सा हैं, जो अब रिकॉर्ड 5.9 गीगावाट तक पहुंच गया है। यह कंपनी के इतिहास में सबसे ज्यादा है।
- **यूनीक कंडीशन में है कंपनी-** सुजलॉन ग्रुप के चीफ एजीक्यूटिव ऑफिसर जेपी चालसानी ने कहा, दशकों के रिन्यूएबल एनर्जी के अनुभव के साथ, सुजलॉन स्टील और भारी उद्योगों जैसे क्षेत्रों के डीकार्बोनाइजेशन को आगे बढ़ाने के लिए यूनीक कंडीशन में है। जैसे-जैसे औद्योगिक विकास तेज हो रहा है, सस्टेनेबल एनर्जी सॉल्यूशंस की जरूरत पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई है। सुजलॉन इनोवेटिव विंड एनर्जी सॉल्यूशंस देने के लिए प्रतिबद्ध है।

नागपुर में शुरू होगा पतंजलि मेगा फूड एंड हर्बल पार्क

1500 करोड़ रुपये के निवेश की है योजना

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत की औद्योगिक प्रगति और कृषि उत्पादों के वैश्विक विस्तार की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, पतंजलि नागपुर के मिहान क्षेत्र में अपना मेगा फूड एंड हर्बल पार्क शुरू करने जा रहा है। यह अत्याधुनिक संयंत्र न केवल किसानों को उनके फलों और सब्जियों का बेहतरीन मूल्य दिलाने में सहायक होगा, बल्कि देश में प्राकृतिक और शुद्ध उत्पादों की मांग को भी पूरा करेगा। नागपुर के मिहान (नागपुर में मल्टी-मॉडल इंटरनेशनल कार्गो हब और एयरपोर्ट) क्षेत्र में पतंजलि मेगा फूड एंड हर्बल पार्क में परिचालन 9 मार्च, 2025 से शुरू होना है। मिहान में फूड प्रोसेसिंग यूनिट के लिए भूमि पूजन का कार्य सितम्बर 2016 में शुरू किया गया था।

पतंजलिक के नागपुर प्लांट में सिटरस और ट्रॉपिकल फल व सब्जियों को प्रोसेस करके जूस, जूस कन्सट्रेट, पल्प, पेस्ट व प्यूरी का उत्पादन होगा। नागपुर पूरे विश्व में ऑरेंज सिटी के नाम से प्रसिद्ध है, यहां सिटरस फ्रूट्स जैसे संतरा, कीनू, मौसम्मी, नींबू इत्यादि की बहुलता है। इसे देखते हुए पतंजलि ने सिटरस प्रोसेसिंग प्लांट स्थापित किया है। इस सिटरस प्रोसेसिंग प्लांट में प्रतिदिन 800 टन फ्रूट प्रोसेस करके फ्रोजन जूस कन्सट्रेट बना सकते हैं। यह जूस 100 प्रतिशत प्राकृतिक है और इसमें किसी भी

प्रकार के प्रिजर्वेटिव या शुगर का प्रयोग नहीं किया जाता।

पतंजलि के नागपुर प्लांट में होगा फलों का प्रसंस्करण- इसके साथ-साथ इस संयंत्र में ट्रॉपिकल फ्रूट्स का भी प्रसंस्करण किया जाता है जिसमें आंवला प्रतिदिन 600 टन, आम प्रतिदिन 400 टन, अमरूद प्रतिदिन 200 टन, पपीता प्रतिदिन 200 टन, सेब प्रतिदिन 200 टन, अनार प्रतिदिन 200 टन, स्ट्रॉबेरी प्रतिदिन 200 टन, प्लम प्रतिदिन 200 टन, नाशपाती प्रतिदिन 200 टन, टमाटर प्रतिदिन 400 टन, लौकी प्रतिदिन 400 टन, करेला प्रतिदिन 400 टन, गाजर 160 टन, एलोविरा 100 टन प्रतिदिन टन प्रोसेस करके वैश्विक विनिर्देश के अनुसार जूस, जूस कन्सट्रेट, पल्प, पेस्ट व प्यूरी का उत्पादन किया जा सकता है। फलों से सीधे प्रोसेसिंग की प्रक्रिया को प्राइमरी प्रोसेसिंग कहते हैं।

कोई भी बाय प्रोडक्ट नहीं होगा वेस्ट

पतंजलि के इस प्लांट की एक और खासियत होगी यहां किसी भी बाय प्रोडक्ट को वेस्ट नहीं जाने दिया जाता। उदाहरण के लिए, संतरे से जूस निकालने के बाद इसके छिलके का पूरा प्रयोग जाता है। इसके छिलके में एक कोल्ड प्रेस तेल होता है जिसकी बाजार में काफी मांग है। इसके अलावा नागपुर ऑरेंज बर्फी में रॉ-मैटिरियल के रूप में प्रयोग होने वाला प्रीमियम पल्प भी पतंजलि संतरे से निकाल रहे हैं इसके साथ ही ऑयल बेस्ड अरोमा और वाटर बेस्ड अरोमा एसेंस भी निकाला जा रहा है। कॉस्मेटिक और अन्य वैल्यू प्रोडक्ट्स बनाने के लिए संतरे के छिलके का पाउडर इस्तेमाल में लाया जाता है। इसके लिए संतरे के छिलके को ड्राइ करके पाउडर बनाने का भी काम यहां होता है। इस प्लांट में ऐसा कोई भी बाय प्रोडक्ट नहीं है जिसे रिकवर न किया जा रहा हो। इसके अतिरिक्त यहां आटा मिल भी स्थापित की गई है जिसमें प्रतिदिन 100 टन गेहूं को प्रोसेस कर पतंजलि के जालना, आंध्रा व तेलंगाना आदि बिस्कुट यूनिट में सप्लाई किया जाता है। इसके लिए पतंजलि गेहूं सीधा किसानों से लेता है।

मंदी का दिख रहा है असर

क्रेडिट कार्ड की संख्या घटकर चार साल के निचले स्तर पर खर्च भी हो रहा कम

नईदिल्ली, एजेंसी। क्रेडिट कार्ड क्षेत्र में मंदी दिख रही है। जनवरी में इसके कार्ड की संख्या घटकर चार साल के निचले स्तर पर आ गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, कुल खर्च में भी गिरावट देखी जा रही है। जनवरी में क्रेडिट कार्ड से कुल खर्च 1.84 लाख करोड़ रुपये रहा, जो दिसंबर, 2024 में 1.88 लाख करोड़ रुपये रहा था। खर्च और लेन-देन में घटती मासिक वृद्धि सतर्क उपभोक्ता भावना का संकेत है। रिपोर्ट के अनुसार, इस गिरावट के बावजूद सालाना आधार पर जनवरी में खर्च में 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई। हालांकि, दिसंबर में खर्च इसलिए बढ़ा

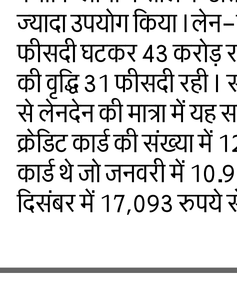

क्योंकि लोगों ने साल के अंत में त्योहारों और नए साल के जश्न के कारण ज्यादा उपयोग किया। लेन-देन का वॉल्यूम भी मासिक आधार पर एक फीसदी घटकर 43 करोड़ रह गया। हालांकि, सालाना आधार पर लेन-देन की वृद्धि 31 फीसदी रही। साथ ही रिपोर्ट के अनुसार, मार्च, 2024 के बाद से लेनदेन की मात्रा में यह सबसे कमजोर वार्षिक वृद्धि थी। जनवरी में क्रेडिट कार्ड की संख्या में 12 लाख की कमी आई है। दिसंबर में 11 करोड़ कार्ड थे जो जनवरी में 10.9 करोड़ रह गए। प्रति कार्ड औसत खर्च भी दिसंबर में 17,093 रुपये से घटकर जनवरी में 16,911 रुपये हो गया।

भारत ने 12 साल बाद जीता चैंपियंस ट्रॉफी का तीसरा खिताब

न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराकर भारत ने रचा इतिहास

दुबई, एजेंसी। गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद कप्तान रोहित शर्मा (76), श्रेयस अय्यर (48) और के एल राहुल (नाबाद 34) की बेहतरीन पारी की बदौलत भारत ने रविवार को फाइनल मुकाबले में छह गेंदे शेष रहते न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराकर तीसरा चैंपियंस ट्रॉफी खिताब अपने नाम किया।

भारत ने 12 साल बाद चैंपियंस ट्रॉफी का तीसरी बार खिताब जीता हैं। इससे पहले वर्ष 2002 और 2013 में भारत ने यह ट्रॉफी जीती थी। मैच में 76 रनों की शानदार पारी खेलने वाले रोहित शर्मा को 'प्लेयर ऑफ द मैच' के खिताब से नवाजा गया। टूनार्मेंट में 263 रन बनाने और तीन विकेट लेने वाले रचिन रविंद्र को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' का पुरस्कार मिला।

252 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत के लिए कप्तान रोहित शर्मा और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरूआत करते हुए पहले विकेट के लिए 105 रनों की साझेदारी की। 19वें ओवर में मिचेल सैंटनर ने धीमी गति से बल्लेबाजी कर रहे शुभमन गिल (31) को आउटकर न्यूजीलैंड को पहली सफलता दिलाई। अगले ही ओवर में माइकल ब्रेसवेल ने विराट कोहली (एक) को पगबाधा कर भारत को दूसरा झटका दिया। 27वें ओवर में रचिन रविंद्र ने रोहित शर्मा को आउट कर भारत का बड़ा झटका दिया। रोहित शर्मा ने 83 गेंदों में सात चौके और तीन छक्के लगाते हुए (76) रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। 39वें ओवर में मिचेल सैंटनर ने श्रेयस अय्यर को आउटकर न्यूजीलैंड को चौथी सफलता दिलाई। श्रेयस अय्यर ने 62 गेंदों में दो चौके और दो छक्के लगाते हुए (48) रन बनाये।

इसके बाद अक्षर पटेल (29) रन बनाकर आउट हुये। आखिरी ओवरों में सूझबूझ के साथ बल्लेबाजी करते हुए के एल राहुल और हार्दिक पंड्या ने न्यूजीलैंड के चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के अरमानों पर पानी फेर दिया। हालांकि इस दौरान 48वें ओवर में हार्दिक पंड्या (18) रन बनाकर आउट हो गये। भारत ने न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराकर चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब अपने नाम किया । 49वें ओवर की आखिरी गेंद पर केएल राहुल ने चौका लगाकर भारत को जीत दिलाई। भारत ने 12 साल के बाद अपना तीसरा चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता है। के एल राहुल (34) और रवींद्र जडेजा (नौ) रन बनाकर नाबाद रहे।

न्यूजीलैंड की ओर से मिचेल सैंटनर और माइकल ब्रेसवेल ने दो-दो विकेट लिये। रचिन रविंद्र और काइल जेमीसन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। बल्लेबाजी करने उतरी विल यंग और रचिन रविंद्र की सलामी जोड़ी ने न्यूजीलैंड के अच्छी शुरूआत करते हुए पहले विकेट के लिए 58 रन जोड़े। आठवें ओवर में वरूण चक्रवर्ती ने विल यंग (15) को पगबाधा आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद 11वें ओवर में कुलदीप यादव ने रचिन रविंद्र (37) को आउट कर न्यूजीलैंड को दूसरा झटका दिया। बल्लेबाजी करने आये डैरिल मिचेल ने केन विलियमसन के साथ पारी संभालने का प्रयास किया। 13वें ओवर में कुलदीप यादव ने केन विलियमसन (16) को अपनी ही गेंद पर कैच आउटकर पवेलियन भेज दिया। 24वें ओवर में रवींद्र जडेजा ने टॉम लेथम (14) को पगबाधा आउट कर भारत के लिये चौथा विकेट झटका। ग्लेन फिलिप्स ने डैरिल मिचेल का बखूबी साथ निभाया।

दोनों के बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट के लिए 57 रनों की साझेदारी हुई। वरूण चक्रवर्ती ने 38वें ओवर में ग्लेन फिलिप्स (34) को बोल्ड कर इस साझेदारी को तोड़ा। 46ओवर में मोहम्मद शमी ने डैरिल मिचेल को आउटकर भारत को बड़ी सफलता दिलाई। डैरिल मिचेल ने 101 गेंदों में तीन चौके लगाते हुये (63) रनों की जूझारू पारी खेली। सातवें विकेट के रूप में 49वें में कप्तान मिचेल सैंटनर(आठ) रनआउट हुये। माइकल ब्रेसवेल ने 40 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के लगाते हुए (नाबाद 53) रनों की पारी खेली। न्यूजीलैंड ने निर्धारित 50 ओवरों में सात विकेट पर 251 रन का स्कोर खड़ा किया। भारत की ओर वरूण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव ने दो-दो विकेट लिये। रविंद्र जडेजा और मोहम्मद शमी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

संक्षिप्त

ऑटिस गिब्सन केकेआर के सहायक कोच बने

कोलकाता, एजेंसी। वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाज ऑटिस गिब्सन को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने आईपीएल 2025 के लिए अपना सहायक कोच बनाया है। वह रयान टेन डेशकाटे की जगह लेंगे, जो अब भारत के सहायक कोच हैं। गत विजेता केकेआर ने हाल ही में अजिंक्य रहाणे को अपना नया कप्तान और वेंकटेश अय्यर को उपकप्तान बनाया था। पिछले साल के उनके मेंटॉर गौतम गंभीर और तेज गेंदबाजी कोच मोर्न मॉर्कल भी भारतीय टीम से जुड़ चुके हैं, जबकि खिताब जिताने वाले कप्तान श्रेयस अय्यर भी अब पंजाब किंग्स के साथ हैं। इससे पहले केकेआर ने ड्वेन ब्रावो को अपना मेंटॉर बनाया था। टीम के मुख्य कोच अभी भी चंद्रकांत पंडित हैं, जबकि बी अरूण, चार्ल क्रो और नेथन लीमॉन कोचिंग स्टाफ के अन्य सदस्य हैं। गिब्सन संन्यास लेने के बाद लगातार कोचिंग की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। 2007 में वह इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीम के गेंदबाजी कोच थे। इसके बाद वह वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कोच बने। इसके बाद वह फिर से इंग्लैंड के गेंदबाजी कोच बने और फिर इसी भूमिका में बांग्लादेश टीम के साथ गए। वह कई फ्रेंचाइजी लीग में भी कोचिंग कर चुके हैं।

वेस्टइंडीज को हराकर भारत आईएमएल 2025 के सेमीफाइनल में

रायपुर, एजेंसी। भारत ने यहां वेस्टइंडीज को सात रन से हराकर अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स लीग (आईएमएल) टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई। मेजबान टीम ने स्टुअर्ट बिन्नी के तीन विकेट और इरफान पठान की अंतिम ओवर में शानदार गेंदबाजी से शनिवार को बड़े स्कोर वाले मुकाबले में रोमांचक जीत दर्ज की इस मुकाबले के साथ सचिन तेंदुलकर बनाम ब्रायन लारा की प्रतिद्वंद्विता एक बार फिर नजर आती लेकिन मेजबान टीम ने अपने दिग्गज खिलाड़ी को आराम दिया। भारत मास्टर्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अंबाती रायुडू (63) और सौरभ तिवारी (60) के अर्धशतक के बाद कार्यवाहक कप्तान युवराज सिंह (नाबाद 49) की तूफानी पारी से तीन विकेट पर 253 रन बनाए।

इसके जवाब में ड्वेन स्मिथ (79) और विलियम पर्किन्स (52) ने पहले विकेट के लिए 121 रन जोड़कर वेस्टइंडीज को तूफानी शुरुआत दिलाई। लेकिन वेस्टइंडीज की टीम जब मजबूत स्थिति में नजर आ रही थी तब बिन्नी ने अपनी शानदार गेंदबाजी से मैच का रुख बदल दिया और वेस्टइंडीज की टीम छह विकेट पर 246 रन ही बना सकी।

रीयल कश्मीर ने आइजोल एफसी को 2-1 से हराया

श्रीनगर, एजेंसी। रीयल कश्मीर एफसी रविवार को यहां आई लीग फुटबॉल प्रतियोगिता में आइजोल एफसी पर 2-1 की जीत के साथ तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई। रीयल कश्मीर की घरेलू मैदान पर यह लगातार पांचवीं जीत है और पिछले पांच मैच में चौथी जीत है। इस जीत के साथ ही रीयल कश्मीर के 18 मैच में 32 अंक हो गए हैं जिससे वह चर्चिल ब्रदर्स और इंटर काशी से दो अंक पीछे हैं। अब जब सिर्फ चार मैच बचे हैं तो खिताब की दौड़ में कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी। वहीं आइजोल एफसी रेलीगेट होने की कगार से बाहर होने का मौका चूक गई और 16 अंक लेकर एससी बेंगलुरु से एक स्थान पीछे 11वें स्थान पर है। सेनेगल के करीम सांब (31वें मिनट) ने रीयल कश्मीर को बढ़त दिलाई। फिर लालरिनजुआला (58वें मिनट) ने सत्र का अपना नौवां गोल करके आइजोल एफसी को बराबरी दिलाई। रीयल कश्मीर के लिए ब्राजील के पाउलो सेजार (77वें मिनट) ने विजेता गोल किया।

सानवी सोमू एमेच्योर एशिया पैसीफिक चैंपियनशिप में संयुक्त 38वें स्थान पर

डा नैंग (वियतनाम), एजेंसी। सानवी सोमू रविवार को यहां महिला एमेच्योर एशिया पैसीफिक गोल्फ चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों के बीच सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए संयुक्त रूप से 38वें स्थान पर रहीं। सानवी ने लगातार दूसरे दौर में एक अंडर 70 का स्कोर बनाया जिससे उनका कुल स्कोर दो ओवर रहा।

पदार्पण कर रही भारत की 14 साल की गुंतास कौर संधू टूर्नामेंट में कट हासिल करने वाली सबसे युवा भारतीय बनीं। उन्होंने अंतिम दौर में सात ओवर 78 के लचर प्रदर्शन के साथ कुल नौ ओवर का स्कोर बनाया और 47वें स्थान पर रहीं। भारत की मन्नत बरार ने भी अंतिम दौर में 78 का निराशाजनक स्कोर बनाया और कुल 10 ओवर के स्कोर से 48वें स्थान पर रहीं। दस साल की उम्र में ऑस्ट्रेलिया जाने वाली और अब अमेरिका में कॉलेज गोल्फ खेल रहीं जीनिथ वोंग महिला एमेच्योर एशिया-पैसीफिक चैंपियनशिप जीतने वाली पहली मलेशियाई खिलाड़ी बनीं। उन्होंने अंतिम दौर में तीन अंडर 68 के स्कोर से कुल 18 अंडर के स्कोर से एक शॉट की बढ़त के साथ खिताब जीता।

2026 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण जीतना चाहते हैं प्रवीण

विजयनगर, एजेंसी। एथलीट प्रवीण चित्रावेल का लक्ष्य अगले साल स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में होने वाले 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतना है। प्रवीण बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 की त्रिकूद स्पर्धा में कांस्य से सिर्फ तीन सेंटीमीटर पीछे रहे थे। वह 16.89 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ इन खेलों में चौथे स्थान पर रहा था जबकि बरमूडा के जाह-एनहाई पेरिनचीफ ने 16.92 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता था। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता प्रवीण का लक्ष्य इस साल 17.37 मीटर के अपने निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार करने का है जिससे वह ग्लास्गो 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में पोडियम में शीर्ष स्थान हासिल कर सकें।

प्रवीण ने कहा, 'मैं अब भी और अधिक उपलब्धियां हासिल करने के लिए प्रयास कर रहा हूं, जैसे ओलंपिक, विश्व कप, विश्व चैंपियनशिप, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल आदि। मैं एशियाई खेलों का पदक विजेता हूं, मैंने राष्ट्रमंडल खेलों में दो सेंटीमीटर (तीन सेंटीमीटर) से पदक खो दिया था। मैंने एशियाई इंडोर चैंपियनशिप का पदक, और युवा ओलंपिक का पदक जीता है।

इस एथलीट ने कहा, 'मुझे भरोसा है कि मैं एशियाई खेल आइची-नागोया 2026 में पदक जीतूंगा पर मैं राष्ट्रमंडल खेलों 2026 में स्वर्ण पदक जीतना चाहता हूं, निश्चित रूप से राष्ट्रमंडल खेलों की वजह से मैं अब भी ठीक से सो नहीं सकता। राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में 23 जुलाई से दो अगस्त 2026 तक किया जाएगा जबकि आइची-नागोया 2026 एशियाई खेल जापान में 17 सितंबर से चार अक्टूबर क होंगे। के प्रवीण ने कहा कि इस वह 2025 में अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'मेरा निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 17.37 मीटर है, यह एक राष्ट्रीय रिकॉर्ड है इसलिए मैं फिर से राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ना चाहता हूं। मैंने 2023 में ऐसा किया था और 2025 में फिर से राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ना चाहता हूं। प्रवीण ने कहा, 'मैं इस साल विश्व इंडोर चैंपियनशिप, एशियाई चैंपियनशिप, विश्व ओपन चैंपियनशिप और फिर डाइमंड लीग पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं।

जयपुर में पांच आईपीएल मैचों के लिए तैयारियां जोरों पर

जयपुर, एजेंसी। आईपीएल 2025 के मुकाबले 22 मार्च से शुरु होने जा रहे हैं। इस बार जयपुर में भी पांच मुकाबले खेले जाएंगे। इन मैचों के लिए सवाई मानसिंह स्टेडियम में भी तैयारियां जोरों से चल रही हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने हाल ही में आईपीएल के लिए कार्यक्रम जारी किया था। इस कार्यक्रम के तहत ही 65 दिन में 74 मैच खेले जाएंगे। आईपीएल को लेकर इस बार बीसीसीआई ने नए नियम भी जारी किये हैं। इनके अनुसार अब खिलाड़ियों के परिवार के सदस्य और दोस्त ड्रेसिंग रूम में नहीं जा सकेंगे। ये नियम अभ्यास के दौरान भी लागू रहेगा। इसके साथ ही टूर्नामेंट में खिलाड़ियों को टीम बस से ही यात्रा करनी होगी।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक बीसीसीआई ने सभी फ्रेंचाइजियों को स्पष्ट रुप से आदेश दिया है कि परिवार के अलावा अभ्यास मैच के दौरान केवल मान्यता प्राप्त स्टाफ ही ड्रेसिंग रूम और खेल के मैदान पर जा सकेंगे, इन बातों के अलावा बीसीसीआई ने मैच के दिन के नियम भी नियम तय किए हैं जिसके अनुसार मैच के दौरान एलईडी बोड्र्स के सामने बैठने की अनुमति नहीं होगी, खिलाड़ियों को ऑरेंज और पर्पल कैप पहननी होगी।

परिवार और दोस्त अलग वाहन से यात्रा करेंगे और हॉस्पिटैलिटी एरिया से अभ्यास देख सकते हैं, साथ ही मैच से पहले अभ्यास करने

जूनियर विश्व कप निशानेबाजी की मेजबानी करेगा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत इस साल 24 सितंबर से 2 अक्टूबर तक जूनियर विश्व कप निशानेबाजी की मेजबानी करेगा। विश्व कप निशानेबाजी में राइफल, पिस्टल और शॉटगन की प्रतियोगितायें। यह हाल के दिनों में का तीसरा शीर्ष अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) का टूर्नामेंट होगा जो भारत में आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रीय महासंघ के अध्यक्ष कलिकेश नारायण सिंह देव ने कहा, ''पिछले महीने रोम में आईएसएसएफ की कार्यकारी समिति की एक सार्थक बैठक हुई थी और सभी सदस्य महासंघों के अलावा आईएसएसएफ अध्यक्ष लुसियानो रॉसी ने भारत की शीर्ष अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी प्रतियोगिताओं की मेजबानी करने और खेल को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाने में सहायता करने के तरीके की प्रशंसा की थी।''उन्होंने कहा, ''हमें तब इसकी उम्मीद थी पर अब जब मेजबानी मिलने की आधिकारिक पुष्टि हो गई है तो हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए उत्साहित हैं।' वहीं भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के महासचिव सुल्तान सिंह ने कहा, ''आईएसएसएफ ने अपने पत्र में हमसे दो संभावित समय की पुष्टि करने का अनुरोध किया है जिसमें एक सितंबर-अक्टूबर में और दूसरा अक्टूबर के अंत तथा नवंबर की शुरुआत के दौरान है। हम आंतरिक रूप से बैठक के बाद शीघ्र ही उन्हें इसके बारे में बताएंगे जिससे सदस्य महासंघ इसके अनुसार तैयारी कर सकें।'' इससे पहले भारत ने दो महाद्वीपीय चैंपियनशिप और छह आईएसएसएफ प्रतियोगिताओं की

न्यूजीलैंड की महिला टीम ने श्रीलंका को 98 रनों हराया

नेल्सन, एजेंसी। जॉर्जिया प्लिमर (112) की शतकीय और कप्तान सूजी बेट्स (53) की अर्धशतकीय पारियों के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर न्यूजीलैंड की महिला टीम ने रविवार को दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में श्रीलंका को 98 रनों से हरा दिया। इसी के साथ न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली हैं।

281 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 57 के स्कोर तक अपने चार विकेट गवां दिये थे। विशमी गुणरत्ने (छह), कप्तान चामरी अट्टापटू (पांच), को हर्षिता समरविक्रमा (आठ) को जेस केर ने आउट किया और इमेशा दुलानी (11) रन बनाकर आउट हुई। इसके बाद कविशा दिलहारी और नीलाक्षिका सिल्वा ने पारी संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट के लिए 46 रनों की साझेदारी हुई। 30वें ओवर में ब्रुक हैलीडे ने कविशा दिलहारी (45) को बोल्ड कर इस साझेदारी को तोड़ा। अनुष्का संजीवन (23) रन बनाकर आउट हुई। 44वें ओवर में ईडन कार्सन ने एक छोर थामे खड़ी नीलाक्षिका सिल्वा (45) को आउट कर न्यूजीलैंड की जीत पक्की कर दी। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए श्रीलंकाई बल्लेबाजों को खुलकर रन नहीं बनाने दिये। न्यूजीलैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे श्रीलंका की पूरी टीम 50 ओवर में 182 के स्कोर पर सिमट गई। इस जीत के साथ ही न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली हैं।

न्यूजीलैंड की ओर से जेस केर और फ्रान जोनास ने तीन-तीन विकेट लिये। ईडन कार्सन को दो विकेट मिले। ब्रुक हैलीडे और मैडी ग्रीन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी जॉर्जिया प्लिमर और कप्तान सूजी बेट्स की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 108 रन जोड़े। 22वें ओवर में सचिन निसानसाला ने सूजी बेट्स को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा।

सचिनी निसानसाला ने 69 गेंदों में 53 रन बनाये। एम्मा मैकलियोड (चार) रन बनाकर आउट हुई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी ब्रुक हैलीडे ने प्लिमर का बखूबी साथ निभाया। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 60 रनों की साझेदारी हुई। 39वें ओवर में सुगंधिका कुमारी ने ब्रुक हैलीडे (36) को आउट कर इस साझेदारी को अंत किया। 45वें ओवर में सुगंधिका कुमारी ने शतक बना चुकी जॉर्जिया प्लिमर को भी आउट कर पेवलियन भेज दिया।

डब्ल्यूपीएल

यूपी वरियर्ज ने डब्ल्यूपीएल इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर पांच विकेट पर 225 रन बनाया

मुझे नहीं लगता कि हम कभी मैच में दबाव में थे : दीप्ति

लखनऊ, एजेंसी। आठ मैचों में केवल तीन जीत और डब्ल्यूपीएल की तालिका में चौथा स्थान कोई भी हासिल नहीं करना चाहेगा, लेकिन शनिवार को लखनऊ में अंतर्राष्ट्रीबय महिला दिवस के मौके पर अपना आखिरी लीग मुक़ाबला खेल रही यूपी वरियर्ज (यूपीडब्ल्यू) ने ऐसा कारनामा करके दिखाया जिसको सालों-साल याद रखा जाएगा।

पहले उन्हों ने जॉर्जिया वॉल की नाबाद 99 रनों की पारी से डब्ल्यूपीएल इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर पांच विकेट पर 225 रन बनाया। इसके बाद मात्र 12 रनों से यह मैच जीतकर खुद के साथ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की भी टूर्नामेंट से विदाई करा दी।

13 रन से मिली इस रोमांचक जीत के बाद यूपीडब्ल्यू की कप्तान दीप्ति शर्मा ने कहा, "मुझे लगता है कि हम पर कोई दबाव नहीं था। आप देखें अगर मैंने वॉल को अंतिम ओवर थमाया, क्योंहकि वह बिगबैश लीग में भी ऐसा कर चुकी हैं और उन्हों ने स्कोंर का बचाव करके दिखाया है।

यूपीडब्ल्यू की टीम नीलामी के समय आक्रामक बल्लेबाजों से भरी नजर आ रही थी, जहां पर ग्रेस हैरिस, जॉर्जिया वॉल, किरण नवगिरे जैसी बल्लेंबाज थी तो उनके पास दुनिया की नंबर एक गेंदबाज सोफ़ी एकलस्टॉन भी थी। खुद दीप्ति भी दुनिया की बेहतरीन ऑलरांडरों में से एक हैं और इस बार तो वह कप्ता नी भी कर रही थीं। लेकिन बल्ले बाजी क्रम में छेड़छाड़ उनके लिए कहीं ना कहीं मुसीबत साबित हुई।

इस पर दीप्ति ने कहा, "जब टीम जीतती है तो सारी चीजें अच्छीं लगती हैं। हमने पिछले मैच में भी यही कॉम्बिनेशन भेजा था, । हमें लग रहा था कि हम मध्य क्रम में थोड़ा पिछड़ रहे थे लेकिन आज हमने हर बॉक्सन को टिक किया है।"

अपनी कप्ता नी के बारे में उन्हौंने कहा, "यह मौका जो मुझे मिला है, उसमें अलग चुनौतियां हैं। कब किस बल्लेकबाज को भेजना है और कब गेंद किसको थमानी है, यह सब बहुत ध्यान रखना पड़ता है। शिनेल (हेनरी) और क्रांति(गौड़) ने काफी अच्छाय किया है। तो हमने लगभग अच्छाश ही किया है।"

225 रनों का बचाव करना आसान होता है लेकिन जब सामने वाली टीम की बल्ले बाज आक्रामक हो जाएं और वह लगातार प्रहार करती जाएं तो फरि एक समय पर आकर मुश्किल खड़ी हो जाती है। लेकिन दीप्ति ने इस मैच का कोई दबाव नहीं लिया।

उन्हौंने कहा, "दबाव तो नहीं था, लेकिन हमें अच्छे स्तहर पर अपना मैच खत्म करना था और अच्छां क्राउड भी आया था। मैंने बस टीम से यही कहा था कि हमें बस लुत्फ लेना है। हम जैसी शुरुआत चाहते थे, वह हमको नहीं मिल पाई लेकिन सभी ने अपना चरित्र दिखाया।

ऋचा एक समय बहुत ही आक्रामक बल्लेमबाजी कर रही थीं, जहां से लक्ष्य के करीब आना आसान लग रहा था। उसी समय पर कप्ताकन दीप्ति ने उनको डीप मिडविकेट पर कैच आउट करा दिया। जब उनसे इस विकेट के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह कोई टर्निंग प्वा इंट नहीं था।

उन्होंने कहा, "हम लोग एक राज्यन और अब एक देश के लिए भी खेल रहे हैं, तो मैंने अपनी ताकत पर काम किया, मैंने यही सोचा जहां फील्ड है उसी ओर गेंदबाजी करनी है और वहीं पर मुझे सफलता मिल गई है। इस टूर्नामेंट के सफर के बारे में जब दीप्ति से पूछा गया तो उन्हों ने बहुत ही सहजता से इसका जवाब दिया।

उन्होंनि कहा, " कोई एक टर्निंग प्वातइंट नहीं था। सर्वाधिक स्कोसर हमारा रहा, सर्वाधिक व्यछक्तिगत स्कोंर हमारा रहा, चेज में हम जीते और सुपर ओवर में हम जीते। मैं पूरा क्रेडिट टीम को देना चाहती हूं।

अगर इस मैच में ओस होती तो हम मुश्किल में होते, लेकिन हमने कुछ अधिक रन बनाए जिससे हमें कुशन मिला।

कला, संस्कृति और शिक्षा का संगम आयरलैंड

योरप के पश्चिमी छोर पर स्थित नन्हा-सा देश रिपब्लिक ऑफ आयरलैंड जहां अपने सुदीर्घ इतिहास और कला-संस्कृति के लिए जाना जाता है, वहीं शिक्षा के लिहाज से भी यह विदेशी विद्यार्थियों को आकर्षित कर रहा है। आयरलैंड की कला और संस्कृति को योरप क्या, संपूर्ण विश्व में आदर के साथ देखा जाता है। बड़े-बड़े साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं में यहां के जीवन, प्राकृतिक सौंदर्य, संस्कृति एवं सभ्यता का बखूबी बखान किया है। आयरिश संगीत एवं नृत्य को भला कौन नहीं जानता! यहां के प्राचीन किले वास्तुकला का बखान करते हैं।

आयरलैंड को उसकी उन्नात शिक्षा प्रणाली के लिए भी जाना जाता है। दीर्घकाल से यहां विदेशी विद्यार्थियों की उपस्थिति रही है। यहां सरकारी विश्वविद्यालयों एवं कॉलेजों के अलावा बड़ी संख्या में गैर-सरकारी कॉलेज एवं टेक्निकल इंस्टीट्यूट मौजूद हैं। डबलिन का ट्रिनिटी कॉलेज आयरलैंड का प्राचीनतम विश्वविद्यालय है। इसकी स्थापना 1592 में की गई थी।

शोध में शीर्ष पर

विश्व के सभी देशों में आज शोध कार्यों को वरीयता दी जा रही है। आयरलैंड भी इससे अछूता नहीं है। शोध कार्यों को यहां प्रोत्साहित किया जाता है। शिक्षण संस्थानों का प्रयास रहता है कि इस काम में किसी भी तरह की अड़चन न आए। यहां से शोध कार्य करके निकले विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों में शीर्ष मुकाम हासिल करने में सफल हुए हैं। आयरलैंड के कॉलेजों एवं विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों के मध्य प्रतिस्पर्धात्मक माहौल स्पष्ट रूप से देखने को मिलता है। विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत करके अपने आप को शैक्षणिक प्रतिस्पर्धा में बनाए रखना होता है।

विषयों की बहुलता

आयरलैंड में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक विद्यार्थियों के सामने विषय का चयन कोई आसान काम नहीं है। विषयों की अधिकता और सभी में उत्कृष्ट शिक्षा उन्हें अनेक विकल्प उपलब्ध कराती है। मसलन, आयरलैंड और साहित्य के बीच गहरा नाता है। यहां का लगभग प्रत्येक नागरिक कहीं-न-कहीं साहित्य के प्रति गहरी आस्था रखता है। यहां के कई साहित्यकारों ने विश्व साहित्य पर अपनी छाप छोड़ी है। विदेशी विद्यार्थी हों या स्थानीय, दोनों ही लिटरेचर कोर्सेस में खासी दिलचस्पी दिखाते हैं। आयरलैंड ने एक ओर जहां आधुनिक तकनीक को अपनाया है, वहीं अपनी प्राचीन परंपराओं को भी सहेजकर रखा है। शिक्षण संस्थानों में गौरवशाली प्राचीन संस्कृति से संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, वहीं हर आधुनिक तकनीक विद्यार्थियों को मुहैया कराई जाती है। यहां के समस्त शिक्षण संस्थानों में कम्प्यूटर एजुकेशन पर विशेष जोर दिया जाता है। साहित्य एवं टेक्नोलॉजी तो स्थानीय एवं विदेशी विद्यार्थियों की वरीयता सूची में हैं ही, लेकिन अब कम्यूनिकेशन और इतिहास विषय भी इस सूची में शामिल हो गए हैं। इन विषयों में विद्यार्थियों को आधुनिकतम तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराई जाती है।

अन्य सुविधाएं

अगर आप आयरलैंड में पढ़ाई के साथ-साथ काम भी करना चाहते हैं, तो इसके लिए आपको उस संस्थान की अनुमति लेनी होगी, जहां आपने प्रवेश लिया है। निर्धारित नियमों के अंतर्गत सोच-विचार करके आपको सप्ताह में कुछ घंटे तक जॉब करने की अनुमति मिल सकती है।

यूं बढ़ रही है स्किल्ड ब्रांड मैनेजर्स की मांग

आज भारतीय उपभोक्ताओं के पास हर उत्पाद के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं, क्योंकि हर कंपनी अपने प्रोडक्ट को प्रमोट करने के लिए ग्राहक को आकर्षित करने की कोशिश करती है। इस पूरी प्रक्रिया में ब्रांडिंग की बड़ी भूमिका होती है।

उपभोक्ता के मन में एक प्रोडक्ट की स्थायी जगह बनाने में ब्रांडिंग का बड़ा हाथ होता है। हर बड़ी कंपनी अपने प्रोडक्ट और सर्विसेज को बाजार में प्रमोट करने के लिए ब्रांड मैनेजर्स को हायर करती है। ब्रांडिंग प्रक्रिया में नए उत्पाद के लॉन्च होने से लेकर उसे उपभोक्ता की जिंदगी का अहम हिस्सा बनाने तक की रणनीति शामिल होती है। हर कंपनी अपने प्रोडक्ट और सर्विसेज की ब्रांडिंग के लिए ऐसे लोगों को हायर करना चाहती है, जिनके पास प्रमोशन के विभिन्न आइडियाज हों। अगर आप भी इस तरह के करियर ऑप्शन की तलाश में हैं, तो ब्रांड मैनेजमेंट आपके लिए आदर्श करियर बन सकता है।

कैसे करें शुरूआत?

ब्रांड मैनेजमेंट में करियर बनाने के लिए आप ग्रेजुएशन के बाद ब्रांड मैनेजमेंट से एमबीए करके स्पेशलाइजेशन हासिल कर सकते हैं। इसके अलावा एमबीए-मार्केटिंग से स्पेशलाइजेशन करके इस करियर को शुरू किया जा सकता है।

करियर की संभावनाएं

ब्रांड मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रेजुएशन करने के बाद फ्रेशर्स को एंट्री लेवल पर असिस्टेंट ब्रांड मैनेजर की जॉब मिल सकती है। अपने अच्छे आइडियाज, परफॉर्मेंस और इनोवेशन से उम्मीदवार मिड लेवल तक पहुंच सकते हैं यानी ब्रांड मैनेजर बन सकते हैं।

किस एरिया में जॉब?

प्रतिभाशाली और स्किल्ड ब्रांड मैनेजर्स की मांग फार्मास्यूटिकल, मोबाइल, इंश्योरेंस, हेल्थकेयर कंपनियों, मीडिया हाउसेस, ऑटोमोबाइल कंपनीज वगैरह में काफी है। बढ़ती प्रतिस्पर्धा को देखते हुए हर कंपनी अपने प्रोडक्ट की ब्रांडिंग आकर्षक तरीके से करनी चाहती है।

कितना पैकेज?

इस इंडस्ट्री में फ्रेशर्स का स्टार्टिंग सैलेरी पैकेज तीन से साढ़े तीन लाख प्रति वर्ष हो सकता है। सैलेरी पैकेज इस बात पर भी निर्भर करता है कि आप कौन-से संस्थान में और किस शहर में काम कर रहे हैं।

ये गुण जरूरी

ब्रांड मैनेजर बनने के लिए एक व्यक्ति को न मोटिवेटेड और बड़ी जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार रहना जरूरी होता है।

- अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स होनी चाहिए।
- सुपरविजन, प्रॉब्लम सॉल्विंग और प्लानिंग स्किल्स में भी आगे होने चाहिए।
- उम्मीदवार किस तरह के आइडियाज के साथ प्रोडक्ट की ब्रांडिंग कितने क्रिएटिव तरीके से करते हैं और उसका कैसा रिस्पांस मिलता है, यह भी बहुत मायने रखता है।

दवा मार्केटिंग के मास्टर

फार्मास्युटिकल उद्योग तेजी से बढ़ने वाले उद्योगों में से एक है। शानदार ग्रोथ की वजह से इसमें नौकरियां भी तेजी से बढ़ी हैं। अगर आप साइंस बैकग्राउंड के हैं और सेल्स तथा कस्टमर को मैनेज करने का हुनर रखते हैं, तो मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के रूप में करियर की बेहतरीन शुरूआत कर सकते हैं। भारत का फार्मा सेक्टर 13-14 फीसदी सालाना की दर से ग्रो कर रहा है। मेडिकल फील्ड में हो रही गतिविधियों के कारण मेडिसिन मार्केट भी कमर्शियल रूप से काफी आगे बढ़ रहा है। एफडीआई के बाद से इसमें और विस्तार होने की उम्मीद की जा रही है। कई विदेशी कंपनियां अपने उत्पादों का पेटेंट कराकर भारत में कारोबार करने आ रही हैं। इससे घरेलू फार्मा इंडस्ट्री और तेजी से विकसित हो रही है। इसे देखते हुए कहा जा सकता है कि आने वाले दिनों में इस फील्ड में मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स के लिए जॉब्स की कमी नहीं होगी।

मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स फार्मास्युटिकल कंपनीज और हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स के बीच की कड़ी होते हैं। वे उत्पादों को एक रणनीति के साथ बाजार में प्रमोट करते हैं। वन-टु-वन के अलावा वे ग्रुप इवेंट्स ऑर्गेनाइज कर दवाइयों के प्रति जागरूक करते हैं। फार्मास्युटिकल कंपनीज मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स को नियुक्त करती हैं, ताकि वे कस्टमर्स और डॉक्टर्स को अपने प्रोडक्ट की उपयोगिता के प्रति संतुष्ट कर सकें। इस तरह मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव दवाइयों की मार्केटिंग में एक अहम भूमिका निभाते हैं। अलग-अलग दवा कंपनियां अपने यहां नियुक्ति के बाद कैंडिडेट्स को स्पेशल स्किल डेवलपमेंट की ट्रेनिंग देती हैं। उन्हें एनाटॉमी, फिजियोलॉजी, फार्माकोलॉजी, सेल्समैनशिप की ट्रेनिंग के अलावा डॉक्टर्स की प्रोफाइल, उत्पादों की जानकारी और फील्ड ट्रेनिंग दी जाती है, जिसके तहत सैलिंग टेक्नीक्स बताई जाती हैं। फील्ड ट्रेनिंग के दौरान फ्रैश ग्रेजुएट्स को किसी सीनियर मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के अधीन काम करना होता है।

जरूरी स्किल्स

मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव बनने के लिए आपके पास मेडिकल फील्ड, मैनेजमेंट और मेडिसिन की संपूर्ण जानकारी होनी चाहिए। आपको मानव शरीर और दवा में इस्तेमाल होने वाले रासायनिक तत्वों की भी जानकारी रखनी होगी। ऐसे में आपके पास कम्युनिकेशन स्किल्स के साथ-साथ अंग्रेजी-हिंदी की अच्छी जानकारी होनी चाहिए। इस फील्ड में काम के कोई तय घंटे नहीं होते हैं, इसलिए आपको इसके लिए पहले से तैयार रहना होगा। खुद को फिजिकली भी फिट रखना होगा।

एजुकेशनल क्वॉलिफिकेशन

फार्मा बिजनेस मैनेजमेंट में बीबीए या एमबीए, फार्मास्युटिकल एंड हेल्थकेयर मार्केटिंग में पीजी डिप्लोमा, फार्मा मार्केटिंग में डिप्लोमा या पोस्ट ग्रेजुएशन डिप्लोमा कोर्स करने के बाद आप इस फील्ड में आगे बढ़ सकते हैं। इसके अलावा, सेलिंग और मार्केटिंग की स्किल रखने वाले साइंस ग्रेजुएट्स भी एंट्री ले सकते हैं। आज कई विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में इससे संबंधित कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। कुछ संस्थानों में फार्मा बिजनेस मार्केटिंग से संबंधित कोर्स भी शुरू हो चुके हैं। डिप्लोमा कोर्स करने के लिए आपको साइंस के साथ 12वीं पास होना जरूरी है। पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा में प्रवेश के लिए स्टूडेंट्स के पास बीएससी, बीफार्मा की डिग्री होनी चाहिए। 12वीं (मैथ्स और बायोलॉजी) के बाद बीबीए (फार्मा बिजनेस) में दाखिला लिया जा सकता है।

सैलरी पैकेज

सामान्य तौर पर शुरूआती वेतन 10 से 20 हजार रुपए तक होता है लेकिन अनुभव के आधार पर आमदनी में इजाफा होता रहता है। कुछ अनुभव हासिल करने के बाद 30 से 40 हजार रुपए प्रतिमाह आसानी से हासिल किए जा सकते हैं। पांच या सात साल के अनुभव के बाद वेतन लाखों में हो सकता है। इसके अलावा, आपके परफॉर्मेंस के आधार पर समय-समय पर इंसेंटिव सहित कई तरह की सुविधाएं दी जाती हैं। सेल्स टारगेट अचीव करने वालों को कई बार ब्रांड मैनेजमेंट जैसी जिम्मेदारी तक सौंप दी जाती है। इससे आपकी आमदनी बढ़ने के साथ-साथ मार्केट में एक अलग पहचान बनती है।

तरक्की की संभावनाएं

सेल्स परफॉर्मेंस और कस्टमर्स को मैनेज करने का हुनर रखने वाले मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव फार्मास्युटिकल मार्केटिंग में शानदार करियर बना सकते हैं। जो लोग कंपनी के टारगेट को समय-समय पर अचीव करते चलते हैं, उन्हें प्रमोशन मिलने में भी देर नहीं लगती है। आप एरिया मैनेजर, रीजनल या जोनल मैनेजर, डिवीजनल सेल्स मैनेजर, डिवीजनल कंट्रोलर, डिप्टी मार्केटिंग मैनेजर के अलावा मार्केटिंग मैनेजर के रूप में प्रमोशन पा सकते हैं। मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के अलावा, मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव, प्रोडक्ट एग्जीक्यूटिव, बिजनेस एग्जीक्यूटिव के रूप में काम करने का पूरा अवसर है। एमबीए या फार्मेसी की डिग्री रखने वाले एरिया मैनेजर, सर्कल मैनेजर, प्रोडक्ट मैनेजर, ग्रुप प्रोडक्ट मैनेजर, क्वॉलिटी कंट्रोल मैनेजर, ब्रांड मैनेजर या मैनेजमेंट ट्रेनी के रूप में दवा कंपनियों के साथ जुड़ सकते हैं। इन कंपनियों में एक-दो साल का अनुभव रखने वाले मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स को इंटरव्यू के आधार पर नियुक्त किया जाता है। इसके अलावा, समय-समय पर अखबारों में और वेब साइट्स पर भी विज्ञापन निकलते रहते हैं।

मेघा बरसेंगे में शॉकिंग अवतार में लौटे किंशुक महाजन

टीवी शो मेघा बरसेंगे में किंशुक महाजन अब एक नए और शॉकिंग अवतार में नजर आएंगे। इस शो में कभी चालाक और बेहद खतरनाक रहे मनोज में अब एक बच्चे की मानसिकता वाला व्यक्ति नजर आ रहा है। लेकिन क्या मेघा इस बात को अपना पाएंगी या नहीं।

क्या वाकई में बदल गया है मनोज

मेघा बरसेंगे में एक चालाक खलनायक रहे मनोज अब पूरी तरह से बदले नजर आए। मनोज के स्वभाव में अब बिल्कुल एक बच्चे की मानसिकता वाला व्यक्ति नजर आ रहा है। लेकिन मोनज के स्वभाव में यह बदलाब मेघा (नेहा राणा) और अर्जुन (नील भट्ट) के लिए एक नई चुनौती लेकर आती है, जो उनके नाजुक रिश्ते को और भी जटिल बना देती है। मेघा, जो पहले मनोज की याददाश्त खोने की बात पर शक करती है, लेकिन फिर धीरे-धीरे समझ जाती है कि मनोज अब सचमुच बदल गया है। लेकिन जब मेघा, मनोज की मासूमियत का इस्तेमाल अर्जुन को जलाने के लिए करती है, तो क्या वह अब सब कुछ खो देगी, जो उसके लिए अनमोल है?

किंशुक महाजन

इस शो में अपने कमबैक के बारे में किंशुक महाजन ने कहा, अभिनेताओं को एक ही शो में अलग तरह के दो किरदार निभाने का मौका शायद ही मिलता होगा। एक खलनायक से लेकर एक ऐसे व्यक्ति तक का सफर, जिसका दिमाग बचपन में अटक गया हो। मेरे लिए यह नया अवतार रोमांचक और चुनौतीपूर्ण दोनों ही है। आगे किंशुक ने कहा, यह सिर्फ एक किरदार का बदलाव नहीं है बल्कि यह एक बिल्कुल नया किरदार है, जिसके लिए एक अलग सोच, ऊर्जा और समझ की जरूरत है। मनोज के किरदार में मैंने वास्तविक जीवन के केस स्टडीज देखी, ताकि मैं समझ सकूं कि भावनात्मक रूप से समय में ठहर जाना क्या होता है।

अपने किरदार मनोज के बारे में किंशुक की राय

किंशुक ने कहा, मुझे सबसे ज्यादा उत्साह इस बात का है कि मनोज एक अप्रत्याशित किरदार है। मुझे यकीन है कि मनोज की वापसी कहानी को अनोखा रूप देगी। मुझे उम्मीद है कि दर्शक शो के इस नए अवतार को उतना ही पसंद करेंगे, जितना मुझे इसे निभाने में आया। मेघा बरसेंगे एक ड्रामा सीरीज है, जिसका प्रीमियर 6 अगस्त 2024 को कलर्स टीवी पर हुआ था। सौरभ तिवारी द्वारा निर्मित इस शो में नेहा राणा, नील भट्ट और किंशुक महाजन महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। इस शो को आप हर रोज शाम सात बजे कलर्स पर देख सकते हैं।

लंबे एक्टिंग करियर के बाद भी साइड रोल देते हैं प्रोडक्शन हाउस

ज्योतिका ने हिंदी और साउथ दोनों ही लैंग्वेज की फिल्मों में एक्टिंग की है। हाल ही में ओटीटी पर स्ट्रीम हुई वेब सीरीज 'डिब्बा कार्टेल' में वह नजर आईं। इस वेब सीरीज में उनका रोल काफी चैलेंजिंग है। लेकिन अब तक के करियर में जो रोल उन्हें ऑफर हुए हैं, उससे उन्हें कहीं ना कहीं कुछ शिकायत भी है।

हीरो के सामने साइड रोल मिले

ज्योतिका ने हाल ही में बॉलीवुड बबल को दिए गए इंटरव्यू में बताया कि एक लंबे एक्टिंग करियर के बाद भी उन्हें जब बड़े फिल्म मेकर्स, प्रोडक्शन हाउस कोई रोल देते हैं तो वह हीरो के सामने साइड रोल जैसा होता है। यह बहुत ही खराब बात लगती है। ज्योतिका को समझ नहीं आता है कि ऐसे फिल्म मेकर्स करते क्यों हैं?

डिब्बा कार्टेल में उम्दा एक्टिंग

वेब सीरीज 'डिब्बा कार्टेल' में शबाना आजमी के साथ ज्योतिका को काम करने का मौका मिला है। यह सीरीज 28 फरवरी को ओटीटी पर स्ट्रीम हुई है। अपने रोल में ज्योतिका ने जान डाल दी है। लेकिन सीरीज से पहले शबाना ही नहीं चाहती थी कि ज्योतिका को रोल में लिया जाए। इस बात का खुलासा शबाना ने कुछ दिन पहले किया था।

शबाना ने बाद में एक्टिंग को सराहा

पिछले दिनों 'डिब्बा कार्टेल' के एक इवेंट में शबाना आजमी ने ज्योतिका से माफी मांगी। दरअसल, शबाना ने बताया कि वह दूसरी किसी एक्ट्रेस को ज्योतिका वाले रोल के लिए सजेस्ट कर रही थीं। लेकिन बाद में ज्योतिका की एक्टिंग देखकर वह उनकी कायल हो गईं। वेब सीरीज 'डब्बा कार्टेल' की बात की जाए है तो इसकी कहानी कुछ ऐसी महिलाओं के इर्द-गिर्द घूमती है जो एक ड्रग माफिया चला रही हैं, लेकिन आम लोग उन्हें सिर्फ टिफिन सर्विस देने वाली महिलाएं समझते हैं। इस शो में शबाना आजमी, ज्योतिका के अलावा शालिनी पांडे, अंजलि आनंद और निमिषा सजयन जैसी एक्ट्रेस भी नजर आएंगी।

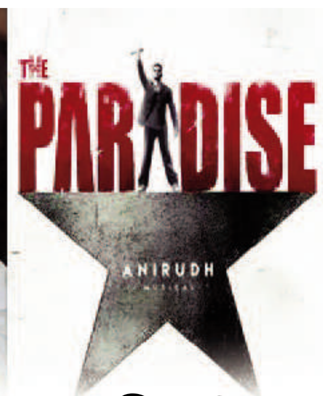

अगले साल रिलीज होगी नानी स्टारर द पैराडाइज

निर्देशक श्रीकांत ओडेला की बहुप्रतीक्षित एक्शन-थ्रिलर 'द पैराडाइज' की रिलीज डेट सामने आ चुकी है। फिल्म में नेचुरल स्टार नानी मुख्य भूमिका में हैं। निर्माताओं ने फिल्म से जुड़े एक वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए बताया कि फिल्म अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी। निर्माताओं ने एक वीडियो के साथ बताया कि एक्शन फिल्म अगले साल 26 मार्च को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म 'द पैराडाइज' के निर्माताओं ने प्रशंसकों के साथ एक वीडियो भी शेयर किया, वीडियो की शुरुआत एक कमेंट्री से होती है। महिला की आवाज है। वह कहती है, हर किसी ने तोते और कबूतर के बारे में लिखा है। फिर भी किसी ने कौवों की कहानी लिखने की हिम्मत नहीं की। यह उन कौवों की कहानी है, जो उत्पीड़न का शिकार हुए। महिला आगे कहती है, युगों से भटकती बेचैनी की गाथा। एक ऐसी जाति की कहानी जिसे मां के स्तन में दूध की जगह खून मिला। एक चिंगारी ने पूरे समुदाय में वीरता की चिंगारी जलाई। कौवे, जो कभी तिरस्कृत थे, उन्होंने तलवारों को हाथ में थामा। यह मेरे बेटे की कहानी है, जिसने सबको एकजुट किया और नेता बनकर उभरा। टीजर से यह स्पष्ट होता है कि फिल्म समाज से बहिष्कृत एक उत्पीड़ित वर्ग की कहानी है, जो बलवान नेता के नेतृत्व में अपनी लड़ाई लड़ता है।

द पैराडाइज के लिए दर्शक बेहद उत्साहित नजर आए। फिल्म निर्माता श्रीकांत ओडेला नानी के साथ दूसरी बार काम कर रहे हैं। दोनों इससे पहले 'दसारा' में साथ काम कर चुके हैं। फिल्म में नानी के साथ अभिनेत्री कीर्ति सुरेश अहम भूमिका में थीं। 'द पैराडाइज' के निर्माता सुधाकर चेरुकुरी हैं। इस फिल्म में देश के सबसे लोकप्रिय संगीत निर्देशकों में से एक अनिरुद्ध रविचंदर ने संगीत दिया है। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी जीके विष्णु ने की है और संपादन नवीन नूली करेंगे। विनय सागर जोन्नाला फिल्म के मुख्य सह-निर्देशक हैं, जबकि संवाद थोटा श्रीनिवास और अज्जू महाकाली ने लिखे हैं।

जान्हवी कपूर और राम चरण 'आरसी 16' के अगले शेड्यूल के लिये तैयार!

बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर साउथ इंडियन अभिनेता राम चरण के साथ आगामी फिल्म 'आरसी 16' में व्यस्त हैं। फिल्म की शूटिंग हैदराबाद में पहले ही शुरू हो चुकी हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनो अब फिल्म के अगले शेड्यूल के लिए कमर कस रहे हैं। आइए जानते हैं फिल्म का अगला शेड्यूल किस शहर में शूट होगा।

इस शहर में शूट होगा अगला शेड्यूल

फिल्मफेयर की रिपोर्ट के मुताबिक राम चरण और जान्हवी की फिल्म का अगला शेड्यूल कथित तौर पर नई दिल्ली में होने वाला है। हालांकि, फिल्म की टीम या अभिनेताओं की ओर से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई हैं। इसे लेकर सिर्फ अटकलें लगाई जा रही हैं। एआर रहमान इस फिल्म के लिए संगीत तैयार कर रहे हैं। फिल्म के रिलीज की तारीख अभी तक तय नहीं हुई है।

अभिनेत्री प्रीति शुक्ला जल्द ही हुमा कुरैशी के साथ फिल्म बयान में आएंगी नजर

टेलीविजन, वेब सीरीज और फिल्मों में अपनी शानदार अदाकारी से पहचान बना चुकीं वर्सटाइल एक्ट्रेस प्रीति शुक्ला जल्द ही बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी के साथ आगामी फिल्म बयान में नजर आने वाली हैं। अपने अभिनय के जुनून और हर माध्यम में खुद को साबित करने की चाहत के चलते प्रीति ने हमेशा चुनौतीपूर्ण किरदारों को चुना है। प्रीति शुक्ला ने अपने अभिनय करियर में कई दमदार भूमिकाएं निभाई हैं। उन्होंने सोनी सब के चर्चित शो मैडम सर, एंड टीवी के बेगूसराय, और एमएक्स प्लेयर की लोकप्रिय वेब सीरीज माधुरी टॉकीज में अपने अभिनय से दर्शकों के दिलों में जगह बनाई। इसके अलावा, उनकी तेलुगु फिल्म बिग ब्रदर और हिंदी फिल्म एक अंक को भी खूब सराहना मिली। सिर्फ एक्टिंग ही नहीं, बल्कि प्रीति फैशन इंडस्ट्री में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करवा चुकी हैं। वे कई नामी ब्रांड्स से जुड़ी रही हैं और पॉल एडम्स और लोटस हर्बल जैसे बड़े ब्रांड्स की ब्रांड एंबेसडर भी रह चुकी हैं। उनकी खूबसूरती और स्टाइल सेंस सोशल मीडिया पर भी छाया रहता है, जहां वे अपनी स्टनिंग तस्वीरों से फैंस का दिल जीतती हैं। इसके अलावा भी फैशन की दुनिया में उनकी अच्छी खासी पकड़ रही है। अब प्रीति जल्द ही हुमा कुरैशी के साथ बयान में नजर आएंगी।

संदीप वांगा ने सलमान खान की इन फिल्मों की तारीफ की

फिल्म एनिमल के निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा इन दिनों अपनी कई फिल्मों को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इसी बीच उनका एक इंटरव्यू सामने आया है, जिसमें उन्होंने सलमान खान की दो फिल्मों को क्लासिक फिल्म कहा है साथ ही इनका सीक्वल ना बनाने की बात भी कही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान संदीप से जब पूछा गया कि वह फ्यूचर में हम आपके हैं कौन और हम साथ साथ हैं में से किस फिल्म का सीक्वल बनाना चाहेंगे। तो इस पर संदीप ने कहा, ये फिल्में उस समय बनाई गई थीं जब व्यावसायिक सिनेमा अपने चरम पर था। इन दोनों ही फिल्मों को काफी विश्वास के साथ तैयार किया गया था और मैं उन क्लासिक्स को छूने की हिम्मत नहीं कर सकता था।

दोनों ही फिल्मों में सलमान खान हैं

हम आपके हैं कौन और हम साथ साथ हैं दोनों सूरज बड़जात्या द्वारा निर्देशित फिल्में हैं। हम आपके हैं कौन में सलमान खान के अलावा माधुरी दीक्षित ने मुख्य अभिनय किया था। इस फिल्म को सुरज बड़जात्या ने लिखा और निर्देशित किया है और यह फिल्म राजश्री प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित है। फिल्म हम आपके हैं की कहानी से लेकर इस फिल्म के गाने आज भी दर्शकों को बेहद पसंद हैं।

वहीं फिल्म हम साथ साथ हैं में भी सलमान खान मुख्य भूमिका में थे। हम साथ साथ हैं एक पारिवारिक ड्रामा फिल्म है। यह फिल्म राजश्री प्रोडक्शंस के तहत सूरज बड़जात्या द्वारा लिखित और निर्देशित है। इस फिल्म में सलमान खान के अलावा सैफ अली खान, सोनाली बेंद्रे, नीलम कोठारी, करिश्मा कपूर, तब्बू, महेश ठाकुर, रीमा लागू, आलोक नाथ, शक्ति कपूर, सतीश शाह, सदाशिव अमरापुरकर, अजीत वाचानी हिमानी शिवपुरी और मनीष बहल ने अहम भूमिका निभाई थी। रिलीज के बाद अपनी आपार सफलता और दर्शकों के प्यार ने इसे क्लासिक फिल्म बना दिया।

मीका सिंह को बिपाशा के साथ काम करने का अफसोस

सिंगर मीका सिंह ने बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर के साथ फिल्म में काम करने के अनुभव को साझा किया है। एक इंटरव्यू में मीका ने कहा है कि क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज 'डेंजरस' में अभिनेत्री बिपाशा बसु के साथ काम करना उनके लिए बुरा अनुभव रहा।

नखरे की वजह से नहीं मिल रहा काम

एक इंटरव्यू में गायक ने कहा कि बिपाशा ने सीरीज में काम करते समय नखरे दिखाए। वो अपने रवैये के कारण आज काम से बाहर हैं। मीका कहते हैं- 'आपको ऐसा क्यों लगता है कि वे अब काम से बाहर हैं? भगवान सब देख रहा है। मैं करण को बहुत पसंद करता था और एक कम बजट की फिल्म बनाना चाहता था। लगभग 4 करोड़ रुपए की।'

बिपाशा प्रोजेक्ट में जबरदस्ती शामिल हुईं

मीका आगे कहते हैं कि उस समय वो विक्रम भट्ट को बतौर निर्देशक अफोर्ड नहीं कर सकते थे। इसलिए उन्होंने उन्हें भूषण पटेल को डायरेक्टर के लिए चुना। हालात तब बदल गए जब बिपाशा ने इस प्रोजेक्ट में शामिल होने की जिद की। मैं किसी और एक्ट्रेस को लेने पर विचार कर रहा था, लेकिन वह इसका हिस्सा बनना चाहती थीं। शूटिंग लंदन में सेट की गई थी। बजट 4 करोड़ से बढ़कर 14 करोड़ हो गया। फिर बिपाशा ने जो नाटक क्रिएट किया, उससे यह तय हो गया कि मुझे प्रोडक्शन में आने का हमेशा अफसोस रहेगा। यह एक ऐसी टीम थी जिसके साथ वह सहज थीं और वे दोनों एक कपल की भूमिका निभा रहे थे। उनका किसिंग सीन भी था। अचानक, वो नखरे दिखाने लगीं कि वह ऐसा नहीं करेंगी। मीका ने यह भी साझा किया कि उन्होंने कभी भी उनके पेमेंट में देरी नहीं की। लेकिन जब डबिंग की बात आई तो वो भी पूरा करना मुश्किल होने लगा। उन्होंने कहा, 'किसी न किसी का गला हमेशा खराब रहता है। अगर एक समय बिपाशा बीमार थी तो दूसरे समय करण बीमार थे। बता दें कि एमएक्स ओरिजिनल की क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज 'डेंजरस' 2020 में रिलीज़ हुई। मीका इस सीरीज के प्रोड्यूसर थे। विक्रम भट्ट ने इसकी कहानी लिखी थी।

क्या रवि दुबे-सरगुन मेहता की जोड़ी छोटे पर्दे पर साथ आएगी नजर?

हाल ही में कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि रवि दुबे और सरगुन मेहता एक नए टीवी सीरियल में साथ नजर आएंगे। यह दोनों एक फैमिली ड्रामा सीरियल का हिस्सा जल्द ही बनेंगे। रवि दुबे और सरगुन मेहता असल जिंदगी में भी पति-पत्नी हैं, दोनों की शादी साल 2013 में हुई थी। सरगुन मेहता ने कई टीवी सीरियल्स किए हैं। इन दिनों वह पंजाबी फिल्मों में लीड एक्ट्रेस के तौर पर एक्टिव हैं। रवि दुबे भी कई टीवी सीरियल कर चुके हैं। होस्टिंग भी करते हैं। जल्द ही वह रणबीर कपूर की फिल्म रामायण में लक्ष्मण की भूमिका निभाते हुए दिखेंगे।

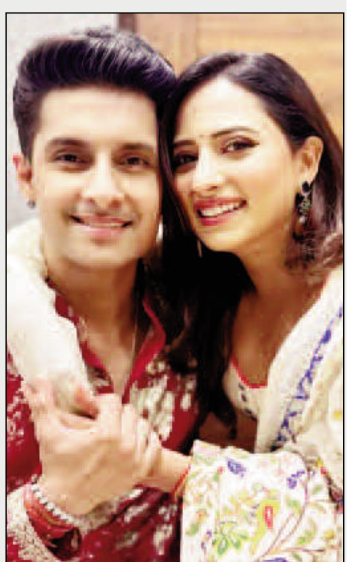

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 8888883968, 9811111715 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। संपादक : मो इस्माईल खान RNI No. DLHIN/2010/37009